सूर्योदय 5:35 सूर्यास्त 7:21

आज का तापमान

शिमला	17.5 न्यू	22.6 अधि
धर्मशाला	18.6 न्यू	29.1 अधि

बाजार

सेंसेक्स	76,836
निफ्टी	23,996

सोना 1,45,000 चांदी 2,25,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | मंगलवार, 28 जुलाई 2026 | 13 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 94, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

नीट छात्रा का सुसाइड, नोट में लिखा- सपना रह गया अधूरा

एजेंसी, महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सांगले ने आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें अंकिता ने लिखा कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया। परिवार के मुताबिक घटना से पहले छात्रा अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर उसकी मां ने दरवाजा खोला, जहां वह मृत मिली। नीट एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन खत्म होने के बाद सुसाइड का यह पहला मामला है। नीट मुद्दे पर अब तक 23 स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं।

मणिपुर में हथियार, भारी गोला-बारूद बरामद

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर में पुलिस और सुरक्षा बलों ने संयुक्त अभियान चलाकर इंफाल पूर्व जिले से 29 हथियार, बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। अधिकारियों के अनुसार, वाखा चिंग इलाके में तलाशी अभियान के दौरान जंगल से चार प्लास्टिक बैग मिले, जिनमें एसएलआर, इंसास, एके घातक राइफल, एलएमजी समेत कई हथियार बरामद हुए। इसके अलावा सैकड़ों कारतूस और चार्जर भी मिले हैं। वहीं, चुराचांदपुर जिले में पुलिस ने अलग कार्रवाई करते हुए 2.5 किलो संदिग्ध ब्राउन शुगर के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सुरक्षा बलों ने बताया कि दोनों मामलों में जांच जारी है और हथियारों की बरामदगी के बाद इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है।

हवाई फायरिंग करने वाला जवान निलंबित

एजेंसी, सीवान। सीवान में नीट पेपर लीक मामले को लेकर बिहार बंद के दौरान हुई हिंसा के बाद पुलिस मुख्यालय ने बड़ी कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एके-47 से हवाई फायरिंग करते दिखे एसआईटी जवान अभिषेक पटेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। 25 जुलाई को गांधी मैदान और जेपी चौक के पास प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी, जिसमें पथराव और हिंसा हुई। घटना में एसपी पूरन कुमार झा समेत करीब 40 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पुलिस ने अब तक 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले की विभागीय जांच जारी है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

सोनम वांगचुक को मिली मेदांता अस्पताल से छुट्टी

एजेंसी, नई दिल्ली। पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को सोमवार को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से छुट्टी मिल गई। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर वीडियो साझा कर इसकी जानकारी दी। वांगचुक ने बताया कि अब वह महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने राजघाट जाएंगे और इसके बाद पहाड़ों की ओर लौटेंगे। उन्होंने अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ का आभार जताया। वांगचुक ने जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन के दौरान 26 दिनों तक अनशन किया था, जिसके बाद तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पेपर लीक बिल पर चर्चा करने को विपक्ष तैयार, होगी वोटिंग

लोकसभा स्पीकर ने नेताओं को मनाया, हंगामे के कारण 4 बार स्थगित हुई संसद

एजेंसी, नई दिल्ली। 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026' को लेकर संसद में हंगामा खत्म होने की उम्मीद है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की मुताबिक विपक्ष मंगलवार को इस पर चर्चा शुरू करने के लिए सहमत हो गया है। स्पीकर ओम बिरला ने पार्टियों के नेताओं से बातचीत की, जिसके बाद सरकार और विपक्ष दोनों ही 28 जुलाई को बिल पर चर्चा करने और वोटिंग के लिए तैयार हो गए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार दोपहर 12 बजे से बिल पर चर्चा शुरू हो सकती है। इससे पहले सोमवार को लोक परीक्षा संशोधन बिल पेश किया गया। हालांकि, विपक्ष के हंगामे की वजह से चर्चा नहीं हो सकी। विपक्ष छात्रों पर नीट पेपर लीक के विरोध प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज के मामले पर बहस के लिए अड़ा रहा। कांग्रेस का कहना है कि इस मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह सदन में आकर बयान दें। इस वजह से लोकसभा की कार्यवाही दिन में 4 बार स्थगित हुई। जब भी कार्यवाही शुरू हुई, कांग्रेस, सपा के सांसद वेल में बैनर लेकर पहुंच जाते और नारेबाजी करने लगते। सरकार ने यह संशोधन नीट पेपर लीक विवाद और देशभर में हुए छात्र आंदोलनों के बाद लाया है।

पीएम ने 23 जुलाई को कानून को और सख्त बनाने का ऐलान किया था। बाद में इंफोसिस को-फाउंडर नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में परीक्षा सुधार के लिए हाई-पावर्ड टास्क फोर्स बनाने की भी घोषणा की गई।

मैं स्ट्रीट फाइटर हूं : धर्मेंद्र

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद पहली बार संसद पहुंचने पर धर्मेंद्र प्रधान का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों ने मकर द्वार पर जोरदार स्वागत किया। इस पर कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य व महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए कहा कि उनका स्वागत ऐसे हो रहा है,मानो उन्होंने कोई बड़ी उपलब्धि हासिल की हो। संसद परिसर में जयराम ने मुलाकात के दौरान प्रधान से कहा कि ऐसा होता रहता है। इस पर प्रधान ने कहा, 'मैं स्ट्रीट फाइटर हूं, वातानुकूलित कमरों में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं।'

छात्रों की गिरफ्तारी पर सीजेपी बोली- सरकार निभाए वादा, वरना फिर किया जाएगा प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सोमवार को चेतावनी दी कि प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई नहीं रुकी और गिरफ्तार छात्रों को राहत नहीं मिली, तो वह फिर से आंदोलन शुरू करेगी। पार्टी प्रवक्ता सौरव दास ने आरोप लगाया कि सरकार ने समझौता तोड़ा है। बिहार और पश्चिम बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार कर झूठे मुकदमों में फंसाया गया है।

दिल्ली में हुई इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीजेपी नेता आशुतोष रांका, सौरव दास के साथ एडवोकेट कपिल सिब्बल भी मौजूद थे। उन्होंने कहा- मेरा रोल इस पार्टी के कानूनी मसलों में मदद करना है। सीजेपी ने कहा कि हमने एक पोर्टल लॉन्च किया है, जिसके जरिए पीड़ित छात्र अपनी परेशानी शेयर कर सकते हैं। वे केस इन्फॉर्मेशन और वीडियो भी शेयर कर सकते हैं। इससे पहले दिन में सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने सोमवार को एक्स पर लिखा था कि

◆ **देशभर में सैकड़ों छात्र अरेस्ट झूठे मुकदमे में फंसाया, हम इनके साथ : सौरव दास**

असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में छात्रों और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया जा रहा है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पार्टी का कहना है कि उसने देशव्यापी आंदोलन केंद्र सरकार के इस आश्वासन पर स्थगित किया था कि किसी भी प्रदर्शनकारी पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। सीजेपी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार अपने वादे से पीछे हटती है, तो यह लाखों युवाओं के विश्वास के साथ धोखा होगा।

हर नागरिक को कानून के दायरे में प्रदर्शन का अधिकार: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। सीजीआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची व जस्टिस वी मोहना की बेंच ने साथ ही कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना उतनी ही चिंता की बात है और सरकार से इस पर जवाब मांगा जा सकता है, अब कोर्ट मंगलवार को इन सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में आरोप है कि नीट पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की। ये याचिकाएं 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च से जुड़ी हैं।

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में मेरा कोई रोल नहीं : नितिन गडकरी

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ **डीपफेक वीडियो मामले में मेटा, एक्स व गूगल के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी**

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर एक याचिका में कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में उनका कोई रोल नहीं है। ये दोनों प्रोजेक्ट पूरी तरह से केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के हैं।

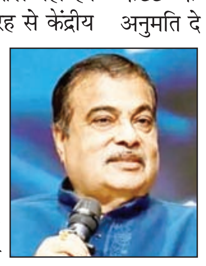

दरअसल मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल पर एथेनॉल मामले में गडकरी के कई सारे एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो वायरल हो रहे हैं। गडकरी ने याचिका में कहा है कि इन वीडियो में उन्हें एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम और ई20 पहल से गलत तरीके से जोड़ा गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को डिजिटल कंटेंट के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी है। अब गडकरी मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल कंपनी के खिलाफ सिविल सुट दायर कर सकते हैं।

भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण (ई20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया है और इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं।

सीएम मान ने लोहारा स्कूल में वर्धमान ब्लॉक का किया उद्घाटन, बोले- बुनियादी ढांचे पर हो रहा काम, बेहतर सुविधाएं मिलेंगी

एजेंसी, लुधियाना। लुधियाना में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भारी बारिश के बीच शिक्षा क्षेत्र को बड़ी सौगात दी। खराब मौसम के बावजूद मुख्यमंत्री लोहारा स्थित सरकारी प्राइमरी स्कूल पहुंचे, जहां उन्होंने नवनिर्मित 'वर्धमान ब्लॉक' का विधिवत उद्घाटन किया।

लुधियाना में सोमवार को मौसम अचानक बदला और तेज बारिश शुरू हो गई। इसके बावजूद कार्यक्रम को रद्द नहीं किया गया व मुख्यमंत्री तय समय के अनुसार कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। बारिश के बीच हुए उद्घाटन समारोह के दौरान स्थानीय लोगों, शिक्षकों और स्कूली बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार शिक्षा

◆ **मुख्यमंत्री मान ने स्कूल परिसर का निरीक्षण किया**

व्यवस्था के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि सरकार स्कूलों के विकास और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बारिश के कारण लुधियाना पुलिस और जिला प्रशासन को कार्यक्रम की व्यवस्थाएं संभालने में अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ी। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। वहीं, ट्रैफिक पुलिस ने बारिश के बीच मुख्यमंत्री के काफिले और आम लोगों की आवाजाही को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों और स्थानीय विधायकों की मौजूदगी में स्कूल परिसर का निरीक्षण भी किया। यह पहल पंजाब सरकार के उस अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत राज्य के सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर 'स्कूल ऑफ एमिनेंस' की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है।

विद्या भारती प्रतिभा सम्मान समारोह सीएम धामी ने विद्यार्थियों को नवाजा

एजेंसी, हरिद्वार। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, उत्तराखंड के तत्वावधान में रुड़की के आनंद स्वरूप आर्य सरस्वती विद्या मंदिर में सोमवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालयों के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगातार तीसरे वर्ष प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। विद्यार्थियों की सफलता सिद्ध करती है कि परिश्रम, अनुशासन और संस्कार से हर लक्ष्य पाया जा सकता है। यह सम्मान उनके आत्मविश्वास को नई ऊर्जा देगा और भविष्य में हर क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए

प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि विद्या भारती ने सनातन संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा देकर देश में संस्कार की नींव रखी है। 1952 में गोरखपुर से शुरू हुआ सरस्वती शिशु मंदिर आज विशाल वटवृक्ष बन चुका है। वर्तमान में विद्या भारती देशभर में 13 हजार औपचारिक और 12 हजार अनौपचारिक विद्यालयों के जरिए 45 लाख विद्यार्थियों को शिक्षा दे रही है। उत्तराखंड में विद्या भारती के 562 विद्यालयों में सवा लाख छात्र पढ़ रहे हैं।

बच्चों को ज्ञान के साथ-साथ सांस्कृतिक ज्ञान भी दें : सैनी

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सीएम ने किया पौधरोपण

भारतेन्दु संवाददाता, जींद। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि भारत की प्रगति आध्यात्मिक आधार पर भी चलती है। लगातार यह ऐसे ही चलती है और बढ़ती रहेगी। हमारे बच्चों को ज्ञान देने के साथ-साथ सांस्कृतिक ज्ञान भी दें। हम आज यहां से गौसेवा का संकल्प लेकर जाएं, अच्छी संस्कृति का नाम दें।

मुख्यमंत्री नायब सैनी सोमवार को गांव उझाना में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बतौर मुख्यअतिथि शिरकत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने उझाना गांव में सामुदायिक केंद्र के निर्माण के लिए एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की। इसके अलावा गांव में विकास कार्यों को गति देने के लिए 51 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि देने का भी ऐलान किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक पेड़ मां के नाम

◆ **हरियाणा में 24 फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रहीं, 217 संकल्पों में 66 पूरे**

अभियान के तहत पौधरोपण भी किया। उन्होंने पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि चुनाव से पहले आप सभी का आशीर्वाद लेने उझाना आया था और अपने आशीर्वाद भी दिया, जिसका वो धन्यवाद करते हैं। आज 217 संकल्पों में से 66 संकल्प हरियाणा सरकार ने पूरे कर लिए हैं। शेष जो रह गए हैं, उन्हें भी जल्द पूरा किया जाएगा।

सीएम नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा में 24 फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं। सीएम ने हरियाणा व केंद्र सरकार की नीतियों पर प्रकाश डाला और कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन के अनुसार लगातार हरियाणा का विकास किया जा रहा है।

इंडिगो फ्लाइट की राजकोट में हुई इमरजेंसी लैंडिंग, सभी 194 पैसेंजर-क्रू सुरक्षित

एजेंसी, राजकोट। दुबई से मुंबई आ रही इंडिगो की फ्लाइट ईगो1452 की राजकोर्ट एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक पायलट ने विमान के

कार्गो कंपार्टमेंट से धुआं निकलते देखा था, इसके बाद फ्लाइट को राजकोट में लैंड कराया। इंडिगो की फ्लाइट में पायलट क्रू समेत 194 यात्री सवार थे। एयरपोर्ट के अफसरों के अनुसार फ्लाइट में सवार सभी पैसेंजर और क्रू को सुरक्षित उतार लिया गया है। राजकोट एयरपोर्ट डायरेक्टर दिगंत बोराह ने बताया कि प्लेन के कार्गो डिब्बे में धुआं निकलने के कारण दोपहर 2:45 बजे टोटल इमरजेंसी डिक्लेयर की गई। इसके बाद प्लेन ने दोपहर 3:27 बजे राजकोट एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। विमान में सवार सभी 194 यात्री सुरक्षित हैं।

खेल सुविधाओं को मजबूत कर रही दिल्ली सरकार : सीएम रेखा

कहा- खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

एजेंसी, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में सोमवार को 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद शामिल हुए। 27 जुलाई से दो अगस्त तक चलने वाली इस चैंपियनशिप में राष्ट्रमंडल के 25 देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि देश की राजधानी में आयोजित यह चैंपियनशिप दिल्ली के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक है और इसकी मेजबानी करना दिल्ली सरकार के लिए गर्व की बात है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों, कोचों, अधिकारियों और आयोजन से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता की सफलता की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार खेल

अवसंरचना को लगातार मजबूत कर रही है और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही ऐसा वातावरण तैयार किया जा रहा है, जिससे युवा और छात्र खेल गतिविधियों में अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित हों।

उन्होंने राष्ट्रमंडल के 25 देशों से आए खिलाड़ियों, कोचों और प्रतिनिधिमंडलों का दिल्ली में हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें, यादगार पल रचें और दिल्ली की आत्मीयता की सुखद यादें अपने साथ लेकर जाएं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दो अगस्त तक त्यागराज स्टेडियम रोमांचक मुकाबलों का गवाह बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली वैश्विक खेल केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से भी इस खेल महोत्सव का हिस्सा बनने और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की।

परेशान कतई न हों, हर उचित समस्या का निष्पक्षता से कराएंगे समाधान : सीएम योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक व्यक्ति से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने यहां आए लोगों से कहा कि आप परेशान कतई न हों, सरकार हर उचित समस्या का निष्पक्ष समाधान कराएगी। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों से भी बातचीत की, उनकी पढ़ाई और रूचि के बारे में भी जाना, फिर सभी को चॉकलेट भी दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में लोगों से मुलाकात कर उन्हें भरोसा दिलाते हुए कहा कि परेशान न हों, सबकी उचित समस्या पर प्रभावी कार्रवाई कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि यहां आईं शिकायतों का निस्तारण और

◆ **मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में आए लोगों को दिया भरोसा**

समस्याओं का समाधान शीघ्रता से कराया जाए। अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी का निस्तारण निष्पक्ष और समयबद्ध होना चाहिए।

अपराध व जमीन पर जबरन कब्जा किए जाने संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके साथ ही इलाज के लिए आर्थिक मदद से जुड़े प्रार्थना पत्रों पर उन्होंने अस्पतालों के एस्टिमेट की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने को कहा। योगी ने लोगों को आश्वस्त किया कि एस्टिमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

'जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ कुछ बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को दुलारा, उनसे पढ़ाई और रुचि के बारे में भी पूछा, फिर चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करें। इसके साथ ही किसी अन्य विधा (खेल, गीत-संगीत, कला, नाट्य) आदि में भी प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने भीतर की कला को निखारें।

आयोजन नगरोटा बगवां में 26 करोड़ रुपए से अधिक विकास परियोजनाओं की सीएम ने रखी आधारशिला

टांडा मेडिकल कॉलेज में बढ़ेंगी पीजी की 100 सीटें : सीएम सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, नगरोटा बगवां। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए व्यापक सुधार कर रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष लगभग 24 हजार विद्यार्थियों ने निजी स्कूल छोड़कर 150 सीबीएसई पाठ्यक्रम वाले सरकारी स्कूलों में प्रवेश लिया है, जो सरकारी शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते विश्वास का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री नगरोटा बगवां में आयोजित बाल मेले में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी दो से चार वर्षों में सरकारी स्कूलों का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा। सरकार इन विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं और बेहतर शिक्षण व्यवस्था से सुसज्जित कर रही है, जिससे अधिक से अधिक

अभिभावक अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिला दिलाने के लिए प्रेरित होंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नगरोटा बगवां में 8.56 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले मॉडल पुलिस स्टेशन एवं पुलिस आवास, 9.62 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले ओल्ड ऐज होम तथा 8.65 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले ऑडिटोरियम की आधारशिला रखी। उन्होंने बड़ोह में मिनी सचिवालय खोलने, बड़ोह पुलिस चौकी को पुलिस थाना बनाने तथा सेराथाना हेल्थ सेंटर को स्तरोन्नत कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की घोषणा भी की। स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों में 330 नई पीजी सीटें बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी और लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

उन्होंने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद चिकित्सा महाविद्यालय टांडा में भी 100 पीजी सीटों की वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल सरकारी क्षेत्र में रोबोटिक सर्जरी शुरू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। सभी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में तीन टेस्ला एमआरआई मशीनें स्थापित की जा रही हैं। आईजीएमसी शिमला और एआईएमएसएस चमियाना में यह सुविधा उपलब्ध करवाई जा चुकी है। इसके अलावा जिला अस्पतालों में पीईटी स्कैन, सीटी स्कैन और आधुनिक कैंसर उपचार सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों से किया गया वायदा निभाते हुए पुरानी पेंशन योजना लागू की है।

नगरोटा बगवां के विकास में दिवंगत जीएस बाली की रही महत्वपूर्ण भूमिका

सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार कांगड़ा जिले के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। धर्मशाला में विभिन्न सरकारी संस्थानों को सशक्त किया जा रहा है तथा कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2032 तक हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर और देश का अग्रणी राज्य बनाना है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत जीएस बाली को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि नगरोटा बगवां के विकास में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने स्थानीय विधायक एवं एचपीटीडीसी अध्यक्ष आरएस बाली के प्रयासों की भी सराहना की। इस अवसर पर लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह, राजेश धर्माणी, यादविंद्र गोमा, उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, विधायक संजय रत्न व मलेंद्र राजन सहित प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ब्रीडर बीज की गुणवत्ता व मानकीकरण मजबूत करने पर विशेषज्ञों ने दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), शिमला में 'बीज आलू उत्पादन हेतु आधारभूत मानक संचालन प्रक्रियाएं' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय दक्षता विकास कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

यह कार्यक्रम 27 से 29 जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के संस्थान के ब्रीडर सीड उत्पादन केंद्रों से वैज्ञानिक और तकनीकी कार्मिक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य ब्रीडर बीज आलू उत्पादन में वैज्ञानिक एकरूपता, गुणवत्ता और मानकीकरण को मजबूत करना है। ब्रीडर बीज उत्पादन देश की संपूर्ण बीज आलू उत्पादन प्रणाली का आधारशिला है। इसके माध्यम से बीज की गुणवत्ता, आनुवंशिक शुद्धता और उत्पादन प्रक्रियाओं में समानता सुनिश्चित की जाती है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए सीपीआरआई शिमला के निदेशक डॉ. ब्रजेश सिंह ने कहा कि ब्रीडर बीज उत्पादन प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए वैज्ञानिक कार्यप्रणालियों, खेत एवं प्रयोगशाला स्तर पर मानकीकरण और कार्मिकों के सतत प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले बीज आलू की उपलब्धता किसानों और अन्य हितधारकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम निदेशक डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ब्रीडर बीज आलू उत्पादन के मानक संचालन प्रक्रियाओं का सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे सभी केंद्रों में उत्पादन प्रक्रिया में एकरूपता आएगी और राष्ट्रीय बीज आलू उत्पादन कार्यक्रम को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ध्रुव कुमार, डॉ. अश्वनी शर्मा और डॉ. तनुजा बक्सेठ द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी और विभिन्न केंद्रों से आए प्रतिभागी उपस्थित रहे।

शिमला को मॉडल सिटी बनाने पर जोर : कुलदीप

सफाई कर्मचारियों से हड़ताल को लेकर हलफनामा लेने पर आयोग सख्त

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य सफाई कर्मचारी आयोग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कुलदीप कुमार धीमान ने की। बैठक में प्रदेश के सफाई कर्मचारियों की समस्याओं, सुविधाओं और कार्य परिस्थितियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान विभिन्न विभागों, नगर निकायों और संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सफाई कर्मचारियों से जुड़े मुद्दे आयोग के समक्ष रखे।

कुलदीप कुमार धीमान ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की जो वे मांगें, जिनका समाधान आयोग के स्तर पर संभव है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा। वहीं, सरकार स्तर से संबंधित मांगों को प्रदेश सरकार के समक्ष उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सफाई कर्मचारियों और अनुसूचित जाति वर्ग के हितों को लेकर आयोग प्रदेश के नौ जिलों में समीक्षा बैठकें आयोजित कर चुका है। उन्होंने कहा कि सफाई कार्य को आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए ऑटोमेशन को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने नगर निगम शिमला को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में सुधार के लिए नियमित औचक निरीक्षण किए जाएं। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों को कूड़ा सिर पर उठाने जैसी असुरक्षित परिस्थितियों से निजात दिलाना जरूरी है और सफाई कार्य को पेशेवर तरीके से करवाया जाना चाहिए।

आयोग अध्यक्ष ने बताया कि हिमाचल प्रदेश महर्षि वाल्मीकि कामगार योजना के तहत आवास निर्माण के लिए तीन लाख रुपये की सहायता उपलब्ध है। उन्होंने पात्र लोगों से योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आयोग की प्राथमिकता सफाई कर्मचारियों को सुरक्षित रोजगार, निर्धारित सुविधाएं और सम्मानजनक कार्य वातावरण उपलब्ध करवाना है। बैठक में नगर निगम शिमला में सैहब सोसायटी कर्मचारियों की हड़ताल, सफाई कर्मचारियों और सुपरवाइजर से लिए गए एफिडेविट सहित अन्य मामलों पर भी चर्चा हुई।

आयोग ने इन मामलों में नगर निगम से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। अध्यक्ष ने कहा कि रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम शिमला के आयुक्त सचिन कंवल ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि कामगार योजना के तहत अभी तक कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वित्त वर्ष में सफाई कर्मचारियों को 3457 ग्लव्स, 3428 मास्क, 1118 रेनकोट और 62 गम बूट्स उपलब्ध करवाए गए हैं।

नगर निगम में 150 नियमित कर्मचारी कार्यरत हैं, जबकि सैहब सोसायटी के तहत 931 कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं। बैठक में आयोग के सदस्य डॉ. विजय डोगरा और दिग्विजय मल्होत्रा ने भी सफाई कर्मचारियों के अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए आयोग की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने वाल्मीकि समुदाय के लोगों के जाति प्रमाण पत्र और बोनाफाइड प्रमाण पत्र से जुड़ी समस्याओं को सरकार के समक्ष रखने की बात कही। बैठक में सफाई कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्थायी रोजगार, आवास मरम्मत, सुरक्षा उपकरणों की गुणवत्ता और कर्मचारियों की अन्य समस्याओं को उठाया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, नगर निकायों के प्रतिनिधि और सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

शिमला के डोडरा क्वार में अवैध भांग की खेती का पर्दाफाश, 2,860 पौधे मिले, दो मामले दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के डोडरा क्वार क्षेत्र में पुलिस ने अवैध भांग (कैनाबिस) की खेती के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 के तहत दो मामले दर्ज किए हैं।

पुलिस के अनुसार दोनों मामलों में कुल 2,860 भांग के पौधे बरामद हुए हैं। अधिकांश पौधों को मौके पर ही नियमानुसार नष्ट कर दिया गया, जबकि कुछ पौधों को कानूनी प्रक्रिया के लिए कब्जे में लिया गया है। दोनों मामलों की जांच शिमला पुलिस कर रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि 26 जुलाई को पुलिस चौकी डोडरा क्वार की टीम क्षेत्र में गश्त व कानून-व्यवस्था ड्यूटी पर तैनात थी। इसी दौरान ग्राम गोसांगू में निरीक्षण के समय अवैध रूप से भांग की खेती किए जाने के दो मामले सामने आए। पहले मामले में ग्राम गोसांगू के खसरा नंबर 42 में सूर्य देव निवासी धंद्रावाड़ी के कब्जे वाली भूमि पर 1,550 भांग के पौधे उगाए गए पाए गए। इनमें से 1,530 पौधों को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया, जबकि शेष पौधों को कानूनी कार्रवाई के लिए कब्जे में लिया गया। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। अधिकारी के मुताबिक मामले में ग्राम गोसांगू के खसरा नंबर 41 में उर्जेंद्री देवी निवासी धंद्रावाड़ी के कब्जे वाली भूमि पर 1,310 भांग के पौधे लगे मिले। इनमें से 1,290 पौधों को मौके पर ही नष्ट किया गया, जबकि बाकी पौधों को साक्ष्य के तौर पर सुरक्षित रखा गया। इस मामले में भी एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जिला पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मादक पदार्थों की अवैध खेती, तस्करी या इस तरह की किसी भी गैरकानूनी गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। पुलिस का कहना है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

बोह पंचायत के आपदा प्रभावित परिवारों से मिले विक्रमादित्य, हरसंभव सहायता का दिया भरोसा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने सोमवार को शाहपुर विधानसभा क्षेत्र की बोह पंचायत का दौरा कर हाल ही में आपदा से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की।

उन्होंने प्रभावित परिवारों का कुशलक्षेम जाना, उनकी समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुना तथा उन्हें विश्वास दिलाया कि प्रदेश सरकार इस कठिन समय में उनके साथ मजबूती से खड़ी है और हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने राजा वीरभद्र सिंह फाउंडेशन की ओर से सभी 16 प्रभावित परिवारों को आर्थिक राहत सहायता भी प्रदान की। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों का मनोबल बनाए रखना और उन्हें हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बोह की सड़क के लिए लोक निर्माण विभाग के माध्यम से एक करोड़ रुपये जारी करने के निर्देश भी दिए। मंत्री ने मौके पर मौजूद प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों को प्रभावित परिवारों की मांगों पर त्वरित कार्रवाई करने तथा राहत एवं पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी पात्र परिवारों तक सरकारी सहायता समयबद्ध ढंग से पहुंचाई जाए और पुनर्वास कार्यों में किसी प्रकार की कमी न रहने दी जाए। इससे पूर्व लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में चंबी खड्ड पर क्षतिग्रस्त हुए पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर पुल की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से पुनर्निर्माण की प्रगति और प्रस्तावित कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को पुल के पुनर्निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर शाहपुर के विधायक एवं हिमाचल प्रदेश सरकार के उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया भी उनके साथ मौजूद रहे। इस अवसर लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

तंबाकू नियंत्रण कानून उल्लंघन पर बिलासपुर में 36 चालान 32 हजार रुपए जुर्माना वसूला

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग और पुलिस विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तंबाकू नियंत्रण कानून के उल्लंघन पर जिला भर में 36 चालान काटकर 32 हजार 300 रुपए जुर्माना वसूला। कार्रवाई में एक जिला स्तरीय फ्लाइंग स्क्वाड और चार खंड स्तरीय टीमों ने भाग लिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशि दत्त शर्मा ने बताया कि सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 की धारा 4 और 6(ए), 6(बी) के तहत 33 चालान कर 17 हजार 300 रुपए जुर्माना वसूला गया। वहीं हिमाचल प्रदेश लूज सिगरेट एवं बीड़ी विनियमन अधिनियम, 2016 के तहत श्री नैना देवी जी क्षेत्र में तीन चालान कर 15 हजार रुपए जुर्माना किया गया। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। बिना लाइसेंस बिक्री पर 50 हजार रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।

एमआईएस के तहत आम, सिट्रस व सेब की खरीद शुरू

◆ एचपीएमसी करेगा फलों की खरीद

एमआईएस योजना से बागवानों को बाजार और बेहतर दाम की उम्मीद

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। बागवानी विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 के लिए प्रोसेसिंग ग्रेड आम, सिट्रस फलों व सी-ग्रेड सेब की खरीद के लिए मंडी मध्यस्थता योजना लागू करने को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के फल उत्पादकों को उनकी उपज का उचित मूल्य और बाजार उपलब्ध करवाना है। हिमाचल प्रदेश बागवानी उत्पाद विपणन एवं प्रसंस्करण निगम (एचपीएमसी) के माध्यम से फलों की खरीद की जाएगी। इसके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार सेब की खरीद में हिमफेड का भी सहयोग लिया जाएगा।

प्रवक्ता ने बताया कि योजना के तहत प्रोसेसिंग ग्रेड सीडलिंग, ग्राफ्टेड और कच्चे अचारी किस्म के आम की खरीद 12 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से 15 जुलाई, 2026 से 31 अगस्त, 2026 तक की जाएगी। आम की खरीद और ढुलाई 20 किलोग्राम क्षमता के रिसाइकलेबल प्लास्टिक क्रेट में की जाएगी। किसान अपनी उपज किसी भी उपयुक्त पैकिंग में ला सकते हैं तथा इन क्रेटों को किसानों को वापिस कर दिया जाएगा। प्रदेश में आम की खरीद के लिए 42 संग्रहण केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रोसेसिंग ग्रेड किन्नू, माल्टा और संतरा की खरीद 12 रुपए प्रति किलोग्राम, जबकि गलगल की खरीद 10 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से की जाएगी।

इन फलों की खरीद 21 नवंबर, 2026 से 15 फरवरी, 2027 तक होगी। किन्नू, माल्टा और संतरा की खरीद 15 किलोग्राम क्षमता वाले प्लास्टिक क्रेट में तथा गलगल की खरीद 40 किलोग्राम के जूट के बैग में की जाएगी। प्रवक्ता ने बताया कि योजना के तहत अधिकतम 1.50 लाख मीट्रिक टन सी-ग्रेड सेब की खरीद 12 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से 1 अगस्त, 2026 से 31 अक्तूबर, 2026 तक की जाएगी। सेब की खरीद 35 किलोग्राम के जूट के बैग में की जाएगी। इसके अतिरिक्त, आवश्यकतानुरूप ढुलाई के लिए 16 किलोग्राम क्षमता वाले रिसाइकलेबल प्लास्टिक क्रेट को प्राथमिकता दी जाएगी। किसान अपनी उपज किसी भी उपयुक्त पैकिंग में ला सकते हैं और परिवहन के दौरान फलों की गुणवत्ता बनाए रखना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि केवल 51 मिलीमीटर से अधिक आकार और निर्धारित गुणवत्ता मानकों वाले सेब ही खरीदे जाएंगे। सड़े-गले, पक्षियों द्वारा खाए हुए, अधिक रोगग्रस्त, कीटग्रस्त, सिकुड़े हुए या एथेफोन से उपचारित सेब योजना के तहत स्वीकार नहीं किए जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि पंजीकृत किसान ही इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए एचपीएमसी एमआईएस पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। किसान निर्धारित गुणवत्ता वाले फलों को ही अधिसूचित खरीद केंद्रों पर ला सकते हैं। योजना के नियमों के अनुसार किसानों को खरीद के समय वाष्पीकरण और अन्य वजन की कमी की भरपाई के लिए कुल वजन का 2.5 प्रतिशत अतिरिक्त फल भी देना होगा।

टीडीबी की योजनाओं से उद्यमियों शोधकर्ताओं को मिलेगा लाभ

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी व पर्यावरण परिषद (हिमकॉस्ट) ने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) के सहयोग से शिमला में 'आत्मनिर्भर यात्रा-हिमाचल चैप्टर' क्षेत्रीय आउटरीच सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्देश्य प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता फैलाना तथा प्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करना रहा। सम्मेलन का उद्घाटन पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव सुशील कुमार सिंगला ने किया। उन्होंने स्टार्टअप, एमएसएमई, उद्यमियों और शोधकर्ताओं से टीडीबी की योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। सम्मेलन में करीब 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। तकनीकी सत्रों में स्टार्टअप फंडिंग, टेक्नोलॉजी रेडीनेस लेवल और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

घणाहट्टी में निशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर 51 लोगों ने उठाया लाभ

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से दिव्ययोग रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट की इकाई आयुष हॉस्पिटल, न्यू टूटू शिमला द्वारा घणाहट्टी में निशुल्क आयुष स्वास्थ्य एवं रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ घणाहट्टी पंचायत प्रधान रोशन लाल ठाकुर ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में क्षेत्र के 51 लोगों ने स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श और आयुर्वेदिक सेवाओं का लाभ उठाया। इस दौरान मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉइड, अस्थमा, मोटापा, गठिया, जोड़ों का दर्द, पाचन संबंधी समस्याओं और अन्य बीमारियों से संबंधित मरीजों की जांच की गई। शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, बीएमआई, आंखों और दांतों की जांच सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण नि:शुल्क किए गए।

3 से 5 अगस्त तक सरकारी बसों का चक्का जाम

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पंजाब रोडवेज, पनबस व पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन ने राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन का ऐलान कर दिया है। यूनियन ने आरोप लगाया है कि सरकार परिवहन विभाग और कच्चे कर्मचारियों की मांगों को नजरअंदाज कर रही है। मांगें पूरी न होने पर यूनियन ने 3, 4 और 5 अगस्त 2026 को तीन दिवसीय पूर्ण हड़ताल और चक्का जाम करने की घोषणा की है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री के आवास के बाहर धरना तथा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान भूख हड़ताल की चेतावनी दी गई है। सोमवार को पंजाब के सभी 27 डिपो के गेटों पर यूनियन की ओर से विरोध प्रदर्शन किए गए। पठानकोट डिपो में आयोजित रैली के दौरान यूनियन नेताओं ने सरकार की नीतियों और परिवहन विभाग में कथित अनियमितताओं के खिलाफ रोष जताया। यूनियन के संयुक्त सचिव विजय कुमार ने कहा कि सत्ता में आने से पहले सरकार ने ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने और कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने का वादा किया था, लेकिन चार साल से अधिक समय बीतने के बाद भी इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ करीब 70 बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन परिणाम सामने नहीं आए। उन्होंने ईपीएफ और ईएसआई से जुड़े मामलों में भी जांच की मांग उठाई। डिपो संरक्षक दविंदर सिंह लाली ने परिवहन विभाग की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि बड़ी संख्या में बसें खराब हालत में खड़ी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्पेयर पाट्र्स, टायर और बैटरियों की कमी के कारण कई बसों का संचालन प्रभावित हो रहा है, जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी बसों के बेड़े को मजबूत करने की आवश्यकता है। यूनियन महासचिव जुगराज सिंह और सुखदेव सिंह ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर कार्रवाई के लिए समय मांगा था, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। यूनियन नेताओं जोगिंदर पाल लवली और दिलबाग सिंह ने चेतावनी दी कि 3 से 5 अगस्त तक प्रस्तावित हड़ताल के दौरान यदि कर्मचारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई तो आंदोलन को अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदला जा सकता है।

नीट पेपर लीक पर केंद्र ने समय रहते जिम्मेदारी नहीं ली : नरेश चौहान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नीट पेपर लीक मामले को लेकर सियासी बयानबाजी जारी है। मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस मामले में केंद्र सरकार ने समय रहते जिम्मेदारी नहीं ली। उन्होंने दावा किया कि नीट पेपर लीक के कारण देशभर में 30 छात्रों की मौत हुई और इससे युवाओं में गहरा आक्रोश पैदा हुआ। नरेश चौहान ने सोमवार को शिमला में कहा कि आंदोलन कर रहे छात्र केवल परीक्षा व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता की मांग कर रहे थे, लेकिन केंद्र सरकार ने उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। उनके अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों के आंदोलन का सही आकलन नहीं किया और इसका परिणाम पूरे देश में बढ़ते विरोध के रूप में सामने आया।

4.11 करोड़ के गोलमाल पर एफआईआर दर्ज करे सरकार : राणा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। शानुआ दी थाती से भेरड़ा तक 4 किलोमीटर सड़क के घटिया निर्माण कार्य पर प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग उठाई है।

उन्होंने कहा कि ऐसा संभव नहीं कि 1 साल के भीतर सड़क उखड़ जाए। 4.11 करोड़ में तो हाइवे बन जाना था, लेकिन सड़क को ग्रेड डी भी नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि या तो सरकार सो रही है या फिर कमीशन का रही है, अगर सच में ही सरकार में थोड़ी-बहुत ईमानदारी और संवेदनशीलता है तो मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। पिछले कल ग्राम पंचायत भेरड़ा के दौरे के दौरान जब ग्रामीणों ने इस सड़क की दुर्दशा दिखाई, तो राजेंद्र राणा भी सड़क पर बड़े स्तर पर हुए सरकारी धन के गबन पर मुखर हो गए। जारी प्रेस विज्ञप्ति में राजेंद्र राणा ने आरोप लगाया कि विभाग की मिलीभगत के बिना इतना बड़ा घोटाला कभी नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि इस सड़क को वर्ष 2013-14 में कच्चा निकाला गया। विधायक रहते हुए उन्होंने इसे पक्का करने के लिए अपनी विधायक प्राथमिकता में डाला था। वर्ष 2023 में इस 4 किलोमीटर सड़क के लिए 4.11 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए और इसका शिलान्यास भी किया गया। सड़क वर्ष 2024-25 में बनकर तैयार हुई, लेकिन 1 साल के अंदर ही यह जगह-जगह से उखड़ गई। सड़क में न तो उचित ड्रेन बनाई गई है और न ही पैरापिट बनाए। सड़क को जगह-जगह से जानबूझकर कच्चा छोड़ दिया गया है, जबकि जमीन को लेकर कोई विवाद नहीं है। नाबार्ड के नियमों के अनुसार संबंधित ठेकेदार को ही मुरम्मत करनी है, लेकिन न तो सड़क पास की गई है और न ही विभाग कोई कार्रवाई कर रहा है।

उन्होंने कहा कि यह सब ठेकेदार और विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से हुआ घोटाला है। राजेंद्र राणा ने कहा कि सुजानपुर में अधिकतर सरकारी कार्यों में भ्रष्टाचार ही सामने आ रहा है। न गुणवत्ता है और न कार्रवाई। ऐसा प्रतीत होता है कि सुजानपुर में लूट-खसोट और मनमानी को खुली छूट दे दी गई है। उन्होंने कहा कि इस सड़क पर रिटेनिंग दीवार भी जनसहयोग के 60 हजार में बनाई और ग्रामीण अब तक इस सड़क पर 2 लाख खर्च कर चुके हैं। सरकारी धन की तो लूट मचाई ही, लेकिन ग्रामीणों के पैसे की लाज भी नहीं रखी। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने 15 दिन के भीतर इस सड़क की जांच करवाकर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की और सड़क को नियमों के अनुसार दोबारा नहीं बनवाया, तो ग्राम पंचायत भेरड़ा के अंतर्गत आने वाले सभी गांव के लोग मिलकर चक्का जाम करने को मजबूर होंगे।

जुन्गा में पुलिस भर्ती के लिए निशुल्क कोचिंग शुरू, 651 अभ्यर्थी ले रहे प्रशिक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश पुलिस में प्रस्तावित 800 पदों पर भर्ती की तैयारी के लिए प्रथम सशस्त्र वाहिनी जुन्गा में सोमवार से एक माह का निशुल्क कोचिंग कार्यक्रम शुरू किया गया।

प्रशिक्षण शिविर में प्रदेशभर से 651 अभ्यर्थी भाग ले रहे हैं। शिविर का शुभारंभ प्रथम सशस्त्र वाहिनी जुन्गा के समादेशक भूपेंद्र सिंह नेगी ने किया। समादेशक ने बताया कि जुन्गा प्रदेश का एकमात्र ऐसा पुलिस भर्ती प्रशिक्षण केंद्र है, जहां युवाओं को निशुल्क कोचिंग के साथ आवास, दो समय भोजन और नाश्ते की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अन्य आईआरबी में भी निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है, लेकिन वहां आवास और भोजन की सुविधा उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के निर्देशों के तहत युवाओं को पुलिस भर्ती के लिए बेहतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ शारीरिक दक्षता परीक्षणों के लिए भी प्रशिक्षित किया जाएगा। कोचिंग कार्यक्रम में अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा इनडोर और आउटडोर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद सहित अन्य शारीरिक गतिविधियों का अभ्यास करवाया जाएगा। इसके अलावा व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और पुलिस सेवा से जुड़े विषयों की जानकारी भी दी जाएगी। भूपेंद्र सिंह नेगी ने अभ्यर्थियों से प्रशिक्षण अवधि में अनुशासन और मेहनत के साथ तैयारी करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सहायक समादेशक हरीश कुमार शर्मा, चिकित्सा अधिकारी अमित शर्मा, रिजर्व निरीक्षक दलीप सिंह सहित अन्य अधिकारी व जवान मौजूद रहे।

समापन कैलाश आश्रम में एडवांस मेडिटेशन कार्यक्रम संपन्न, 93 साधकों ने किया ध्यान का अनुभव

योग, प्राणायाम से प्रतिभागियों को मिली आंतरिक शांति

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के हिमालयन योग एवं ध्यान केंद्र, कैलाश आश्रम गुजरेहड़ा गोपालपुर में 23 जुलाई से 26 जुलाई तक आयोजित चार दिवसीय एडवांस मेडिटेशन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

इस कार्यक्रम में देश-विदेश से आए 93 प्रतिभागियों ने योग, ध्यान, प्राणायाम, सुदर्शन क्रिया और तीन दिनों के मौन साधना के माध्यम से गहन आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त किया। बेंगलुरु आश्रम से आए अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ फैकल्टी स्वामी कौशिक ने प्रतिभागियों को गहन ध्यान, प्राणायाम और मौन अवस्था में अंतर्मुखी होकर आत्मिक विकास की विभिन्न प्रक्रियाओं का अभ्यास करवाया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को नियमित रूप से योग, प्राणायाम, ध्यान, सुदर्शन क्रिया और मौन साधना का अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। चार दिवसीय इस कार्यक्रम में फ्रांस, दिल्ली, हैदराबाद, पंचकूला, हरियाणा, शिमला, मुंबई और बड़ोदरा गुजरात सहित विभिन्न स्थानों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने ध्यान एवं आध्यात्मिक अभ्यासों के माध्यम से अपने भीतर गहरी शांति, स्थिरता, आनंद, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए। गुरुग्राम से आईं दीपशिखा ने बताया कि तीन दिनों के मौन साधना का अनुभव अद्भुत और जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाला रहा।

वहीं, दिल्ली से आए यश ने कहा कि एडवांस कोर्स के दौरान मौन में गहरी शांति और आनंद की अनुभूति हुई। संस्था के जिला मीडिया कोऑर्डिनेटर देशराज ने बताया कि कैलाश आश्रम में नियमित रूप से एडवांस मेडिटेशन कोर्स और अन्य आध्यात्मिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

उन्होंने बताया कि 30 जुलाई से 2 अगस्त तक संयम पार्ट-2 कोर्स भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागी हिस्सा लेंगे।

ग्राम पंचायत रखोह विकास खंड गोपालपुर जिला मंडी (हि0प्र0)

निविदा आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत रखोह विकास खंड गोपालपुर जिला मंडी हि0प्र0 द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न विकास कार्यों के निष्पादन हेतु आवश्यकता अनुसार अधिकृत विक्रेताओं से मुहरबंद निविदाएँ डाक द्वारा आमंत्रित की जाती हैं। निविदाएँ दिनांक 05-08-2026 को दोपहर 1 बजे तक मु0 1000/- रुपये आवेदन राशि सहित ग्राम पंचायत कार्यालय में पहुँच जानी चाहिए। निविदाएँ दिनांक 07-08-2026 को ग्राम पंचायत की निर्माण कमेटी व निविदादाताओं या उनके अधिकृत प्रतनिधियों के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेंगी। किसी कारण निर्धारित दिवस को बैठक स्थगित होती है तो अगले दिन या कमेटी द्वारा निर्धारित बैठक में निविदाएँ खोली जायेंगी। **सामग्री विवरण-**1. रेत (क्रशर / धुला / अन्य)- प्रति घन मीटर, 2.रेत प्लांट-प्रति घन मीटर, 3. बजरी 10एमएम/20एमएम/40एमएम (क्रशर)-प्रति घन मीटर, 4. बोल्डर पत्थर/सोलिंग/बजरी =>90 एमएम-प्रति घन मीटर, 5.पत्थर कट स्टोन-प्रति घन मीटर, 6. पक्की ईट GRADE A, B, C (मिटटी के भट्टे की)-पर ईंट, 7. शटरिंग /प्लेट/लकड़ी/लोहा SQMTR-प्रति वर्ग मीटर, 8. शटरिंग/प्लेट/लकड़ी/लोहा RMTR-पर मीटर, 9.JCB / ब्रेकर मशीन द्वारा कटिंग-प्रति घंटा, 10.साईन बोर्ड-प्रत्येक बोर्ड, 11.CEMENT CARRIAGE PER BAG-प्रति बैग, 12. सीमेंट बेंच-पर बेंच,13. water cooler 20ltr 40ltr 80 ltr with fiitting without fitting-Per cooler, 14.Segregation Shed-Per shed, 15. Concrete/Cement Bench-पर बेंच,16 Garden Benches-पर बेंच,17. Out-door Gym-पर पीस,18. Children Park Items-पे आइटम, 19. Mixture Machine With/ Without Labour-प्रति घंटा,20. Dustbin 20 ltr, 40 lts,-Per Piece **नियम व शर्तें :-** 1. फर्म का पैन न0, जी0एस0टी नंबर होना अनिवार्य है। बिना पैन नंबर, जी0एस0टी नंबर के निविदा मान्य नहीं होगी। 2. फर्म को प्रत्येक बिल के साथ M-FORM (Form X and W) Transit Pass के साथ जमा करवाना होगा। बिना M-FORM के किसी भी सामग्री की अदायगी नहीं की जायेगी। 3. निर्माण सामग्री कार्य स्थल / सड़क तक उपलब्ध करवानी होगी। 4. सभी दरों का लेनदेन सरकार के प्रावधानों के अनुसार होगा। 5. दरें अंकों और शब्दों दोनों में लिखी होनी चाहिए। 6. पारित निविदादाता को मुब्लिक 20000 /- रूपए धरोहर / सुरक्षित राशि ग्राम पंचायत के नाम जमा करवाने होंगे। निविदादाता को पंचायत द्वारा दिया जाने वाला एफिडेविट भी हस्ताक्षर करना होगा। 7. ग्राम पंचायत के क्षत्र अधिकार में एक ही मूल्य देय होगा व अस्वीकृत सामग्री की अदायगी नहीं होगी। 8. निविदादाता यदि सामग्री आपूर्ति समयानुसार नहीं कर पाता है तो गत समय में दी गयी सामग्री की देय राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा। 9. सामग्री की अदायगी बजट उपलब्ध होने पर ही की जायेगी। 10. किसी भी मटेरियल की एडवांस पेमेंट नहीं की जाएगी और तकनिकी पैमाईश के बाद ही बिल बुक किये जायेंगे। 11. सप्लाई आर्डर देने के 3 दिन के भीतर सामग्री उपलब्ध करवानी होगी। 12. उपरोक्त किसी भी शर्त का पालन न होने पर निविदा रद्द होने के पूरा अधिकार पंचायत के पास होगा। 14. किसी भी निविदा को बिना कारण बताये रद्द करने, सशर्त निविदा, सामान दर रहने पर एक या एक से अधिक निविदादाताओं को कार्य आदेश निर्गत करने, सामग्री की गुणवत्ता का चयन तथा निविदाये किसी भी समय रद्द करने का पूर्ण अधिकार पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। 15. सामग्री लेने का अन्यिम मूल्य निर्णय विभाग की JUSTIFICATION व पारित निविदादाता के साथ negotiation उपरान्त किया जाएगा। 16. वही वेंडर भाग ले सकता है जिसके नाम टिप्पर/गाड़ी हो ।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत रखोह विकास खंड गोपालपुर जिला मंडी (हि0प्र0)

न्यूज शॉर्ट्स

एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई से 1.521 किलो कैटामाइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड एसटीएफ की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) और थाना सेलाकुई पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1.521 किलोग्राम कैटामाइन के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है। सोमवार को एसटीएफ कार्यालय से बताया गया कि खुफिया सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने सेलाकुई क्षेत्र में घेराबंदी कर दोनों आरोपितों को पकड़ा।

'राजीव गांधी गौरव अवार्ड' से सम्मानित होंगे पौड़ी के समाजसेवी श्रीकांत

भारतेंदु संवाददाता, पौड़ी गढ़वाल। उत्तराखंड के पौड़ी जनपद के सामाजिक कार्यकर्ता श्रीकांत को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान और जनहित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए 'राजीव गांधी गौरव अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें 23 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले एक भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा।

सप्रयास संस्था ने किया प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। नगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था 'सुप्रयास' ने चेतन ज्योति आश्रम के सभागार में सोमवार को मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह आयोजित किया। इसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी वैभव गुप्ता ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करना जरूरी है।

उत्तराखंड से शुरू होगा वैदिक मानस योग अभियान

राज्यपाल ने कहा- उत्तराखंड से जनआंदोलन के रूप में शुरू हो वैदिक मानस योग अभियान

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने कहा कि वैदिक मानस योग नई पीढ़ी के मानसिक, बौद्धिक और चारित्रिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चों को केवल शैक्षणिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और आंतरिक चेतना से भी समृद्ध करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पतंजलि योगपीठ द्वारा विकसित वैदिक मानस योग जैसी पहल अत्यंत उपयोगी और समय की आवश्यकता है।

राज्यपाल भवन में पतंजलि योगपीठ द्वारा आयोजित दो दिवसीय वैदिक मानस योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके बच्चों ने योग और ध्यान पर आधारित विभिन्न अभ्यासों का सजीव प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने अपनी एकाग्रता, स्मरण शक्ति, मानसिक जागरूकता और संज्ञानात्मक क्षमताओं का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसकी राज्यपाल ने मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास में आया सकारात्मक बदलाव इस प्रशिक्षण की प्रभावशीलता को प्रमाणित करता है।

राज्यपाल ने कहा कि वैदिक मानस योग का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य व्यक्ति को स्वयं से परिचित कराना है। बाहरी दुनिया को जानना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अपनी आंतरिक शक्ति, चेतना और आत्मविश्वास को पहचानना ही वास्तविक साधना है।

देश और दुनिया तक पहुंचे भारतीय ज्ञान परंपरा : राज्यपाल

उन्होंने पतंजलि योगपीठ के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान केवल योग तक सीमित नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी के व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। राज्यपाल ने सुझाव दिया कि वैदिक मानस योग की शुरुआत उत्तराखंड से जनआंदोलन के रूप में की जाए, ताकि यह प्रदेश के प्रत्येक जनपद और गांव तक पहुंचे।

राज्यपाल ने की सराहना

उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चों को केवल शैक्षणिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और आंतरिक चेतना से भी समृद्ध करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पतंजलि योगपीठ द्वारा विकसित वैदिक मानस योग जैसी पहल अत्यंत उपयोगी और समय की आवश्यकता है। विद्यार्थियों ने अपनी एकाग्रता, स्मरण शक्ति, मानसिक जागरूकता और संज्ञानात्मक क्षमताओं का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसकी राज्यपाल ने मुक्तकंठ से सराहना की।

उत्तराखंड के दो चिकित्सकों को मिला राष्ट्रीय गौरव प्रतिभा सम्मान पुरस्कार

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। स्वास्थ्य एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले उत्तराखंड के प्रख्यात मनोवैज्ञानिक डॉ. पवन शर्मा और वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. चिराग बहुगुणा को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गौरव प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। इस सम्मान को दोनों चिकित्सकों के वर्षों से किए जा रहे समर्पित कार्यों और समाज के प्रति उनकी सेवा भावना की राष्ट्रीय स्तर पर मिली बड़ी पहचान माना जा रहा है। इस उपलब्धि से उत्तराखंड के चिकित्सा और समाजसेवा क्षेत्र का भी गौरव बढ़ा है।

सम्मान प्राप्त करने के बाद दोनों विशेषज्ञों ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए केवल सम्मान नहीं बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक निष्ठा एवं समर्पण के साथ निभाने की प्रेरणा है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी वे स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और जनसुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। डॉ. पवन शर्मा ने बताया कि उनकी संस्था फोरगिवनेस फाउंडेशन सोसाइटी मानसिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न अभियान, परामर्श कार्यक्रम और जनजागरूकता गतिविधियां नियमित रूप से संचालित कर रही है। उनका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सामाजिक भ्रम और संकोच को दूर कर अधिक से अधिक लोगों तक सहायता पहुंचाना है।

समाजसेवा और स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को मिलता राष्ट्रीय सम्मान।

- उत्तराखंड के चिकित्सकों ने राष्ट्रीय सम्मान से बढ़ाया प्रदेश का गौरव
- नई दिल्ली में उत्तराखंड के दो चिकित्सकों का राष्ट्रीय सम्मान हुआ

वहीं वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. चिराग बहुगुणा ने बताया कि डॉ. बहुगुणा आई एंड ईएनटी केयर की ओर से समय-समय पर नि:शुल्क नेत्र परीक्षण, स्वास्थ्य जांच शिविर और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। दोनों चिकित्सकों को मिला यह राष्ट्रीय सम्मान उत्तराखंड के लिए गर्व का विषय माना जा रहा है। विभिन्न सामाजिक संगठनों, चिकित्सकों और नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनका कार्य समाज को आगे भी इसी तरह लाभान्वित करता रहेगा।

उत्तराखंड में भारी बारिश के आसार, चार जिलों के लिए अलर्ट जारी

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में मानसून के सक्रिय होने के साथ ही मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना जताई गई है। वहीं देहरादून, पौड़ी, नैनीताल और बागेश्वर जिलों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। इन क्षेत्रों में तेज बारिश के साथ गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, अल्मोड़ा, चंपावत, ऊधमसिंह नगर और पिथौरागढ़ जिलों में भी भारी बारिश की संभावना व्यक्त की है। इन जिलों में तेज बौछारों के साथ बिजली चमकने और मौसम में अचानक बदलाव आने की संभावना है। राजधानी देहरादून में भी बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया गया है।

मैंगो फेस्ट में 150 महिलाओं ने एक साथ अचार बनाकर रचा रिकॉर्ड

उत्तराखंड में पहली बार मैंगो फेस्ट का आयोजन, पारंपरिक अचार संस्कृति को मिला नया मंच

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में पहली बार पारंपरिक भारतीय अचार बनाने की विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित 'मैंगो फेस्ट' में 150 महिलाओं ने एक साथ आम के अचार की मिक्सिंग कर रिकॉर्ड अटेंप्ट सफलतापूर्वक पूरा किया। आयोजन का उद्देश्य केवल रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि भारतीय खान-पान, पारंपरिक व्यंजनों और घरेलू अचार बनाने की संस्कृति के संरक्षण का संदेश देना था। इस कार्यक्रम का आयोजन तेजस्विनी चैरिटेबल ट्रस्ट एवं सोलफिट वैलनेस द्वारा किया गया।

कालाढूंगी में 28 और 29 जुलाई को होगा वीबी-जी राम जी पर जागरूकता कार्यक्रम

भारतेंदु संवाददाता, हल्द्वानी। सोमवार को केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नैनीताल के अंतर्गत एकीकृत संचार और आउटरीच कार्यक्रम के प्रचार की शुरुआत पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कालाढूंगी से की गई। इस कार्यक्रम का विषय 'विकसित भारत - रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण' रखा गया है। यह कार्यक्रम दिनांक 28 एवं 29 जुलाई 2026 को पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज कालाढूंगी में ही आयोजित होगा। कार्यक्रम के पूर्व प्रचार अभियान के तहत नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा ने दो प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों में कार्यक्रम से संबंधित बैनर, पोस्टर और पंपलेट के साथ एक ऑडियो क्लिप भी चलाई गई। इसके माध्यम से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और केंद्रीय क्षेत्र के लोगों को चित्र प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताओं को देखने के लिए आमंत्रित किया गया। प्रचार के दौरान देवीपुरा, रूपपुर, चितपुर, छोरा, झोली, चकला, प्रतापपुर, मौला, धमोला, नयागांव, शिवलालपुरी, बेल बढ़ाओ आदि स्थानों पर पोस्टर चिपकाए गए तथा प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर बैनर लगाए गए।

एलटी भर्ती अभ्यर्थियों के समर्थन में उतरा यूकेडी

उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद भर्ती परिणाम में देरी पर यूकेडी ने सरकार को घेरा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल ने उत्तराखंड सहायक अध्यापक भर्ती-2024 की लंबित प्रक्रिया और परिणाम घोषित नहीं किए जाने को लेकर नाराजगी जताई है। दल ने आरोप लगाया कि उच्च न्यायालय की डिवीजन बेंच द्वारा अभ्यर्थियों के पक्ष में अंतिम निर्णय दिए जाने के बाद भी उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आदेशों का पूरी तरह पालन नहीं किया जा रहा है। उक्रांद ने इसे प्रदेश के हजारों अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया है।

दल के नेताओं का कहना है कि एलटी भर्ती-2024 के अभ्यर्थियों के मापदंड और नियमों से जुड़े मामले में उच्च न्यायालय द्वारा 4 जून 2025 और 3 जून 2026 को महत्वपूर्ण आदेश जारी किए गए थे। इसके बावजूद भर्ती परिणाम को संशोधित कर जारी करने में देरी की जा रही है। उक्रांद ने कहा कि आयोग की कार्यप्रणाली के कारण योग्य और मेहनती अभ्यर्थियों को मानसिक, आर्थिक और सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय महामंत्री देव चंद उत्तराखंडी ने कहा कि दल हमेशा प्रदेश के युवाओं और बेरोजगारों के अधिकारों की लड़ाई लड़ता रहा है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने राज्य सरकार और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से मांग की कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का तत्काल पालन करते हुए एलटी सहायक अध्यापक भर्ती-2024 का संशोधित परिणाम बिना किसी और देरी के जारी किया जाए।

लोक भवन में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित, 335 लोगों का हुआ परीक्षण

- 18 विशेषज्ञ डॉक्टरों ने शिविर में मरीजों को दी चिकित्सकीय सेवाएं

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। लोक भवन में अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य की देखभाल के उद्देश्य से सोमवार को एक दिवसीय विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक उपचार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना था।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने शिविर का निरीक्षण किया और चिकित्सकों से स्वास्थ्य परीक्षण की प्रक्रिया, उपलब्ध सुविधाओं तथा मरीजों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने शिविर में पहुंचे अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों से संवाद कर व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। राज्यपाल ने चिकित्सा टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बेहतर जीवन की आधारशिला है।

श्रावण कांवड़ मेले के लिए हरिद्वार में 70 हजार वाहनों की पार्किंग तैयार

- 30 जुलाई से शुरू होने वाले कांवड़ मेले के लिए हरिद्वार तैयार

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को लेकर धर्मनगरी हरिद्वार में प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। हर वर्ष लाखों शिवभक्त गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार पहुंचते हैं। इस बार भी बड़ी संख्या में कांवड़ यात्रियों के आने की संभावना को देखते हुए पुलिस और जिला प्रशासन ने यातायात, सुरक्षा, पार्किंग और मूलभूत सुविधाओं की व्यापक व्यवस्था की है। प्रशासन का दावा है कि इस बार करीब 70 हजार वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और शहर में यातायात सुचारु बना रहे।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के अनुसार कांवड़ मेले के दौरान अलग-अलग राज्यों और जिलों से आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। दिल्ली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश से आने वाले भारी वाहनों के लिए बैरागी पार्किंग और दक्षद्वीप पार्किंग को मुख्य केंद्र बनाया गया है। इन दोनों पार्किंग स्थलों पर लगभग 30 हजार भारी वाहनों को खड़ा करने की क्षमता है। यहां से हरकी पैड़ी की दूरी लगभग पांच किलोमीटर है, जिसके लिए यात्रियों की सुविधा के अनुसार आवाजाही की व्यवस्था भी की जाएगी।

जिलाधिकारी हरिद्वार का बयान

कांवड़ मेले के दौरान वाहनों की भारी आमद को देखते हुए करीब 70 हजार वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है। पुलिस-प्रशासन की ओर से प्रत्येक रूट के लिए अलग-अलग पार्किंग स्थल चिह्नित किए गए हैं, ताकि यातायात व्यावस्था सुचारू रहे। सभी पार्किंग स्थलों पर मूलभूत सुविधाएं व्यवस्थित की गई हैं। **-मयूर दीक्षित, जिलाधिकारी हरिद्वार**

सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप

कांवड़ यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऋषिकुल ग्राउंड और रामलीला ग्राउंड को रोडवेज बसों और हल्के वाहनों के लिए आरक्षित किया गया है। ऋषिकुल ग्राउंड में दोपहिया और भारी वाहनों दोनों की पार्किंग की व्यवस्था है, जबकि रामलीला ग्राउंड में हल्के वाहनों के लिए पर्यात स्थान उपलब्ध कराया गया है। प्रशासन का उद्देश्य है कि शहर के भीतर अनावश्यक जाम की स्थिति न बने और श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु बनी रहे। पार्किंग स्थलों पर केवल वाहन खड़े करने की व्यवस्था ही नहीं की गई है, बल्कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, चिकित्सा सहायता भी लगाए जा रहे हैं।

श्रद्धालुओं से अपील

- प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन करें। अधिकारियों का कहना है कि कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से शहर में भीड़ बढ़ना स्वाभाविक है, इसलिए सभी यात्रियों का सहयोग आवश्यक होगा। समय-समय पर जारी ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करने से यात्रा अधिक सुरक्षित और सुगम बनेगी।

प्रोटोकॉल छोड़ नन्ही बच्ची के पास पहुंचे सीएम धामी, वीडियो हुआ वायरल

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का बच्चों के प्रति स्नेह और आत्मीय व्यवहार एक बार फिर देखने को मिला। सोमवार को रुड़की दौरे से लौटते समय देहरादून स्थित पुलिस लाइन हेलीपैड पर मुख्यमंत्री ने एक स्कूली बच्ची को देखा और प्रोटोकॉल से हटकर उससे मिलने पहुंच गए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्ची से बातचीत की और उसे चॉकलेट देकर उसका उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री धामी ने बच्ची से उसका नाम पूछा और यह भी जानना चाहा कि वह किस कक्षा में पढ़ती है। इसके बाद उन्होंने मुस्कुराते हुए बच्ची से पूछा कि क्या वह उन्हें पहचानती है। बच्ची ने जब मुख्यमंत्री का नाम पुष्कर सिंह धामी बताया तो मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता जताई। उन्होंने बच्ची के सिर पर हाथ रखकर उसे आशीर्वाद दिया और पढ़ाई को लेकर भी बातचीत की।

कांवड़ यात्रा को देखते हुए जल संस्थान शाखा जरूरी : अग्रवाल

ऋषिकेश में जल संस्थान शाखा खोलने की मांग

विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने सीएम को लिखा पत्र

- गंगा नगरी ऋषिकेश में जल संस्थान कार्यालय खोलने की कवायद तेज

भारतेंदु संवाददाता, ऋषिकेश। ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखकर ऋषिकेश शहर में उत्तराखंड जल संस्थान की नई शाखा स्थापित करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश देश के प्रमुख तीर्थ और पर्यटन स्थलों में शामिल है, जहां वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। विशेष रूप से श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी के कारण पेयजल और सीवरेज व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना बेहद जरूरी हो जाता है।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि वर्तमान में ऋषिकेश में जल संस्थान की कोई शाखा उपलब्ध नहीं है। इसके कारण स्थानीय लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए देहरादून और सीवरेज संबंधी कार्यों के लिए हरिद्वार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इससे लोगों का समय और संसाधन दोनों प्रभावित होते हैं।

आस्था

बागनाथ मंदिर में शिवभक्ति का दिखा अद्भुत नजारा, सुबह से शाम तक पूजा-अर्चना के लिए लगी रही भक्तों की कतार

सावन के दूसरे सोमवार पर बागनाथ धाम में उमड़ी आस्था, भक्तों ने किया जलाभिषेक

भारतेंदु संवाददाता, बागेश्वर। सावन के दूसरे सोमवार के अवसर पर बागेश्वर के प्रसिद्ध बागनाथ मंदिर में भगवान शिव की भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे भक्तों ने सरयू नदी से पवित्र जल भरकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और परिवार की सुख-समृद्धि, शांति तथा खुशहाली की कामना की। पूरे दिन मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजता रहा।

सावन महीने में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। इसी आस्था के चलते सावन के सोमवार को शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। बागनाथ मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर भगवान शिव को जल, बेलपत्र, फूल और अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे भक्तों में खासा उत्साह दिखाई दिया।

मंदिर प्रबंधन समिति और प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की मदद ली गई ताकि दर्शन और जलाभिषेक के दौरान किसी भी श्रद्धालु को परेशानी का सामना न करना पड़े। मंदिर परिसर में व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी और सुरक्षाकर्मी लगातार तैनात रहे।

बागेश्वर के बागनाथ मंदिर में शिव भक्ति की उमड़ी भीड़।

- प्रशासन ने संभाली व्यवस्था और नदी घाटों पर सुरक्षा के किए विशेष इंतजाम

बागनाथ मंदिर के अलावा जिले के अन्य प्रमुख शिवालयों में भी सावन सोमवार पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। कपकोट क्षेत्र के शिव मंदिरों, गरुड़ स्थित ऐतिहासिक बैजनाथ धाम, कांडा, दुगनाकुरी और काफलीगैर क्षेत्र के मंदिरों में भी भक्तों ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ से परिवार की खुशहाली और सभी के कल्याण की प्रार्थना की।

पिछले सोमवार कपकोट क्षेत्र में नदी में एक मासूम के बहने की घटना के बाद इस बार पुलिस प्रशासन विशेष रूप से सतर्क नजर आया। सरयू नदी के घाटों पर सुबह से ही पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। श्रद्धालुओं को नदी के तेज बहाव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी गई। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे बच्चों को नदी किनारे न ले जाएं और सुरक्षित स्थानों पर ही धार्मिक गतिविधियां करें।

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड, टिहरी।

पत्रांक 648 / ग्रा0नि0वि0/निविदा/2026-27 दिनांक 24/7/2026

'निविदा विस्तारीकरण'

इस कार्यालय की अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 04/2026-27 जो इस कार्यालय के पत्रांक 476 दिनांक 07.07.2026 द्वारा आमंत्रित की गई है, जो दिनांक 27.07.2026 को सांय 4:00 बजे तक बेची जानी है तथा दिनांक 28.07.2026 को अपरान्ह 3:00 बजे खोली जानी है, की तिथि में अपरिहार्य कारणों से आंशिक संशोधन करते हुये उक्त निविदा दिनांक 05.08.2026 को 04:00 बजे अपरान्ह तक बेची जायेगी व दिनांक 06.08.2026 को अपरान्ह 3:00 बजे उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड टिहरी।

चंडीगढ़ संग्रहालय की बदहाली पर संसद में उठे गंभीर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

सेक्टर-10 स्थित गवर्नमेंट म्यूजियम एंड आर्ट गैलरी की खराब होती स्थिति अब संसद तक पहुंच गई है। लोकसभा में चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने संग्रहालय की मौजूदा स्थिति को लेकर कई गंभीर समस्याओं को स्वीकार किया है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि संग्रहालय भवन के कई हिस्सों में छत से पानी का रिसाव हो रहा है। इसके अलावा क्लाइमेट कंट्रोल सिस्टम की खराब हालत, डिस्प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर का क्षरण और विरासत भवन के संरक्षण की जरूरत जैसी चुनौतियां सामने आई हैं।सरकार की ओर से लोकसभा में दिए गए जवाब में बताया गया कि चंडीगढ़ प्रशासन का इंजीनियरिंग विभाग नियमित मरम्मत कार्य कर रहा है। भवन की वॉटरप्रूफिंग का काम भी शुरू कर दिया गया है, जिसे जल्द पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है ताकि बारिश और नमी से भवन को होने वाले नुकसान को रोका जा सके।

चंडीगढ़ प्रशासन ने संग्रहालय को विश्वस्तरीय स्तर पर विकसित करने के लिए 30.33 करोड़ रुपये की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की है। यह डीपीआर 5 फरवरी 2026 को संस्कृति मंत्रालय को भेजी गई है और फिलहाल मंत्रालय की म्यूजियम ग्रांट स्कीम के तहत विचाराधीन है। केंद्र सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले पांच वर्षों के दौरान संग्रहालय के संरक्षण और आधुनिकीकरण के लिए कोई वित्तीय सहायता जारी नहीं की गई है। हालांकि, संग्रहालय की जरूरतों का नियमित आकलन किया जाता है और इन्हीं आवश्यकताओं को डीपीआर में शामिल किया गया है।

प्रस्तावित योजना के तहत विरासत भवन का संरक्षण, आधुनिक इंटीरियर, नई प्रदर्शनी गैलरियों का विकास, फायर सेफ्टी सिस्टम, अत्याधुनिक सीसीटीवी और सुरक्षा व्यवस्था स्थापित की जाएगी। इसके अलावा नई डिस्प्ले और लाइटिंग व्यवस्था, 24 घंटे पावर बैकअप के साथ आधुनिक एचवीएसी सिस्टम भी लगाया जाएगा।

रिक्रूटमेंट एजेंसी नहीं मिलने से अटकी 532 शिक्षकों की भर्ती

बार-बार कानूनी विवादों के डर से रिक्रूटमेंट एजेंसियां पीछे हटीं, हाईकोर्ट सुनवाई से पहले विभाग की बढ़ी चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग की 532 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया एक बार फिर अटक गई है। विभाग ने 31 जुलाई 2026 तक नियमित और समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत विभिन्न पदों पर शिक्षकों की भर्ती पूरी करने की योजना बनाई थी, लेकिन बार-बार प्रयासों के बावजूद कोई भी रिक्रूटमेंट एजेंसी इस प्रक्रिया को संचालित करने के लिए आगे नहीं आई। इसका सीधा असर सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता और विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ रहा है।

यह भर्ती इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी से संबंधित एक याचिका लंबित है। अदालत ने प्रशासन से स्कूलों में गुरु-शिष्य अनुपात (टीचर-स्टूडेंट रेशियो) की जानकारी मांगी है और मामले की अगली सुनवाई 29 जुलाई को निर्धारित है। ऐसे में भर्ती प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने से विभाग की मुश्किलें बढ़ गई हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, रिक्रूटमेंट एजेंसियां भर्ती प्रक्रिया संभालने से इसलिए बच रही हैं क्योंकि पिछली भर्तियों के बाद बड़ी संख्या में कानूनी विवाद सामने आए थे। एजेंसियों का कहना है कि भर्ती पूरी होने के बाद लंबे समय तक अदालतों में केस चलते हैं, जिससे उन्हें अनावश्यक कानूनी और प्रशासनिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि इस बार टेंडर जारी होने के बावजूद किसी एजेंसी ने रुचि नहीं दिखाई।

विभाग की परेशानी का असर सीधे स्कूलों में पढ़ाई पर भी दिखाई दे रहा है। हाई और सीनियर सेकेंडरी स्तर पर विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी के कारण कई स्कूलों में जेबीटी कैडर के शिक्षक उच्च कक्षाओं को पढ़ाने के लिए मजबूर हैं। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है, विशेषकर विज्ञान, गणित और अन्य विशेष विषयों में।

भर्ती प्रक्रिया में लगातार आ रही बाधाओं की एक बड़ी वजह भर्ती नियमों में स्पष्टता का अभाव भी माना जा रहा है। मार्च 2022 तक चंडीगढ़ में पंजाब सेवा नियम लागू थे, जबकि प्रशासन को वित्तीय सहायता और संचालन के लिए केंद्र सरकार से अनुदान मिलता था। ऐसे में भर्ती के दौरान कुछ नियम पंजाब के और कुछ केंद्र सरकार के लागू किए जाते रहे। नियमों में इस असमानता के कारण अधिकांश भर्तियां अदालतों में चुनौती का सामना करती रहीं।

वर्ष 2022-23 में हुई अंतिम शिक्षक भर्ती भी विवादों में घिर गई थी। उस भर्ती में पूर्व सैनिक (एक्स सर्विसमैन) कोटे के प्रावधानों को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं थे। भर्ती की अधिकतम आयु सीमा 37 वर्ष निर्धारित की गई थी और अभ्यर्थियों के लिए सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीटेट) अनिवार्य किया गया था। वहीं नियुक्त शिक्षकों को वेतन केंद्रीय सेवा नियमों के अनुसार दिया गया। इस भर्ती को लेकर विभाग के खिलाफ 50 से अधिक मामले विभिन्न अदालतों में लंबित हैं, जिससे नई भर्ती प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है।

मार्च 2022 में केंद्र सरकार के सेवा नियम लागू होने के बाद भी चंडीगढ़ प्रशासन पिछले चार वर्षों में भर्ती और पदोन्नति से जुड़े नए नियमों को अंतिम रूप दिलाने और केंद्र से मंजूरी प्राप्त करने में सफल नहीं हो पाया है। यही वजह है कि हर नई भर्ती के समय नियमों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रहती है और कानूनी विवाद खड़े हो जाते हैं। इसके अलावा नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप लगभग एक लाख 65 हजार विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त शिक्षकों के नए पदों को भी केंद्र सरकार से स्वीकृति दिलाना अभी बाकी है।

न्यूज ब्रीफ

सनेटा में पुलिस पर हमला, ड्रग तस्करों की तलाश तेज

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। गांव सनेटा के पास गुडाणा क्षेत्र में पुलिस टीम पर फायरिंग और तलवारों से हमला करने वाले ड्रग तस्करों की तलाश तेज कर दी गई है। हमले में दो कांस्टेबल घायल हुए थे। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ), सीआईए समेत सात टीमें छापेमारी कर रही हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। सीआईए-2 को हेरोइन सप्लाई की सूचना मिलने के बाद नाकाबंदी की गई थी, लेकिन स्विफ्ट कार सवार संदिग्ध पुलिस घेरा तोड़कर फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।

इंडोनेशिया से डिपोर्ट गैंगस्टर जोबन बिल्ला गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फरार गैंगस्टर जोबनजीत सिंह उर्फ जोबन बिल्ला को रविवार को इंडोनेशिया से भारत डिपोर्ट किया गया। उसे हवाई मार्ग से मोहाली के शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लाया गया, जहां एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और अमृतसर पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। बाद में कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे अमृतसर ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, जोबन बिल्ला लंबे समय से विदेश में छिपा हुआ था। उसके खिलाफ पंजाब में हत्या, हत्या के प्रयास, एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। उसे 'ऑपरेशन नोमैड हंट' के तहत छह महीने की कार्रवाई के बाद इंडोनेशिया से डिपोर्ट करवाया गया। एजीटीएफ, ओएफटीईसी पंजाब और केंद्रीय एजेंसियों ने तकनीकी निगरानी व खुफिया जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की। पुलिस अब उससे पूछताछ कर उसके अंतरराष्ट्रीय संपर्कों और गैंग नेटवर्क की जानकारी जुटाएगी।

गमाडा ने लैंड पूलिंग आवेदन की बढ़ाई समयसीमा

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) ने इको सिटी-3 और लो/हाई डेंसिटी स्कीम के लिए लैंड पूलिंग आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। यह फैसला पंजाब सरकार की 6 जुलाई 2026 को जारी नई लैंड पूलिंग नीति के बाद लिया गया है। नई नीति के तहत दोनों योजनाओं को विशेष लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) का पूर्व प्रभाव से लाभ मिलेगा। गमाडा ने भूमि मालिकों को अधिक समय देने के उद्देश्य से आवेदन की तारीख बढ़ाई है। इको सिटी-3 के लिए अब आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 17 अगस्त 2026 और लो/हाई डेंसिटी स्कीम के लिए 17 सितंबर 2026 तय की गई है। गमाडा ने स्पष्ट किया है कि जिन भूमि मालिकों ने पहले ही आवेदन जमा कर दिए हैं, उन्हें दोबारा फॉर्म भरने की जरूरत नहीं है। वहीं, नए आवेदक तय समय सीमा के भीतर आवेदन कर विशेष एलओआई का लाभ उठा सकते हैं।

लव मैरिज के बाद रिश्ते में दरार, युवक ने दी जान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। बचपन का प्यार, स्कूल-कॉलेज में एक साथ पढ़ाई और लव मैरिज के आठ साल बाद धोखा। पत्नी की बेवफाई से अपना बसा बसाया घर उजड़ता देख 33 वर्षीय मोनू ने मौत को गले लगा लिया। पत्नी और प्रेमी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज हुआ। दोनों को जेल जाने का डर सता रहा है। चंडीगढ़ में मौलीजागरां के मौली कॉम्प्लेक्स निवासी मोनू और कोमल बचपन से एक-दूसरे को पसंद करते थे। दोनों ने स्कूल-कॉलेज में एक साथ पढ़ाई की और शादी करने की ठानी। परिवार राजी नहीं हुए तो दोनों एक-दूसरे का हाथ पकड़कर छत पर चढ़ गए और आत्महत्या की धमकी दी। दोनों के प्यार के आगे परिवार के लोग झुक गए। लव कम अरेंज मैरिज की। घर में एक बेटी ने जन्म लिया, जोकि अब छह साल की है। सबकुछ ठी चल रहा था। नौकरी न मिलने पर मोनू ई-रिक्शा चलाने लगा। कोमल घर पर ही ट्यूशन पढ़ाती थी। कोमल के पास कई लड़के-लड़कियां ट्यूशन पढ़ने आते थे, जिनमें एक सन्नी भी था। कोमल और सन्नी के बीच बातचीत शुरू हुई और कोमल उसे दिल दे बैठी। जब मोनू को इसका पता चला तो रिश्ते में दरार आ गई। मोनू और परिवार ने बहुत समझाया, लेकिन कोमल सन्नी का साथ नहीं छोड़ना चाहती थी। बसा बसाया घर उजड़ता देख मोनू हार गया और फंदा लगाकर जान दे दी।

स्टेलर होम्स निवासियों ने बढ़ते अपराधों पर पुलिस बीट स्टेशन की उठाई मांग

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। किशनपुरा गांव स्थित स्टेलर होम्स सोसाइटी के निवासियों ने क्षेत्र में बढ़ती आबादी और आपराधिक घटनाओं को देखते हुए पुलिस बीट स्टेशन स्थापित करने की मांग की है।

इस संबंध में लोगों ने पुलिस अधीक्षक गजल प्रीत कौर को ज्ञापन सौंपकर नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की अपील की है। निवासियों ने बताया कि किशनपुरा और आसपास की आवासीय सोसाइटियों का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे आबादी और वाहनों की संख्या लगातार बढ़ी है।

इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था उसी अनुपात में मजबूत नहीं हो पाई है। पिछले कुछ समय से वाहन चोरी, चेन स्नैचिंग और संदिग्ध गतिविधियों जैसी घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। लोगों का कहना है कि ढकोली थाना करीब तीन किलोमीटर दूर है, जिससे आपात स्थिति में पुलिस के पहुंचने में देरी हो सकती है। उन्होंने स्टेलर होम्स के पास स्थायी पुलिस बीट बॉक्स बनाने की मांग की है। निवासियों के अनुसार, पुलिस की नियमित मौजूदगी से अपराधों पर अंकुश लगेगा और लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ेगा।

सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग तेज

निवासियों ने बताया कि बढ़ती आबादी के साथ क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। कई सोसाइटियों में हजारों लोग रह रहे हैं, लेकिन पुलिस की स्थायी मौजूदगी नहीं होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उनका कहना है कि बीट स्टेशन बनने से पुलिस और आम लोगों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा तथा किसी भी घटना की सूचना तुरंत पुलिस तक पहुंच सकेगी। स्थानीय लोगों ने यह भी कहा कि नियमित गश्त होने से असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सकेगी और चोरी, स्नैचिंग जैसी घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी। सोसाइटी के निवासियों ने प्रशासन से अपील की है कि क्षेत्र की मौजूदा स्थिति को देखते हुए जल्द निर्णय लिया जाए। लोगों का मानना है कि पुलिस बीट स्टेशन केवल अपराध नियंत्रण का माध्यम नहीं होगा, बल्कि इससे इलाके में सुरक्षा का माहौल भी मजबूत होगा। पुलिस की सक्रिय मौजूदगी से निवासियों का विश्वास बढ़ेगा और आपात परिस्थितियों में त्वरित सहायता मिल सकेगी। प्रशासन की ओर से जल्द कार्रवाई होने की उम्मीद जताई जा रही है।

पेट्रोल बम से दहला सेक्टर-25 हथियारबंद युवकों ने किया हमला

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

सेक्टर-25 में रंजिश के चलते छह हथियारबंद युवकों ने एक मकान पर हमला कर इलाके में दहशत फैला दी। हमलावरों ने घर में तबाही मचाने के इरादे से पेट्रोल से भरी बोतलों को आग लगाकर पेट्रोल बम की तरह फेंका। हालांकि, स्थानीय लोगों की सतर्कता और सूझबूझ से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

चंडीगढ़ में पेट्रोल बम से हमला करने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी स्लम एरिया और कॉलोनियों में इस तरह की वारदातें सामने आ चुकी हैं। पुलिस के लिए ऐसे हमले बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं, क्योंकि कम लागत और आसानी से उपलब्ध सामग्री के कारण कुछ युवा इसे हिंसा फैलाने के हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

सेक्टर-25 में हुई घटना पूरी तरह सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में दिखाई देता है कि देर रात छह युवक हथियारों के साथ एक मकान के बाहर पहुंचते हैं। इनमें से एक युवक बेसबॉल के डंडे से घर के गेट और बाहर रखे सामान को तोड़ना शुरू कर देता है। इसके बाद उसका साथी कांच की बोतल में पेट्रोल भरकर उसमें आग लगाता है और उसे घर की ओर फेंक देता है।

बोतल जमीन पर गिरते ही आग की तेज लपटें उठने लगती हैं। अचानक हुई इस घटना से आसपास के लोगों में डर और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पड़ोसियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया और पुलिस कंट्रोल रूम को इसकी जानकारी दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ कर घटना के पीछे की वजह और पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी है। आरोपितों को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग की जाएगी।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पेट्रोल बम जैसे खतरनाक हमलों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

पंजाब में अटकीं 35 हाईवे परियोजनाएं भूमि अधिग्रहण बनी बड़ी प्रमुख बाधा

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

पंजाब में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे का नेटवर्क मजबूत करने की केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना विभिन्न प्रशासनिक और स्थानीय अड़चनों के कारण धीमी पड़ गई है। राज्य में चल रही 35 राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेस-वे परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा से पीछे चल रही हैं। अधिकांश परियोजनाओं में निर्माण कार्य काफी हद तक पूरा हो चुका है, लेकिन भूमि अधिग्रहण, किसानों के विरोध, वन विभाग की मंजूरियों और उपयोगिता सेवाओं के स्थानांतरण जैसी समस्याओं के कारण परियोजनाएं अभी तक पूरी तरह चालू नहीं हो सकी हैं।

इस संबंध में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में सांसद तरुण चुग के प्रश्न के लिखित उत्तर में स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि पंजाब में सड़क परियोजनाओं की रफ्तार धीमी होने का सबसे बड़ा कारण भूमि अधिग्रहण से जुड़े विवाद हैं। कई स्थानों पर किसानों ने मुआवजे और जमीन अधिग्रहण का विरोध किया है, जबकि कुछ परियोजनाओं में वन मंजूरी मिलने में अपेक्षा से अधिक समय लगा। इसके अलावा बिजली लाइन, जलापूर्ति पाइपलाइन और दूरसंचार नेटवर्क जैसी उपयोगिता सेवाओं को स्थानांतरित करने का कार्य भी समय पर पूरा नहीं हो पाया, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हुआ।

मंत्रालय के अनुसार कई परियोजनाओं में 90 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद केवल एक-दो किलोमीटर भूमि उपलब्ध न होने के कारण पूरी सड़क जनता के लिए नहीं खोली जा सकी। सड़क परियोजनाओं में निर्माण की निरंतरता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि किसी कॉरिडोर का छोटा हिस्सा भी अधूरा रह जाए तो पूरी सड़क का संचालन संभव नहीं हो पाता। प्रभावित परियोजनाओं में दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस-वे और जामनगर-अमृतसर इकोनॉमिक कॉरिडोर जैसी राष्ट्रीय महत्व की सड़क परियोजनाएं भी शामिल हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से पंजाब का संपर्क देश के प्रमुख औद्योगिक, व्यापारिक और आर्थिक गलियारों से अधिक मजबूत होगा। साथ ही माल ढुलाई की लागत कम होगी, यात्रा का समय घटेगा और उद्योगों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। हालांकि भूमि अधिग्रहण और स्थानीय स्तर की अड़चनों ने इन परियोजनाओं की प्रगति को प्रभावित किया है।

राज्यसभा में दिए गए जवाब के अनुसार सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय सभी परियोजनाओं की नियमित समीक्षा कर रहा है। प्रत्येक परियोजना में भूमि अधिग्रहण की स्थिति, वन एवं अन्य विभागों से मिलने वाली मंजूरियां, उपयोगिता सेवाओं के स्थानांतरण, स्वीकृत लागत, जारी की गई धनराशि, अब तक हुए व्यय और निर्माण की वास्तविक प्रगति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

टेलीग्राम पर बाल शोषण सामग्री बेचने का मामला दर्ज

◆ बाल अपराध से जुड़े मामले में साइबर यूनिट ने शुरू की जांच

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। साइबर पुलिस ने टेलीग्राम प्लेटफॉर्म के माध्यम से बाल यौन शोषण से जुड़ी अश्लील सामग्री बेचने के आरोप में अज्ञात संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई साइबर सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस यूनिट (सीएसआईयू) से मिली गुप्त सूचना और तकनीकी जांच के आधार पर की गई।

पुलिस के अनुसार, सीएसआईयू के इंचार्ज इंस्पेक्टर गगनप्रीत सिंह ने 17 जुलाई 2026 को इस संबंध में एक रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी थी। रिपोर्ट में काला नाग 9999 नाम के एक टेलीग्राम अकाउंट को संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाया गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इस अकाउंट का इस्तेमाल बाल यौन शोषण से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार और बिक्री के लिए किया जा रहा था।

सीएसआईयू ने बताया कि इस मामले की जानकारी गुप्त स्रोत से प्राप्त हुई थी। सूचना मिलने के बाद तकनीकी स्तर पर जांच की गई, जिसमें संदिग्ध टेलीग्राम अकाउंट की गतिविधियों का पता लगाया गया। जांच के आधार पर अधिकारियों से अनुमति लेने के बाद साइबर पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया। पुलिस ने शुरुआती कार्रवाई में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 67बी के तहत मामला दर्ज किया है। यह धारा बच्चों से संबंधित यौन सामग्री को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रसारित करने, प्रकाशित करने या साझा करने जैसे अपराधों से जुड़ी है। मामला दर्ज होने के बाद साइबर पुलिस अब टेलीग्राम अकाउंट से जुड़े तकनीकी साक्ष्य जुटाने में जुटी हुई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि इस अकाउंट को कौन संचालित कर रहा था और इस अवैध गतिविधि में कितने लोग शामिल हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होने वाली आपराधिक गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। बच्चों से जुड़े साइबर अपराधों को रोकने के लिए विशेष जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आरोपितों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नई औद्योगिक नीति से चंडीगढ़ में निवेश और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

उद्योगों को सब्सिडी, सर्टिफिकेशन सहायता और एमएसएमई को प्रोत्साहन देकर निवेश व रोजगार बढ़ाने पर रहेगा फोकस

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

शहर में उद्योगों को बढ़ावा देने और मौजूदा औद्योगिक इकाइयों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से चंडीगढ़ प्रशासन नई औद्योगिक नीति तैयार कर रहा है। इस नीति का मकसद उद्योगों की लागत कम करना, नए निवेश को आकर्षित करना और रोजगार के अधिक अवसर पैदा करना है। प्रशासन यह नीति केंद्र सरकार के निर्देशों के तहत गुजरात मॉडल को ध्यान में रखकर तैयार कर रहा है, जिसे निवेश-अनुकूल नीतियों में शामिल माना जाता है।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, नई नीति में उद्योगों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता, टैक्स एवं बिजली शुल्क में रियायत, सरकारी फीस में छूट तथा कारोबार शुरू करने और विस्तार की प्रक्रिया को सरल बनाने पर विशेष जोर रहेगा। यदि किसी उद्योग को उत्पाद प्रमाणन, फूड टेस्टिंग, क्वालिटी टेस्टिंग या निर्यात लाइसेंस जैसी प्रक्रियाओं पर 10 लाख रुपये तक खर्च करना पड़ता है, तो सरकार निर्धारित सीमा के तहत 5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता दे सकती है। इससे उद्योगों का खर्च कम होगा और वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे।

नीति में स्टांप ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क में छूट का भी प्रस्ताव है, जिससे औद्योगिक भूमि खरीदने वाले उद्यमियों को लाभ मिलेगा। साथ ही उद्योगों से जुड़े मुद्दों के समाधान और सुझावों के लिए इंडस्ट्रियल एडवाइजरी कमेटी का गठन किया जाएगा। हाल ही में प्रशासनिक अधिकारियों की गृह मंत्रालय के साथ हुई बैठक में नई नीति का मसौदा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

चंडीगढ़ में भूमि की सीमित उपलब्धता को देखते हुए नई औद्योगिक नीति में नए औद्योगिक प्लॉट देने के बजाय पहले से संचालित उद्योगों के आधुनिकीकरण और विस्तार पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। उद्योगों को नई मशीनें लगाने, आधुनिक तकनीक अपनाने और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। खास फोकस सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर रहेगा, क्योंकि यही क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार उपलब्ध कराता है।

प्रशासन स्टार्टअप नीति की तर्ज पर 50 से 100 करोड़ रुपये का विशेष फंड बनाने की भी योजना बना रहा है। इस फंड के माध्यम से विभिन्न सब्सिडी और सहायता योजनाएं संचालित की जाएंगी।

नीति से एमएसएमई को मिलेगा बल

नीति के सफल क्रियान्वयन से चंडीगढ़ का औद्योगिक माहौल और अधिक अनुकूल बनने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि उद्योगों को समयबद्ध मंजूरियां, वित्तीय सहायता और कर संबंधी रियायतें प्रभावी ढंग से मिलती हैं, तो शहर में निजी निवेश बढ़ेगा और स्थानीय उद्यमियों का भरोसा भी मजबूत होगा। इससे नए उद्योग लगाने के साथ-साथ मौजूदा इकाइयों के विस्तार को भी गति मिलेगी। एमएसएमई क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दिए जाने से छोटे उद्योगों को सबसे अधिक लाभ मिलने की संभावना है। सीमित संसाधनों के कारण कई छोटे उद्योग नई तकनीक अपनाने या गुणवत्ता प्रमाणन कराने में कठिनाई महसूस करते हैं। प्रस्तावित सहायता योजनाओं के लागू होने से ये इकाइयां आधुनिक मशीनों का उपयोग कर सकेंगी, उत्पादन क्षमता बढ़ा सकेंगी और अपने उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार कर सकेंगी। इससे घरेलू बाजार के साथ-साथ निर्यात के अवसर भी बढ़ेंगे। उद्योग संगठनों का मानना है कि यदि नीति में तय प्रोत्साहन पारदर्शी और सरल प्रक्रिया के साथ लागू किए जाते हैं, तो चंडीगढ़ निवेश के लिए और अधिक आकर्षक केंद्र बन सकता है।

फर्जी रजिस्ट्री कर प्लॉट बेचने के आरोप में आरोपी पर केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर

ढकोली क्षेत्र में एक प्लॉट की कथित फर्जी रजिस्ट्री करवाकर उसे आगे बेचने के मामले में जीरकपुर पुलिस ने पंचकूला निवासी सुरिंदर कुमार अग्रवाल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई सहायक पुलिस अधीक्षक जीरकपुर की जांच रिपोर्ट और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसएएस नगर की मंजूरी के बाद की है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को गांव सहौड़ा निवासी काका सिंह ने शिकायत दी थी। शिकायत में उन्होंने बताया कि ढकोली स्थित शनि मंदिर के पास प्लॉट नंबर-9 उनकी निजी मिल्कियत और कब्जे में है। काका सिंह के अनुसार, वह पिछले करीब 30 वर्षों से इस जमीन पर काबिज हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने यह प्लॉट न तो किसी को बेचा है और न ही इसके संबंध में किसी व्यक्ति के साथ कोई समझौता किया है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, 6 मई 2026 को कुछ लोग उक्त प्लॉट पर कब्जा करने के इरादे से पहुंचे थे। मौके पर स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया, जिसके बाद वे लोग वहां से लौट गए। इसके बाद काका सिंह को जानकारी मिली कि उनके प्लॉट की कथित रूप से किसी अन्य व्यक्ति के नाम रजिस्ट्री करवा दी गई है और बाद में उसे आगे भी बेच दिया गया है।

मामले की जांच सहायक पुलिस अधीक्षक जीरकपुर द्वारा की गई। जांच के दौरान शिकायतकर्ता और दूसरे पक्ष के बयान दर्ज किए गए तथा राजस्व रिकॉर्ड की भी जांच की गई। जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता ने वर्ष 1996 में संबंधित जमीन खरीदी थी और वह लंबे समय से उस पर कब्जे में हैं।

जांच अधिकारियों के अनुसार, आरोपी सुरिंदर कुमार अग्रवाल के नाम राजस्व रिकॉर्ड में केवल रास्ते की जमीन दर्ज पाई गई। जांच रिपोर्ट में कथित फर्जी रजिस्ट्री के माध्यम से आर्थिक नुकसान पहुंचाने और जमीन से संबंधित अनियमितता के तथ्य सामने आने की बात कही गई। इसके बाद पुलिस को मामला दर्ज करने की सिफारिश की गई।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। मामले की आगे की जांच सब-इंस्पेक्टर जसवंत सिंह को सौंपी गई है। पुलिस अब रजिस्ट्री दस्तावेजों, राजस्व रिकॉर्ड और अन्य संबंधित तथ्यों की जांच कर रही है।

लुधियाना में वर्धमान का मेगा औद्योगिक प्रोजेक्ट शुरू

अत्याधुनिक फोर्जिंग प्लांट से 500 युवाओं को रोजगार, पंजाब में औद्योगिक निवेश को मिलेगी नई गति

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना

पंजाब में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को लुधियाना में वर्धमान स्पेशल स्टील्स लिमिटेड के अत्याधुनिक फोर्जिंग प्लांट का नींव पत्थर रखा। करीब 1100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस प्लांट को पंजाब के औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण परियोजना माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी। इस प्लांट से लगभग 500 युवाओं को सीधे रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि इससे जुड़े अन्य क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में लगातार बड़े उद्योगों का निवेश करना राज्य के बदलते औद्योगिक माहौल का संकेत है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब उद्योगपति पंजाब छोड़कर दूसरे राज्यों में निवेश करने को मजबूर हो रहे थे। उद्योगों को कई तरह की परेशानियों, देरी और भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब सरकार ने व्यवस्था को आसान और पारदर्शी बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री ने मंडी गोबिंदगढ़ का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले वहां उद्योगों का पलायन चिंता का विषय बन गया था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल रही हैं। राज्य सरकार ने देश के साथ-साथ विदेशों में भी निवेशकों से संपर्क किया और उन्हें पंजाब में उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। इसी प्रयास का परिणाम है कि बड़ी कंपनियां अब पंजाब में निवेश करने के लिए आगे आ रही हैं।

उन्होंने बताया कि वर्धमान स्पेशल स्टील्स लिमिटेड और जापान की एक कंपनी के बीच पहले लगभग 500 करोड़ रुपये के निवेश का समझौता हुआ था। हालांकि पंजाब में बेहतर औद्योगिक माहौल और सुविधाओं को देखते हुए इस निवेश को बढ़ाकर 1100 करोड़ रुपये कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फोर्जिंग प्लांट देश के अत्याधुनिक संयंत्रों में शामिल होगा और यहां तैयार होने वाले उत्पाद घरेलू बाजार के साथ-साथ विदेशों में भी भेजे जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को भरोसा दिलाया कि सरकार उन्हें किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने देगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई अधिकारी उद्योगपतियों को अनावश्यक रूप से परेशान करता है तो वे सीधे सरकार से संपर्क कर सकते हैं। सरकार उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि नई औद्योगिक नीति उद्योगपतियों के सुझावों के आधार पर तैयार की गई है। इसके तहत उद्योगों को सभी जरूरी मंजूरियां एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही हैं। पहले भूमि उपयोग परिवर्तन, वन विभाग और प्रदूषण संबंधी स्वीकृतियों में कई महीने लग जाते थे, जिससे निवेशक परेशान होते थे। अब सरकार ने प्रक्रिया को सरल बनाते हुए लगभग 45 दिनों के भीतर सभी आवश्यक मंजूरियां उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हाल ही में टाटा स्टील सहित कई बड़ी कंपनियों ने निवेश किया है। वर्धमान स्पेशल स्टील्स का नया प्लांट पंजाब के औद्योगिक और निर्यात क्षेत्र को नई दिशा देगा। उन्होंने उद्योगपतियों से अपील की कि वे पंजाब के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएं। भगवंत मान ने कहा कि सरकार का लक्ष्य युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें रोजगार और बेहतर भविष्य उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार युवाओं के हाथों में नशे की चीजें नहीं, बल्कि रोजगार का टिफिन देखना चाहती है।

लाठीचार्ज के विरोध में पंजाब बंद, बाजारों पर असर

बरनाला लाठीचार्ज विरोध में प्रदर्शन, व्यापारिक गतिविधियां भी रहीं प्रभावित

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर/जालंधर। बरनाला में सफाई सेवकों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में सोमवार को बुलाए गए पंजाब बंद का राज्य के कई शहरों में असर देखने को मिला। बंद का सबसे ज्यादा प्रभाव जालंधर में दिखाई दिया, जहां सुबह 10 बजे के बाद लगभग पूरा शहर बंद रहा। वहीं अमृतसर में शुरुआत में बाजार सामान्य रूप से खुले रहे, लेकिन प्रदर्शनकारियों के प्रमुख बाजारों की ओर बढ़ने के बाद व्यापारियों ने एहतियात के तौर पर अपनी दुकानें बंद कर दीं।

जालंधर में बंद के समर्थन में बड़ी संख्या में लोग भगवान वाल्मीकि चौक के पास एकत्र हुए। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी और इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। शहर के पुराने जीटी रोड, शेखा बाजार, रैणक बाजार, नया बाजार, गुरु नानकपुरा मार्ग बाजार, अली मोहल्ला बाजार, मॉडल टाउन खेल बाजार और बस्ती पीरदाद मार्ग समेत लगभग सभी प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में दुकानें बंद रहीं।

बाजारों में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा, हालांकि सड़कों पर यातायात सामान्य रहा। नगर निगम यूनियन, भारतीय जनता पार्टी समेत कई सामाजिक और कर्मचारी संगठनों ने बंद का समर्थन किया। बंद को देखते हुए कई निजी स्कूलों ने भी सुबह ही अवकाश घोषित कर दिया, जिससे शहर में लोगों की आवाजाही कम रही।

प्रदर्शनकारियों के दबाव में बंद हुए प्रमुख बाजार

उधर, अमृतसर में वाल्मीकि समाज और दलित संगठनों के सदस्य भंडारी पुल पर एकत्र हुए और पंजाब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बरनाला की घटना के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और संबंधित पुलिस अधिकारी पर मामला दर्ज करने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में लोग भंडारी पुल पर मौजूद रहे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त हरपाल सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर तैनात रहे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर माहौल शांत बनाए रखने का प्रयास किया।

शुरुआत में अमृतसर के प्रमुख बाजार खुले रहे और यातायात भी सामान्य रहा। लेकिन जब प्रदर्शनकारी भंडारी पुल से आगे बढ़ते हुए हाल बाजार, हाल गेट, फर्नीचर बाजार, मच्छी बाजार और रीजेंट टॉकीज चौक की ओर पहुंचे तो व्यापारियों ने सुरक्षा के मद्देनजर दुकानों के शटर गिराने शुरू कर दिए। कुछ ही समय में इन क्षेत्रों के अधिकांश बाजारों में कारोबार प्रभावित हो गया।

मांगों को लेकर आम आदमी क्लिनिक के कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

लिखित आदेश की मांग को लेकर डॉक्टर, फार्मासिस्ट और सहायक हड़ताल पर अड़े

भारतेंदु संवाददाता, फतेहगढ़ साहिब/फिरोजपुर। पंजाब के आम आदमी क्लिनिकों में तैनात डॉक्टरों, फार्मासिस्टों और क्लिनिकल सहायकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। आम आदमी क्लिनिक सांझा फ्रंट, पंजाब के आह्वान पर राज्यभर के विभिन्न जिलों में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सिविल सर्जन कार्यालयों के बाहर धरना देकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से कई बार बैठकों में उनकी मांगों को पूरा करने का भरोसा दिया गया, लेकिन अब तक कोई लिखित अधिसूचना जारी नहीं की गई है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक सरकार उनकी मांगों को लिखित रूप में स्वीकार नहीं करती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

फतेहगढ़ साहिब में आम आदमी क्लिनिकों का पूरा स्टाफ सिविल अस्पताल परिसर में एकत्र हुआ और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व यूनियन नेताओं डॉ. सुखविंदर सिंह और डॉ. सुलखन जीत सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ कई दौर की बातचीत हो चुकी है और हर बार मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाने का आश्वासन दिया गया, लेकिन किसी भी निर्णय को आधिकारिक रूप नहीं दिया गया।

यूनियन नेताओं के अनुसार, कर्मचारियों की मुख्य मांगों में वेतन और इंसेंटिव में हर वर्ष वृद्धि, कैजुअल और मेडिकल अवकाश की सुविधा, नौकरी की सुरक्षा तथा सभी कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करना शामिल है। उनका आरोप है कि लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाएं देने के बावजूद कर्मचारियों को स्थायी रोजगार और जरूरी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं।

फिरोजपुर में भी आम आदमी क्लिनिकों के डॉक्टरों, फार्मासिस्टों और क्लिनिकल सहायकों ने सिविल सर्जन कार्यालय के बाहर धरना दिया। कर्मचारियों ने कहा कि केवल मौखिक आश्वासन से अब काम नहीं चलेगा।

एमईएस भर्ती के नाम पर 26 लाख की ठगी

भारतेंदु संवाददाता, गुरदासपुर। मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस (एमईएस) में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 26 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में थाना काहनूवान पुलिस ने एक महिला समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने यह कार्रवाई डीएसपी सब डिवीजन देहाती गुरदासपुर की जांच रिपोर्ट के आधार पर की है। पुलिस को दी शिकायत में काहनूवान निवासी बंसी लाल पुत्र गिरधारी लाल ने बताया कि मानू मसीह, दीपिका और राहुल ने उसके रिश्तेदारों के बच्चों को एमईएस में भर्ती करवाने का भरोसा दिया था। आरोपियों ने 1 दिसंबर 2023 को नौकरी लगवाने के नाम पर उनसे 26 लाख रुपये ले लिए। शिकायतकर्ता के अनुसार, पैसे लेने के बाद आरोपियों ने न तो बच्चों को नौकरी दिलवाई और न ही रकम वापस की। इसके बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। मामले की जांच डीएसपी सब डिवीजन देहाती गुरदासपुर की ओर से की गई।

संगरूर में भाजपा कार्यालय पर पेट्रोल बम हमला

पेट्रोल बम फेंकने वालों की तलाश जारी, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के संगरूर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय पर देर रात पेट्रोल बम से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में कार्यालय की दीवार का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया है। साथ ही भाजपा कार्यालय की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार और सोमवार की दरमियानी रात करीब ढाई से तीन बजे के बीच हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अज्ञात हमलावरों ने कांच की बोतल में पेट्रोल भरकर उसे आग लगाई और भाजपा कार्यालय परिसर की ओर फेंक दिया। बोतल गिरने के बाद वहां आग लग गई, जिससे कार्यालय की दीवार को नुकसान पहुंचा।

संगरूर के पुलिस अधीक्षक देवेंद्र अत्री ने बताया कि सोमवार सुबह भाजपा कार्यालय पर बोतल फेंककर हमला किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही डीएसपी दलबीर सिंह और थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की।

आगजनी की कोशिश के बाद पुलिस अलर्ट, आरोपितों की तलाश शुरू

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि पेट्रोल से भरी बोतल आउटडोर गार्डन की दीवार के ऊपर से फेंकी गई थी। यह बोतल इमारत के दो हिस्सों के बीच जाकर गिरी। मौके पर आग लगने के निशान भी पाए गए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस हमलावरों की पहचान करने के लिए तकनीकी जांच का भी सहारा ले रही है। अधिकारियों ने कहा है कि घटना को अंजाम देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, संगरूर भाजपा नेता रणदीप देओल ने बताया कि सोमवार सुबह कार्यालय के केयरटेकर ने उन्हें आग लगने की सूचना दी थी। केयरटेकर ने घटना की तस्वीरें भी भेजीं, जिसके बाद उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी प्रदेश भाजपा अध्यक्ष केवल ढिल्लों को दी।

गुरदासपुर जेल में कैदी से नशीले पदार्थ और मोबाइल हुआ बरामद

भारतेंदु संवाददाता गुरदासपुर। सिटी पुलिस गुरदासपुर ने सेंट्रल जेल गुरदासपुर में बंद एक कैदी के खिलाफ जेल में प्रतिबंधित सामान मिलने के मामले में केस दर्ज किया है। जेल प्रशासन की तलाशी के दौरान कैदी के पास से 10 ग्राम नशीला पदार्थ, एक मोबाइल फोन, खुला तंबाकू, कूललिप्स के तीन पाउच और बीड़ी के तीन बंडल बरामद किए गए।

मामले की जानकारी देते हुए सब इंस्पेक्टर हेम राज ने बताया कि सेंट्रल जेल गुरदासपुर के सहायक सुपरिटेंडेंट अजय सिंह की ओर से पुलिस को शिकायत दी गई थी। शिकायत के अनुसार, जेल स्टाफ ने बैरक नंबर 9/4 की तलाशी ली थी। इस दौरान वहां बंद कैदी गुरसिमरत सिंह पुत्र बलकार सिंह निवासी सेंट्रल जेल गुरदासपुर के पास से प्रतिबंधित सामग्री बरामद हुई।

जेल अधिकारियों ने बरामद सामान को कब्जे में लेकर कैदी से पूछताछ की। इसके बाद मामले की सूचना सिटी पुलिस गुरदासपुर को दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर गुरसिमरत सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी पहले से जेल में बंद है। अब अदालत से वारंट प्राप्त करने के बाद उसे पूछताछ के लिए जेल से लाया जाएगा। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि जेल के अंदर मोबाइल फोन और नशीला पदार्थ किस माध्यम से पहुंचा और इसमें कोई अन्य व्यक्ति शामिल है या नहीं।

एनडीपीएस मामलों में नामजद महिला की इमारत गिराई, पुलिस अभियान जारी

बठिंडा में नशा तस्कर महिला की अवैध इमारत पर चला बुलडोजर

भारतेंदु संवाददाता, बठिंडा। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बठिंडा में सोमवार को सिविल प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस की मौजूदगी में नशा तस्करी के मामलों में नामजद एक महिला की अवैध इमारत को बुलडोजर से गिरा दिया गया।

यह कार्रवाई धोबियाना बस्ती के प्रीत नगर में की गई। प्रशासन के अनुसार, यह इमारत मनजीत कौर उर्फ बीरा पत्नी चरणजीत सिंह की बताई गई है। महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत 10 मामले दर्ज हैं।

प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि संबंधित महिला को अवैध निर्माण हटाने और जगह खाली करने के लिए कई बार नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद आदेशों का पालन नहीं किया गया। इसके बाद डिप्टी कमिश्नर-कम-डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट के निर्देश पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई की गई और पूरी इमारत को ध्वस्त कर दिया गया।

एसपी सिटी नरिंदर सिंह ने बताया कि नशा तस्करों के खिलाफ प्रशासन और पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि बठिंडा जिले में अब तक नशा तस्करी से जुड़े 19 आरोपितों की अवैध इमारतों को गिराया जा चुका है।

ई20 पेट्रोल से वाहन खराबी के दावों ने बढ़ाई चिंता

भारतेंदु संवाददाता, पंजाब। देशभर में ई20 पेट्रोल को लेकर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई वाहन मालिकों का कहना है कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से गाड़ियों की औसत कम हो गई है और कुछ वाहनों में तकनीकी खराबियां भी आने लगी हैं। लोगों की शिकायतों के अनुसार, ई20 पेट्रोल के कारण वाहनों के ईंधन पंप में खराबी, रबर पाइप के गलने और इंजन में जंग लगने जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। कई वाहन चालकों ने दावा किया है कि इससे गाड़ियों की औसत में आठ से 15 प्रतिशत तक कमी आई है। इसी बीच पंजाबी गायक रेशम सिंह अनमोल ने एक वीडियो साझा कर दावा किया है कि ई20 पेट्रोल के कारण उनकी नई डिफेंडर कार खराब हो गई। उन्होंने बताया कि पहली सर्विस के बाद ही उनकी कार अचानक चलते-चलते बंद हो गई।

केयरटेकर ने बुजुर्ग के खाते से उड़ाए 3 .90 लाख, मामला दर्ज

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। बुजुर्ग की देखभाल के लिए रखे गए केयरटेकर द्वारा ही धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि केअरटेकर ने मानसिक रूप से बीमार 82 वर्षीय बुजुर्ग का मोबाइल फोन, सिम कार्ड और भारतीय स्टेट बैंक का एटीएम कार्ड चोरी कर लिया। इसके बाद आरोपी ने ऑनलाइन माध्यम से करीब 3.90 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर लिए और फरार हो गया।

पुलिस को दी शिकायत में डॉक्टर शशिकांत ने बताया कि उनके पिता की उम्र करीब 82 वर्ष है और वह दिमागी बीमारी से पीड़ित हैं। उनकी देखभाल के लिए उन्होंने इंदरजीत सिंह नामक व्यक्ति को केअरटेकर के रूप में रखा था।

शिकायत के अनुसार, 15 जुलाई की रात आरोपी ने मौका पाकर बुजुर्ग के मोबाइल फोन से सिम कार्ड और एसबीआई का एटीएम कार्ड चोरी कर लिया। इसके बाद उसने चोरी किए गए सिम कार्ड को अपने मोबाइल में डालकर गूगल अकाउंट का इस्तेमाल किया। 16 जुलाई से 22 जुलाई के बीच आरोपी ने यूपीआई के माध्यम से करीब 3.90 लाख रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए।

रुपये ट्रांसफर करने के बाद आरोपी इंदरजीत सिंह काम पर नहीं आया और अपना मोबाइल फोन बंद कर फरार हो गया। जब परिवार को बैंक खाते से पैसे निकलने की जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत पुलिस को शिकायत दी।

रोज गार्डन में रील बना रही मां-बेटी को निहंगों ने रोका, वीडियो हुई वायरल

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। लुधियाना के रोज गार्डन में सोशल मीडिया के लिए रील बना रही मां-बेटी को कुछ निहंगों द्वारा रोकने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ निहंग सार्वजनिक पार्क में डांस कर वीडियो बनाने को लेकर मां-बेटी से सवाल करते दिखाई दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, मां-बेटी उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले की रहने वाली हैं और पंजाब में अपने रिश्तेदारों से मिलने आई थीं। रविवार को वे परिवार के साथ रोज गार्डन घूमने पहुंची थीं। इसी दौरान दोनों ने सोशल मीडिया के लिए डांस करते हुए वीडियो बनानी शुरू कर दी।

बताया जा रहा है कि युवती ने लहंगा और बिना बाजू का ऊपरी परिधान पहना हुआ था। इसी दौरान पार्क में मौजूद कुछ निहंग उनके पास पहुंचे और सार्वजनिक स्थान पर इस तरह वीडियो बनाने और डांस करने पर आपत्ति जताई। वायरल वीडियो में निहंग मां-बेटी से कहते नजर आ रहे हैं कि पार्क लोगों के घूमने, बैठने और परिवार के साथ समय बिताने के लिए होते हैं। उन्होंने युवती के पहनावे को लेकर भी टिप्पणी की और इसे अनुचित बताया। निहंगों ने सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की रील बनाने से बचने की सलाह दी।

निहंगों की आपत्ति के बाद मां-बेटी ने डांस करना बंद कर दिया। उन्होंने हाथ जोड़कर माफी मांगी और बताया जा रहा है कि अपने मोबाइल से बनाई गई वीडियो भी हटा दी। इसके बाद उन्हें भविष्य में ऐसी गतिविधियां नहीं करने की बात कहकर वहां से जाने दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के दौरान निहंगों ने दोनों का मोबाइल फोन भी देखा। पूरे घटनाक्रम का वीडियो वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हालांकि, इस मामले में अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस की तरफ से भी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

घटना को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग सार्वजनिक स्थानों पर रील बनाने और मर्यादा का ध्यान रखने की बात कह रहे हैं, जबकि कुछ लोगों का कहना है कि किसी भी स्थिति में कानून अपने हाथ में नहीं लिया जाना चाहिए।

विरोध | वकीलों का आरोप, एलएडीसी नीति से युवा अधिवक्ताओं के रोजगार पर गहराया संकट

एलएडीसी नीति के विरोध में जालंधर में वकीलों की भूख हड़ताल जारी

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। जालंधर में एलएडीसी (लीगल एड डिफेंस काउंसिल) नीति के विरोध में जिला बार एसोसिएशन का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। सोमवार को आंदोलन के पांचवें दिन भी वकीलों ने भूख हड़ताल जारी रखी। इसके साथ ही 'नो वर्क डे' के आह्वान के कारण जिला अदालतों में न्यायिक कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा।

बार एसोसिएशन के आंदोलन के चलते बड़ी संख्या में मामलों की सुनवाई नहीं हो सकी और कई केसों को अगली तारीखों के लिए स्थगित करना पड़ा। अदालतों में अपने मामलों की सुनवाई के लिए पहुंचे पक्षकारों और आम लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। दूर-दराज से आए कई लोग बिना सुनवाई के वापस लौट गए। सोमवार को वाल्मीकि समाज की ओर से पंजाब बंद और विरोध प्रदर्शन का भी असर देखने को मिला। इसी दौरान जिला बार एसोसिएशन का प्रदर्शन भी जारी रहा। बार के आह्वान पर 50 से अधिक अधिवक्ता भूख हड़ताल पर बैठे, जबकि सैकड़ों वकीलों ने बार परिसर में धरना देकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

अदालतों में कामकाज ठप, सैकड़ों मामलों की सुनवाई हुई प्रभावित

प्रदर्शन कर रहे वकीलों का कहना है कि एलएडीसी व्यवस्था लागू होने से स्वतंत्र वकालत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उनका आरोप है कि इस नीति से खासकर युवा वकीलों के सामने रोजगार का संकट बढ़ सकता है। नए अधिवक्ताओं को अपनी पहचान बनाने और पेशे में आगे बढ़ने में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

वकीलों ने आरोप लगाया कि सरकार उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि कई बार अपनी समस्याओं और आपत्तियों को सरकार के सामने रखा गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसी कारण उन्हें आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक सरकार एलएडीसी नीति पर दोबारा विचार नहीं करती और उनकी मांगों को स्वीकार नहीं करती, तब तक भूख हड़ताल और 'नो वर्क डे' आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

वकीलों का कहना है कि उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है, बल्कि ऐसी व्यवस्था के खिलाफ है जिसे वे अधिवक्ताओं और न्याय व्यवस्था के हित में उचित नहीं मानते। उन्होंने सरकार से बातचीत कर जल्द समाधान निकालने की अपील की है। वहीं, अदालतों में कामकाज प्रभावित होने से न्यायिक प्रक्रिया पर भी असर पड़ा है।

जीवन में सफलता, शांति और आत्मबल प्राप्त करने के लिए मंगलवार के आदर्शों को अपनाना क्यों आवश्यक है?

श्री श्री रविशंकर
आध्यात्कि गुरु

भारतीय संस्कृति में सप्ताह का प्रत्येक दिन किसी न किसी विशेष आध्यात्मिक भावना और जीवन मूल्य से जुड़ा हुआ माना जाता है। मंगलवार का दिन विशेष रूप से शक्ति, साहस, पराक्रम, सेवा, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रतीक माना गया है। यह दिन भगवान हनुमान और मंगल देव को समर्पित माना जाता है। भारतीय जनमानस में यह विश्वास है कि मंगलवार का दिन न केवल आध्यात्मिक उन्नति का अवसर देता है बल्कि जीवन की कठिनाइयों का सामना करने की प्रेरणा भी प्रदान करता है। यही कारण है कि देशभर में लाखों श्रद्धालु इस दिन व्रत रखते हैं, मंदिरों में दर्शन करते हैं और हनुमान चालीसा, सुंदरकांड तथा बजरंग बाण का पाठ करते हैं।

मंगलवार हमें यह संदेश देता है कि केवल शक्ति का होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस शक्ति का सदुपयोग भी उतना ही आवश्यक है। भगवान हनुमान इसका सर्वोत्तम उदाहरण हैं। उनके पास अद्भुत बल था, परंतु उन्होंने कभी उसका प्रयोग अहंकार या स्वार्थ के लिए नहीं किया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन भगवान श्रीराम की सेवा, धर्म की रक्षा और समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। यही कारण है कि वे आज भी शक्ति और विनम्रता के अद्वितीय प्रतीक माने जाते हैं।

हमारे जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियाँ आती हैं जब मनुष्य स्वयं को असहाय और निराश महसूस करता है। कठिनाइयाँ, असफलताएँ, आर्थिक चुनौतियाँ, पारिवारिक तनाव और मानसिक दबाव व्यक्ति के आत्मविश्वास को कमजोर कर देते हैं। ऐसे समय में मंगलवार हमें यह प्रेरणा देता है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मन में साहस, विश्वास और सकारात्मक सोच बनी रहे तो हर बाधा को पार किया जा सकता है। भगवान हनुमान का चरित्र हमें यही सिखाता है कि असंभव प्रतीत होने वाले कार्य भी दृढ़ संकल्प और ईश्वर पर विश्वास से संभव बन जाते हैं।

मंगलवार केवल धार्मिक आस्था का दिन नहीं है बल्कि आत्मअनुशासन का भी दिन है। व्रत रखना केवल भोजन का त्याग नहीं बल्कि अपनी इच्छाओं और इंद्रियों पर नियंत्रण का अभ्यास है। संयम व्यक्ति के व्यक्तित्व को मजबूत बनाता है। जब मनुष्य अपनी आदतों पर नियंत्रण करना सीखता है तब वह जीवन के बड़े लक्ष्यों को भी आसानी से प्राप्त कर सकता है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में उपवास को आत्मशुद्धि और आत्मसंयम का प्रभावी माध्यम माना गया है।

इस दिन सेवा और परोपकार का विशेष महत्व भी बताया गया है। किसी जरूरतमंद की सहायता करना, भूखे को भोजन कराना, बीमार की सेवा करना, पशु-पक्षियों को भोजन देना या किसी दुखी व्यक्ति का मनोबल बढ़ाना भी सच्ची पूजा मानी गई है। भगवान हनुमान स्वयं निस्वार्थ सेवा के आदर्श हैं। उन्होंने कभी अपने पराक्रम का श्रेय स्वयं नहीं लिया बल्कि हर सफलता का श्रेय भगवान श्रीराम को समर्पित किया। यह विनम्रता आज के समाज के लिए भी एक बड़ी सीख है।

आज का समय प्रतिस्पर्धा, तनाव और भागदौड़ का है। लोग सफलता तो चाहते हैं लेकिन धैर्य और अनुशासन की कमी के कारण छोटी-छोटी कठिनाइयों में निराश हो जाते हैं। मंगलवार हमें यह याद दिलाता है कि सफलता का मार्ग परिश्रम, धैर्य और निरंतर प्रयास से होकर गुजरता है। कोई भी उपलब्धि एक दिन में नहीं मिलती। इसके लिए निरंतर अभ्यास, आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक है।

भगवान हनुमान का जीवन हमें भय से मुक्त रहने की भी प्रेरणा देता है। भय मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी है। जब व्यक्ति भयभीत होता है तब उसकी क्षमता सीमित हो जाती है। लेकिन जब वह अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचान लेता है तब वही व्यक्ति असंभव को संभव बना सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मनुष्य के भीतर अनंत संभावनाओं को जागृत करने का सबसे बड़ा माध्यम है गुरु

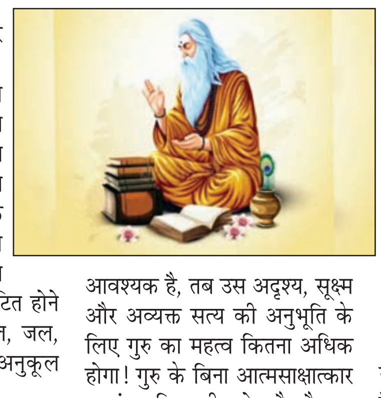

विक्रम वर्मा
प्रवक्ता अंग्रेजी, शिक्षा खंड
गैहरा, जिला चंबा (हि.प्र.)

एक बल्ब के भीतर तंतु (फिलामेंट) पहले से ही विद्यमान होता है। उसे केवल विद्युत प्रवाह की आवश्यकता होती है और वह प्रकाशमान हो उठता है। उसी प्रकार एक कली में पुष्प बनने की समस्त संभावनाएं निहित रहती हैं, किंतु उसके प्रस्फुटित होने के लिए थोड़ी सी देखभाल, जल, सूर्य का प्रकाश और अनुकूल वातावरण अपेक्षित होता है।

ठीक इसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य अपने भीतर असीम सामर्थ्य और अनंत संभावनाएं संजोए हुए है। उचित मार्गदर्शन और अनुकूल वातावरण उस अंतर्निहित शक्ति को जागृत कर देते हैं, जो पहले से ही उसके भीतर विद्यमान है।

विद्युत के बिना बल्ब का अपना कोई महत्व नहीं रह जाता। उसका बाहरी आकार मात्र एक आवरण है; वास्तविक तत्व तो उसके भीतर प्रवाहित होने वाली विद्युत है। उसी प्रकार तुम भी केवल बाह्य आकार नहीं हो। तुम्हें यह अनुभूति करनी है कि तुम्हारा वास्तविक स्वरूप वही चेतना है, वही दिव्य ऊर्जा है। जिस ज्ञान की तुम खोज कर रहे हो, वह पहले से ही तुम्हारे भीतर विद्यमान है। गुरु की उपस्थिति ही मनुष्य को अपने इस वास्तविक स्वरूप का बोध कराती है। जीवन में जो बातें प्रत्यक्ष दिखाई देती हैं, उनके लिए भी हम मार्गदर्शक की आवश्यकता सहज स्वीकार करते हैं। वाहन चलाना सीखने के लिए प्रशिक्षक चाहिए, किसी विषय में दुर्बलता हो तो शिक्षक या कोच की आवश्यकता पड़ती है। जब दृश्य जगत की छोटी-छोटी बातों के लिए भी मार्गदर्शक आवश्यक है, तब उस अदृश्य, सूक्ष्म और अव्यक्त सत्य की अनुभूति के लिए गुरु का महत्व कितना अधिक होगा! गुरु के बिना आत्मसाक्षात्कार अत्यंत कठिन प्रतीत होता है और गुरु के बिना ध्यान की गहराइयों तक पहुंचना भी सहज नहीं होता। क्या आप जानते हैं कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी शिक्षा के लिए महर्षि सान्दीपनि का आश्रय ग्रहण किया था? भगवान श्रीराम ने भी महर्षि वशिष्ठ से जीवन का गहन ज्ञान प्राप्त किया। जब स्वयं अवतार पुरुषों ने गुरु की शरण ग्रहण की, तब सामान्य मनुष्य के लिए गुरु की आवश्यकता कितनी स्वाभाविक है।

यदि जीवन में उच्चतर चेतना, उत्कृष्टता और आत्मोन्नति प्राप्त करनी है, तो गुरु का होना अनिवार्य है। गुरु के बिना वास्तविक प्रगति संभव नहीं। गुरु-शिष्य परंपरा हमारी सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यदि मानव जाति को आगे बढ़ना है, तो उसे इस प्राचीन ज्ञान-परम्परा को अपने साथ लेकर चलना होगा। गुरु वह है जो आपके दु:ख, कष्ट और पीड़ा को दूर करने का सामर्थ्य रखता है। गुरु वह है जो आपके जीवन में शांति का संचार करता है और निरंतर प्रगति की दिशा में आपका पथ प्रशस्त करता है।

जीवन में कृतज्ञ होने के लाखों अवसर हैं और शिकायत करने के करोड़ों। शिकायतों की संख्या कृतज्ञता से कहीं अधिक प्रतीत होती है। किंतु गुरु का सान्निध्य इन दोनों से भी परे ले जाता है। वह आपकी दृष्टि को एक ऐसे सत्य की ओर उन्मुख करता है, जहां जीवन का संपूर्ण परिप्रेक्ष्य बदल जाता है। शास्त्रीय रसायन विज्ञान हमें प्रत्येक तत्व के गुणधर्मों का ज्ञान कराता है। कुर्सी मेज नहीं है, मेज द्वार नहीं है, यद्यपि वे सभी लकड़ी से बने हैं। जल एक तापमान पर बर्फ बन जाता है और दूसरे तापमान पर वाष्प, परंतु जब चेतना की दृष्टि क्वांटम भौतिकी की ओर विकसित होती है, तब मनुष्य शास्त्रीय विज्ञान की सीमाओं से ऊपर उठकर उस सत्य का अनुभव करता है, जहां समस्त सृष्टि में एक ही चेतना का स्पंदन दिखाई देता है। स्वयं को संपूर्ण ब्रह्मांड से अभिन्न जानने का अनुभव ही अद्वैत की अनुभूति है।

गुरु के तीन स्वरूप होते हैं। पहला उनका स्थूल, भौतिक स्वरूप; दूसरा उनका सूक्ष्म ऊर्जा-स्वरूप; और तीसरा उनका कारण या अदृश्य स्वरूप। करुणा के कारण यही अदृश्य सत्ता पहले सूक्ष्म ऊर्जा के रूप में प्रकट होती है और अंतत: मानव रूप धारण कर साधकों का मार्गदर्शन करती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> उर्दू लिखने के लिए देवनागरी अपनाने से उर्दू उत्कर्ष को प्राप्त होगी।
> -खुशवंत सिंह

संपादकीय

जारी रहें शिक्षा में सुधार

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भारतीय शिक्षा व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम है, लेकिन इसका वास्तविक महत्व केवल मंत्री पद के परिवर्तन तक सीमित नहीं है। यह घटनाक्रम उन गंभीर चुनौतियों की ओर भी संकेत करता है, जिनका सामना देश की परीक्षा प्रणाली पिछले कुछ वर्षों से कर रही है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में मंत्री का इस्तीफा जवाबदेही का प्रतीक माना जाता है, लेकिन इससे भी अधिक आवश्यक यह है कि इस अवसर को शिक्षा व्यवस्था में स्थायी और प्रभावी सुधारों की शुरुआत के रूप में देखा जाए। यदि केवल नेतृत्व बदल जाए और व्यवस्थागत कमियां ज्यों की त्यों बनी रहें, तो भविष्य में ऐसी परिस्थितियां दोबारा पैदा होने की आशंका बनी रहेगी।

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं के भविष्य का निर्धारण करती हैं। चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रशासन, बैंकिंग, रेलवे और अन्य सरकारी नौकरियों से जुड़ी परीक्षाओं में हर वर्ष लाखों विद्यार्थी भाग लेते हैं। इन परीक्षाओं की निष्पक्षता पर ही विद्यार्थियों का विश्वास टिका होता है। जब पेपर लीक, परीक्षा में अनियमितता, तकनीकी गड़बड़ी या परिणामों को लेकर विवाद सामने आते हैं, तब केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। वर्षों की मेहनत, आर्थिक संसाधन और मानसिक तैयारी एक झटके में संदेह के घेरे में आ जाती है।

नीट परीक्षा से जुड़े विवादों ने भी यही संदेश दिया कि परीक्षा प्रणाली में छोटी सी चूक का प्रभाव लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर पड़ सकता है। ऐसे मामलों में केवल जांच समितियों का गठन या जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं होती। आवश्यकता इस बात की है कि उन कारणों को समझा जाए जिनकी वजह से ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती हैं। जब तक मूल समस्याओं की पहचान कर उनका समाधान नहीं किया जाएगा, तब तक हर वर्ष नए विवाद सामने आते रहेंगे और विद्यार्थियों का भरोसा कमजोर होता जाएगा।

आज आवश्यकता परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह आधुनिक और सुरक्षित बनाने की है। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए उन्नत डिजिटल तकनीकों का उपयोग किया जाना चाहिए। साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाना, डेटा एन्क्रिप्शन, बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुरक्षा तंत्र जैसे उपाय अपनाने होंगे। परीक्षा केंद्रों पर निगरानी के लिए आधुनिक कैमरे, बायोमेट्रिक सत्यापन और रियल टाइम मॉनिटरिंग जैसी व्यवस्थाएं लागू की जा सकती हैं ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना न्यूनतम हो।

इसके साथ ही परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं की जवाबदेही भी स्पष्ट होनी चाहिए। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी सहित सभी प्रमुख परीक्षा संस्थाओं की कार्यप्रणाली का समय समय पर स्वतंत्र मूल्यांकन होना चाहिए। यह आकलन केवल प्रशासनिक स्तर तक सीमित न रहकर तकनीकी, वित्तीय और संगठनात्मक क्षमता का भी होना चाहिए। यदि किसी संस्था में संरचनात्मक कमियां हैं तो उन्हें दूर करने के लिए व्यापक सुधार लागू किए जाने चाहिए। केवल नए नियम बना देने से व्यवस्था मजबूत नहीं होती, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी उतनी ही आवश्यकता होती है।

परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों के लिए शिकायत दर्ज कराने और उसके त्वरित निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। कई बार अभ्यर्थियों को अपनी बात रखने के लिए स्पष्ट मंच नहीं मिलता, जिससे असंतोष बढ़ता है। यदि हर शिकायत की निष्पक्ष जांच हो, उसकी समयबद्ध रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और आवश्यक कार्रवाई पारदर्शी ढंग से की जाए, तो विद्यार्थियों का विश्वास स्वत: मजबूत होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास तभी बनता है जब लोगों को यह महसूस हो कि उनकी बात सुनी जा रही है और न्याय समय पर मिल रहा है।

शिक्षा व्यवस्था केवल परीक्षा आयोजित करने तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य प्रतिभा को अवसर देना और समान प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करना है। यदि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी वर्षों की मेहनत के बाद भी व्यवस्था की कमियों के कारण अवसर खो देते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं बल्कि राष्ट्रीय प्रतिभा का भी नुकसान है। इसलिए परीक्षा प्रणाली को इस प्रकार विकसित करना होगा कि प्रत्येक विद्यार्थी को समान अवसर मिले और किसी भी प्रकार की अनियमितता उसके भविष्य को प्रभावित न कर सके।

सरकार के साथ साथ समाज और शैक्षणिक संस्थानों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों को विद्यार्थियों में केवल परीक्षा की तैयारी ही नहीं बल्कि नैतिक मूल्यों और ईमानदारी की भावना भी विकसित करनी चाहिए। यदि समाज में अनुचित तरीकों से सफलता प्राप्त करने की मानसिकता को बढ़ावा मिलेगा, तो किसी भी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद समस्याएं समाप्त नहीं होंगी। इसलिए तकनीकी सुधारों के साथ नैतिक शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा।

-शिवांश धाकड़

कविता: अब हो रहा सेवानिवृत्त मैं

डॉ. कौमार्या मनोज
करियर काउंसलर

हो रहा सेवानिवृत्त मैं, कैसे कटेगी रात मेरी।
कम वेतन में कैसे जिऊंगा, कैसे बनेगी बात मेरी।।
पहली को वेतन थी मिलती, अपने पराये होते खुशहाल।
जैसे जैसे बीस गुजरती, हिसाब बने फिर तंगो हाल।।
मन में यूं इक आस थी रहती, बस है कुछ दिनों की बात।
जैसे तैसे समय था कटता, फिर आती थी रंगी रात।।
बहुत रुतबा बहुत शान था, जाने अब कैसी बात होगी।
कौन पूछेगा, जिसे पूछा ना, मेरे सिर किसकी हाथ होगी।।
सोच सोच मायूस हो रहा, जाने अब कैसी रात होगी।
अब हो रहा सेवानिवृत्त मैं, क्या पैसे वाली बरसात होगी।।
छोड़ गया था जिनको भी तब, फिर उनको गले लगाना है।
नहीं अकेला हूं मैं यारों, अनुभव का साथ निभाना है।।
सोच सोच कर हंसता हूं मैं, जाने अब कैसी रात होगी।
सेवानिवृत्त हुआ मैं तन से, दिल मन युवा मुलाकात होगी।

मौत बांटने वाले तस्करों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई जरूरी, चिट्टे की गिरफ्त में टूट रहे घर और बिखर रहे सपने

डॉ रमेश चंद
पूर्व डायरेक्टर, स्वास्थ्य विभाग
शिमला(हिमाचल प्रदेश)

समाज समय के साथ बदलता है और उसके सामने आने वाली चुनौतियां भी बदलती रहती हैं। एक समय था जब गांवों के मेले, कस्बों के बाजार और सांस्कृतिक आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं होते थे, बल्कि कई कंपनियों के प्रचार का भी प्रमुख साधन होते थे। सत्तर के दशक में बीड़ी और सिगरेट बेचने वाली कंपनियां अपने उत्पादों के प्रचार के लिए लोक कलाकारों, जोकरों और नाचने गाने वाली टोलियों का सहारा लेती थीं। ढोलक, हारमोनियम, चिमटा और लाउडस्पीकर के साथ फिल्मी गीतों की धुन पर लोगों की भीड़ इकट्ठी होती थी। मुफ्त बीड़ी, माचिस और इनामों का लालच देकर लोगों को धीरे धीरे तंबाकू की आदत लगा दी जाती थी। उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यह मनोरंजन नहीं बल्कि एक धीमा जहर है, जो आने वाले वर्षों में लाखों लोगों की जान ले लेगा।

उस दौर में धूम्रपान को सामाजिक बुराई की तरह नहीं देखा जाता था। बसों में चालक और परिचालक से लेकर यात्रियों तक, कार्यालयों में कर्मचारी, दुकानदार, खेतों में काम करने वाले किसान, यहां तक कि कई परिवारों में एक साथ बैठकर बीड़ी और सिगरेट पीना सामान्य बात मानी जाती थी। मेहमाननवाजी में भी चाय के साथ बीड़ी या सिगरेट पेश करना सम्मान का हिस्सा समझा जाता था। फिल्मों और विज्ञापनों में भी धूम्रपान को आकर्षक और आधुनिक जीवनशैली के रूप में प्रस्तुत किया जाता था। परिणाम यह हुआ कि धीरे धीरे लाखों लोग इसकी लत के शिकार हो गए। बाद में यही आदत कैंसर, तपेदिक, दमा और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनी। असंख्य परिवारों ने अपने प्रियजनों को तंबाकू की वजह से खो दिया, जबकि इस व्यापार से जुड़ी कंपनियां लगातार समृद्ध होती चली गईं।

समय बदला और सरकारों ने भी तंबाकू के दुष्प्रभावों को गंभीरता से लेना शुरू किया। कानून बने, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर रोक लगी, सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी लिखना अनिवार्य किया गया और जागरूकता अभियान चलाए गए। विद्यालयों, अस्पतालों और सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान निषिद्ध घोषित किया गया। इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिला। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान कम हुआ और लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी। हालांकि समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हुई, लेकिन समाज ने कम से कम यह स्वीकार कर लिया कि तंबाकू स्वास्थ्य के लिए घातक है।

आज समाज एक और अधिक भयावह चुनौती के सामने खड़ा है। यह चुनौती है नशीले पदार्थों, विशेषकर चिट्टा जैसे घातक सिंथेटिक नशे की। यह नशा पहले की तरह खुले मंचों, मेलों या बाजारों में नहीं बिकता। इसका कारोबार पूरी तरह गुप्त नेटवर्क के माध्यम से संचालित होता है। इसका शिकार बनने वाले अधिकांश युवा और किशोर होते हैं। कई बार उन्हें शुरुआत में मुफ्त या बहुत कम कीमत पर नशा उपलब्ध कराया जाता है ताकि वे इसकी लत के शिकार हो जाएं। इसके बाद वही व्यक्ति इस महंगे नशे को खरीदने के लिए हर संभव प्रयास करता है और धीरे धीरे उसका पूरा जीवन इसकी गिरफ्त में आ जाता है। चिट्टा केवल एक नशा नहीं बल्कि पूरे परिवार को तबाह कर देने वाली सामाजिक त्रासदी है। इसकी गिरफ्त में आने वाला व्यक्ति अपने स्वास्थ्य, परिवार, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक संबंधों से दूर होता चला जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिमाचल में बढ़ते भूस्खलन और बादल फटने की घटनाएं प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का गंभीर परिणाम है

केशव शर्मा
स्वतंत्र लेखक, गांव कोटला, घुमारवीं
जिला बिलासपुर

प्रकृति ने मानव जीवन के लिए आवश्यक सभी संसाधनों की व्यवस्था की है। जल, जंगल, भूमि, पर्वत और नदियां केवल प्राकृतिक धरोहर ही नहीं, बल्कि जीवन के आधार भी हैं। प्रत्येक ऋतु और मौसम का अपना महत्व है, जो पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि इस संतुलन से छेड़छाड़ की जाए तो इसका दुष्परिणाम केवल प्रकृति ही नहीं, बल्कि मानव जीवन को भी भुगतना पड़ता है। इसलिए प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग आवश्यकता और विवेक के अनुसार ही होना चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों से मानसून के दौरान हिमाचल प्रदेश को भारी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। थोड़ी-सी अधिक वर्षा होते ही भूस्खलन, बादल फटना, सड़कों का ध्वस्त होना, पुलों का बह जाना और मकानों का क्षतिग्रस्त होना आम बात बन गई है। हर वर्ष करोड़ों रुपए की सार्वजनिक संपत्ति नष्ट होती है और अनेक परिवार अपने आशियाने तथा आजीविका से वंचित हो जाते हैं। विकास कार्यों पर वर्षों में खर्च किए गए संसाधन कुछ ही घंटों में मलबे में बदल जाते हैं।

प्राकृतिक आपदाएं पूरी तरह रोकी नहीं जा सकतीं, लेकिन उनकी भयावहता को कम अवश्य किया जा सकता है। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि अनियोजित विकास, अंधाधुंध पर्वत कटान, अवैज्ञानिक निर्माण, नदियों और नालों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप तथा वनों की कटाई ने पर्वतीय क्षेत्रों की स्थिरता को कमजोर किया है। परिणामस्वरूप सामान्य से अधिक वर्षा भी बड़े भूस्खलन और भू-क्षरण का कारण बन रही है। इसलिए विकास परियोजनाओं के साथ पर्यावरणीय मानकों का कठोरता से पालन करना समय की मांग है। प्रदेश में सड़क, भवन और अन्य आधारभूत ढांचों के निर्माण के दौरान वैज्ञानिक तकनीकों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ढलानों की सुरक्षा के लिए रिटेनिंग वॉल, प्रभावी जल निकासी व्यवस्था, बायो-इंजीनियरिंग तकनीकों तथा स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप निर्माण पद्धतियों को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। जहां पेड़ों की कटाई अपरिहार्य हो, वहां व्यापक पौधरोपण के साथ उनके संरक्षण की भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण में स्थानीय निकायों और पंचायतों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक पंचायत अपने क्षेत्र के भूस्खलन संभावित स्थलों की पहचान करे, जल निकासी व्यवस्था को नियमित बनाए तथा ढलानों पर स्थानीय प्रजातियों के पौधों और घास का रोपण सुनिश्चित करे।

मनरेगा और अन्य ग्रामीण विकास योजनाओं के माध्यम से चेकडैम, वर्षा जल संरक्षण, मिट्टी संरक्षण और ढलानों के स्थायी उपचार जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जा सकती है। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। साथ ही, आम नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी एक विभाग का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। यदि अवैध खनन, अनियोजित निर्माण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित हिमाचल की कल्पना कठिन होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस: प्रकृति का संतुलन बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य और नैतिक दायित्व है

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र लेखक, नूरपुर, जिला कांगड़ा

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस प्रत्येक वर्ष 28 जुलाई को मनाया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोगों को प्रकृति के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। प्रकृति हमें जीवन के लिए आवश्यक सभी संसाधन प्रदान करती है, जैसे वायु, जल, भूमि, वन, जीव-जंतु और खनिज। यदि इन संसाधनों का सही ढंग से संरक्षण नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन कठिन हो जाएगा। इसलिए प्रकृति का संरक्षण केवल हमारी जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि हमारा नैतिक कर्तव्य भी है।

प्रकृति और मानव का संबंध अत्यंत गहरा है। मानव का अस्तित्व पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर करता है। हमें शुद्ध हवा पेड़ों से मिलती है, पीने योग्य जल नदियों और वर्षा से प्राप्त होता है तथा भोजन कृषि और प्राकृतिक संसाधनों से मिलता है। यदि प्रकृति का संतुलन बिगड़ता है, तो इसका सीधा प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है। जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, सूखा, बाढ़, भूस्खलन और प्रदूषण जैसी समस्याएँ प्रकृति के असंतुलन का परिणाम हैं।

आज तेजी से बढ़ती जनसंख्या, औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन हो रहा है। जंगलों की अंधाधुंध कटाई, नदियों का प्रदूषण, प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग तथा जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास का नष्ट होना पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। कई दुर्लभ वन्य जीव विलुप्त होने की कगार पर हैं। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से प्रभावित होगा।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस हमें यह संदेश देता है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चल सकते हैं। हमें ऐसी जीवनशैली अपनानी चाहिए जो प्रकृति के अनुकूल हो। जल की बचत करना, बिजली का सोच-समझकर उपयोग करना, प्लास्टिक का कम से कम प्रयोग करना, कचरे का पुनर्चक्रण करना तथा अधिक से अधिक पेड़ लगाना प्रकृति संरक्षण के सरल और प्रभावी उपाय हैं। प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करके पर्यावरण की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

पेड़-पौधे प्रकृति के सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं। वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं तथा जलवायु को संतुलित बनाए रखते हैं। इसलिए वृक्षारोपण को बढ़ावा देना और पहले से मौजूद पेड़ों की रक्षा करना आवश्यक है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं को समय-समय पर वृक्षारोपण अभियान चलाने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस कार्य में भाग लें।

जल संरक्षण भी प्रकृति संरक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जल के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। वर्षा जल संचयन, जल का सीमित उपयोग तथा जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि हम अभी से जल बचाने की आदत नहीं अपनाएँगे, तो भविष्य में जल संकट और भी गंभीर हो सकता है।

वन्य जीवों का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। प्रत्येक जीव पर्यावरण के संतुलन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिकार पर रोक, राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों का संरक्षण तथा जैव विविधता की रक्षा के लिए कठोर कानूनों का पालन आवश्यक है। जब जीव-जंतु सुरक्षित रहेंगे, तभी प्रकृति का संतुलन भी बना रहेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्री

भारतीय फिल्म जगत की जानी-मानी अभिनेत्री **आयशा जुल्का** का जन्मदिन हर साल उनके प्रशंसकों के लिए एक खास अवसर होता है।

आयशा जुल्का
जन्म : 28 जुलाई 1972

अपनी खूबसूरत मुस्कान, शानदार अभिनय और सरल व्यक्तित्व के लिए पहचानी जाने वाली आयशा जुल्का ने 1990 के दशक में बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई और आज भी लोग उनके यादगार किरदारों को पसंद करते हैं।

आयशा जुल्का का जन्म 28 जुलाई 1972 को श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर में हुआ था। बचपन से ही उनमें कला और अभिनय के प्रति रुचि थी। उन्होंने बहुत कम उम्र में ही फिल्मी दुनिया में कदम रखा और अपनी प्रतिभा के दम पर हिंदी सिनेमा में सफलता हासिल की। उनकी खूबसूरती और अभिनय क्षमता ने उन्हें जल्द ही लोकप्रिय बना दिया।

आयशा जुल्का ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1980 के दशक के अंत में की। उन्हें बड़ी पहचान फिल्म 'जो जीता वही सिकंदर' (1992) से मिली, जिसमें उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा। इस फिल्म में उनके साथ आमिर खान मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया और अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया।

उन्होंने हिंदी फिल्मों के अलावा अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी अभिनय किया। आयशा जुल्का ने अपने करियर में रोमांटिक, पारिवारिक और गंभीर भूमिकाएँ निभाईं। उनकी प्रमुख फिल्मों में 'खिलाड़ी', 'मासूम', 'बलमा' और 'संग्राम' जैसी फिल्में शामिल हैं। उनकी अभिनय शैली में सादगी और भावनात्मक गहराई देखने को मिलती है।

समय के साथ आयशा जुल्का ने फिल्मों में अपनी उपस्थिति को सीमित किया, लेकिन वह हमेशा अपने प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय रहीं। उन्होंने अभिनय के साथ-साथ सामाजिक कार्यों और अन्य क्षेत्रों में भी रुचि दिखाई। उनका व्यक्तित्व और जीवनशैली आज भी कई लोगों के लिए प्रेरणादायक है।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

बहराइच में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर किशोर की दर्दनाक मौत

एजेंसी, बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से 15 वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। घटना देहात कोतवाली क्षेत्र के कीर्तनपुर गांव की है। किशोर आतिफ रविवार शाम अटल उपवन के पास मवेशी चरा रहा था। इसी दौरान वह पेड़ पर चढ़ गया और ऊपर से गुजर रही 11 केवी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। गंभीर रूप से झुलसे आतिफ को परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से चिकित्सकों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है।

लोकगायिका सरोज वर्मा को मिला बीएचयू का प्रतिष्ठित कौस्तुभ रत्न सम्मान

एजेंसी, वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संगीत एवं मंच कला संकाय की ओर से वरिष्ठ लोकगायिका सरोज वर्मा को प्रतिष्ठित कौस्तुभ रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान बीएचयू के पंडित ओंकारनाथ ठाकुर सभागार में आयोजित तीन दिवसीय लोकगीत कार्यशाला 'लोक के रंग (भोजपुरी लोकसंगीत में वैविध्य)' के समापन

समारोह में प्रदान किया गया। संगीत एवं मंच कला संकाय द्वारा स्थापित कौस्तुभ रत्न सम्मान देश के उन कलाकारों को दिया जाता है, जिन्होंने भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन में योगदान दिया है। सम्मान मिलने पर सरोज वर्मा ने विद्यार्थियों की लोकसंगीत के प्रति रुचि और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी के प्रयासों से लोकगीत परंपरा को नई दिशा मिल रही है।

डीजे को लेकर पुलिस की सख्त एडवाइजरी नियम तोड़े तो होगी कार्रवाई

एजेंसी, बागपत। बागपत में श्रावण मास कांवड़ यात्रा को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर नई एडवाइजरी जारी की है। एसपी बागपत ने तेज आवाज वाले और अधिक ऊंचाई वाले डीजे पर रोक लगा दी है। पुलिस के अनुसार कांवड़ और डीजे की अधिकतम ऊंचाई 10 फीट तथा चौड़ाई 12 फीट तय की गई है। डीजे व साउंड सिस्टम की आवाज 75 डेसीबल से अधिक नहीं होनी चाहिए। पुलिस ने कांवड़ यात्रियों को हथियार, लाठी-डंडे और तलवार जैसे सामान साथ ले जाने पर प्रतिबंध लगाया है। वाहन चालकों को मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न के इस्तेमाल से भी बचने को कहा गया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आईआईवीआर ने किसानों को बांटे ग्राफ्टेड बैंगन पौधे, आधुनिक खेती पर जोर

एजेंसी, मीरजापुर। मीरजापुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (आईआईवीआर) ने किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने की पहल करते हुए ग्राफ्टेड बैंगन के पौधों का वितरण किया। निक्रा परियोजना और एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत आयोजित कार्यक्रम में किसानों को ग्राफ्टिंग तकनीक के लाभ बताए गए। वैज्ञानिकों ने कहा कि इससे उत्पादन बढ़ता है, फसल रोगों से सुरक्षित रहती है और किसानों की आय में वृद्धि होती है। संस्थान ने किसानों को उन्नत तकनीक अपनाकर कृषि को अधिक लाभकारी बनाने का आह्वान किया।

सफाईकर्मियों के वेतन घपले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित

एजेंसी, मुरादाबाद। मुरादाबाद में 60 सफाईकर्मियों के वेतन घपले की जांच के लिए संयुक्त विकास आयुक्त ने तीन सदस्यीय समिति गठित की है। आरोप है कि विकासखंड छजलैट के सफाईकर्मियों का वर्ष 2009-10 और 2010-11 का दो माह का वेतन अब तक नहीं मिला है। इस मामले में सफाई कर्मचारी संघ ने मंडलायुक्त से शिकायत की थी। जांच के लिए गठित समिति में सहायक लेखाधिकारी डॉ. जयपाल सिंह को अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि लेखा परीक्षक अजय कुमार और लेखाकार बाबू अहमद सदस्य हैं। समिति को एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

ऑनलाइन समीक्षा बैठकों में लापरवाही पर रोक, योगी सरकार ने तय की सख्त जवाबदेही

मंडल और जनपद स्तर के अधिकारियों की अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश

एजेंसी, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में बेसिक शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन समीक्षा बैठकों की व्यवस्था को और अधिक सख्त कर दिया है। अब निदेशालय स्तर से आयोजित होने वाली प्रत्येक ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मंडल और जनपद स्तर के अधिकारियों की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

शिक्षा निदेशक (बेसिक) अनिल भूषण चतुर्वेदी ने सभी सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। नए निर्देशों के अनुसार मंडल स्तर से सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) और जनपद स्तर से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को स्वयं ऑनलाइन समीक्षा बैठकों में उपस्थित होना होगा। किसी भी स्थिति में अनुपस्थिति या अनधिकृत प्रतिनिधित्व स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विभाग की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया है कि पूर्व में आयोजित कई ऑनलाइन समीक्षा बैठकों में कुछ जनपदों की सहभागिता अपेक्षित स्तर की नहीं रही। कई बार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी स्वयं बैठक में शामिल नहीं हुए और उनकी जगह किसी अधिकृत अधिकारी की उपस्थिति भी सुनिश्चित नहीं की गई। इसे शासन की मंशा और प्रशासनिक जवाबदेही के अनुरूप नहीं माना गया है। नई व्यवस्था के तहत अधिकारियों को केवल अपनी आधिकारिक ई-मेल आईडी के माध्यम से ही ऑनलाइन बैठकों में शामिल होना होगा।

इससे बैठक में शामिल होने वाले अधिकारियों की पहचान स्पष्ट होगी और समीक्षा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनेगी। विभाग का मानना है कि इससे तकनीकी समस्याओं के साथ-साथ अनावश्यक भ्रम की स्थिति भी समाप्त होगी। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि यदि किसी अपरिहार्य शासकीय कारण से कोई अधिकारी बैठक में शामिल नहीं हो सकता है तो उसे अपने स्थान पर किसी वरिष्ठ अधीनस्थ अधिकारी को विधिवत अधिकृत करना होगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी मंडल या जनपद की भागीदारी प्रभावित न हो और योजनाओं की समीक्षा लगातार होती रहे।

इसके अलावा एक ही जनपद या मंडल से अलग-अलग डिवाइस और अलग-अलग लॉगिन आईडी के माध्यम से बैठक में शामिल होने की व्यवस्था पर भी रोक लगाई गई है। यदि किसी बैठक में एक से अधिक अधिकारियों की आवश्यकता होगी तो सभी अधिकारी एक ही स्थान से एक अधिकृत लॉगिन आईडी के माध्यम से जुड़ेंगे। बेसिक शिक्षा विभाग का कहना है कि वरिष्ठ अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति से समीक्षा बैठकों की गुणवत्ता में सुधार आएगा। इससे शासन की प्राथमिक योजनाओं की निगरानी बेहतर होगी और निर्णयों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

विश्वविद्यालय ध्वस्तीकरण के खिलाफ सपा अल्पसंख्यक सभा ने उठाई आवाज

एजेंसी, वाराणसी

देवरिया में समाजवादी पार्टी (सपा) अल्पसंख्यक सभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के खिलाफ प्रस्तावित ध्वस्तीकरण कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया। सोमवार को कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे और प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में विश्वविद्यालय की इमारतों पर प्रस्तावित कार्रवाई रोकने और पूरे मामले की निष्पक्ष समीक्षा कराने की मांग की गई।

जौहर विश्वविद्यालय समर्थन में चला हस्ताक्षर अभियान

प्रदर्शन का नेतृत्व सपा अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष जैनुल अख्तर अंसारी ने किया। दोपहर करीब दो बजे बड़ी संख्या में कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। सपा नेताओं ने कहा कि रामपुर विकास प्राधिकरण ने जौहर विश्वविद्यालय की 38 इमारतों को बिना स्वीकृत नक्शे के निर्मित बताते हुए ध्वस्तीकरण का नोटिस जारी किया है। कार्यकर्ताओं का कहना था कि यदि निर्माण या भूमि संबंधी कोई अनियमितता है तो उसका समाधान कानून के तहत जुर्माना या अन्य वैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना चाहिए। किसी शैक्षणिक संस्थान को ध्वस्त करना उचित नहीं है। सपा नेताओं ने कहा कि जौहर विश्वविद्यालय हजारों छात्र-छात्राओं के भविष्य से जुड़ा संस्थान है। कार्रवाई होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई, डिग्री और भविष्य प्रभावित हो सकता है।

उन्होंने प्रशासन से विद्यार्थियों के हित, शिक्षा व्यवस्था और जनहित को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लेने की मांग की। वहीं, बरहज विधानसभा क्षेत्र स्थित बीआरडी पीजी कॉलेज में भी जौहर विश्वविद्यालय के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कार्यकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच और समाधान की मांग की। जौहर विश्वविद्यालय मामले में सपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रशासन को छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उचित कदम उठाना चाहिए।

भूमि विवाद में फरीदाबाद के युवक की फर्रुखाबाद में हत्या

एजेंसी, फर्रुखाबाद

फर्रुखाबाद में हरियाणा के फरीदाबाद निवासी अरुण सिंह की गोली मारकर हत्या के मामले में भूमि विवाद सामने आया है। कानपुर परिक्षेत्र के डीआईजी जमुना प्रसाद ने घटनास्थल का निरीक्षण कर बताया कि प्रारंभिक जांच में आपसी भूमि रंजिश हत्या की वजह मानी जा रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम फरीदाबाद भेजी है।

तीर्थ यात्रा से लौट रहे युवक की पांचाल घाट पर हत्या, भूमि रंजिश का खुलासा

डीआईजी ने बताया कि मृतक के परिजनों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने हत्या सुपारी देकर शूटरों या भाड़े के बदमाशों से कराए जाने की संभावना भी जताई। दयालपुर निवासी 32 वर्षीय अरुण सिंह पत्नी और बेटे के साथ तीर्थ यात्रा से लौट रहे थे। पांचाल घाट के पास रुकने पर हमलावरों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में जांच तेज कर दी है।

सर्वेंट क्वार्टर में घरेलू सहायिका का शव पंखे से लटका मिला

एजेंसी, नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र स्थित एक सोसाइटी में घरेलू सहायिका द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना सेक्टर-150 स्थित एटीएस प्रिस्टीन सोसाइटी की है, जहां फ्लैट में काम करने वाली 19 वर्षीय युवती ने अपने सर्वेन्ट क्वार्टर में फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान सोनम पुत्री रामपाल सिंह के रूप में हुई है। वह पिछले करीब एक वर्ष से सोसाइटी में रहने वाले प्रशांत सिंह और उनकी पत्नी मौलीश्री के घर पर घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी और उसी फ्लैट के सर्वेन्ट क्वार्टर में रहती थी। थाना नॉलेज पार्क प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि सोमवार सुबह घटना की सूचना मिली। जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

औरैया में कूड़ा वाहन चालक की सड़क हादसे में मौत, समय से एंबुलेंस न मिलने का आरोप

एजेंसी, औरैया

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद की नगर पंचायत अटसू में आउटसोर्स पर कार्यरत कूड़ा वाहन चालक 22 वर्षीय अजय कुमार विश्वकर्मा की सोमवार सुबह सड़क हादसे में मौत हो गई। वह ड्यूटी पर जाने के लिए बाइक से निकला था, तभी महाराजपुर मंदिर के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में अजय गंभीर रूप से घायल हो गया।

राहगीरों की मदद से उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। मृतक की मां शशि देवी ने आरोप लगाया कि बेटे को दूसरे अस्पताल ले जाने के लिए समय पर एंबुलेंस उपलब्ध नहीं कराई गई। उनका कहना है कि काफी प्रयास के बावजूद

एंबुलेंस नहीं मिली, जिससे इलाज में देरी हुई और अजय ने अस्पताल में ही दम तोड़ दिया।

घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। अजीतमल कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा विवाद पर सत्यम पंडित के बयान पर सपा का हमला

एजेंसी, गाजियाबाद

हिंदूवादी नेता सत्यम पंडित के कथित विवादित वीडियो वायरल होने के बाद विवाद बढ़ गया है। वीडियो में वह कांवड़ यात्रा के दौरान मुस्लिम अधिकारियों की ड्यूटी लगाए जाने पर आपत्ति जताते हुए दिखाई दे रहे हैं। मामले में गाजियाबाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, सोशल मीडिया पर सत्यम पंडित के दो वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नंदग्राम के सहायक पुलिस आयुक्त जियाउद्दीन अहमद को हटाकर उनकी जगह हिंदू अधिकारी की नियुक्ति करने की मांग करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि कांवड़ यात्रा जैसे धार्मिक आयोजन में मुस्लिम अधिकारियों की ड्यूटी नहीं लगनी चाहिए। पुलिस उपायुक्त (सिटी/ट्रांस हिंडन) धवल जायसवाल ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लिया गया है। वीडियो की सत्यता और पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा सत्यम पंडित का एक अन्य वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे कुछ युवाओं से पूछताछ करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वह प्रदर्शनकारियों से नाम, पता और धर्म पूछते नजर आ रहे हैं। इस दौरान कथित रूप से अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया गया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वीडियो साझा कर सत्यम पंडित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं, महुआ मोइत्रा ने भी दिल्ली पुलिस से एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

संभल में अंतरराज्यीय वाहन चोर गैंग का भंडाफोड़, 8 बाइक के साथ तीन चोर गिरफ्तार

एजेंसी, संभल

उत्तर प्रदेश के संभल जिले की हयातनगर थाना पुलिस ने अंतर्राज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से आठ चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनमें बुलेट, अपाचे और स्प्लेंडर जैसी बाइक शामिल हैं। पुलिस आरोपितों के खिलाफ संगठित अपराध की धाराओं में सख्त कार्रवाई कर रही है।

संभल पुलिस का बड़ा एक्शन, अंतर्राज्यीय बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, आठ वाहन बरामद

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि 24 जुलाई को सरायतरीन के होली चौक से एक मोटरसाइकिल चोरी होने की सूचना मिली थी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, फेस रिकॉग्निशन और सर्विलांस तकनीक की मदद से मुख्य आरोपित कासिम उर्फ भिंडी की पहचान की गई। उसके खिलाफ पहले से चोरी और गैंगस्टर सहित कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में गिरोह के दो अन्य सदस्य अमान और असद के नाम सामने आए। तीनों की निशानदेही पर पुलिस ने आठ चोरी की बाइक बरामद कीं, जिनमें हाल ही में चोरी हुई मोटरसाइकिल भी शामिल है।

पुलिस का कहना है कि आरोपितों की अवैध संपत्ति जब्त करने, जमानत निरस्त कराने और आपराधिक रिकॉर्ड अपडेट करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस इस कार्रवाई को वाहन चोरी पर बड़ी सफलता मान रही है। पुलिस के अनुसार गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी की गई मोटरसाइकिलों के संबंध में भी पूछताछ जारी है। आरोपियों से कई अहम जानकारियां मिलने की संभावना है।

भगवा ध्वज जीवन-मृत्यु दोनों का देता है संकेत : संजय हर्ष मिश्र

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित राष्ट्रधर्म कार्यालय में सोमवार को पुस्तक चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इतिहास संकलन योजना के अखिल भारतीय सह संगठन सचिव संजय हर्ष मिश्र ने 'भगवा ध्वज' पुस्तक पर विस्तार से चर्चा करते हुए ध्वजों के इतिहास और उनके महत्व से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। यह पुस्तक नारायण हरि पालकर द्वारा लिखी गई है। संजय हर्ष मिश्र ने बताया कि ध्वजों का इतिहास काफी पुराना है और इनके विभिन्न प्रकार होते हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में ध्वजों का प्रमुख उपयोग युद्ध के दौरान किया जाता था। उन्होंने बताया कि राज्य का अपना ध्वज होता था, जबकि सेना के संचालन के लिए सेनापति की अलग पताका होती थी।

उन्होंने स्वामी रामतीर्थ का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवा ध्वज जीवन और मृत्यु दोनों के संकेत को दर्शाता है। यह मानव शरीर के नश्वर होने और अंततः मिट्टी में विलीन होने का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज के ध्वज भी भगवा रंग के थे। मिश्र ने कहा कि भारत में स्वतंत्रता के समय सात सदस्यों की झंडा समिति गठित की गई थी, जिसने केसरिया ध्वज को अपनाने का सुझाव दिया था। समिति का मानना था कि यह ध्वज स्वतंत्र भारत की भावना को दर्शाता है। हालांकि, बाद में महात्मा गांधी के हस्तक्षेप के बाद तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रधर्म के प्रभारी निदेशक सर्वेश चन्द्र द्विवेदी, निदेशक डॉ. ओमप्रकाश सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। उन्होंने पुस्तक चर्चा को ज्ञानवर्धक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया।

नोएडा में विभिन्न जगहों में छह लोगों ने की आत्महत्या, पुलिस कर रही जांच

एजेंसी, नोएडा

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में छह लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, इनमें से कुछ मामलों में मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या की बात सामने आई है, जबकि अन्य मामलों की जांच की जा रही है।

पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर-39 क्षेत्र की सलारपुर कॉलोनी निवासी 21 वर्षीय खुशी शर्मा पुत्री नारायण शर्मा ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। इसी तरह थाना सेक्टर-142 क्षेत्र में रहने वाले 19 वर्षीय प्रवेश पुत्र बाबू प्रसाद, जो मूल रूप से झारखंड के हजारीबाग जिले के निवासी थे, ने भी मानसिक तनाव के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना सेक्टर 113 क्षेत्र के सेक्टर-73 में रहने वाली 24 वर्षीय डोली पुत्री मदन ने भी घर में फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने बताया कि सभी मामलों में जांच की जा रही है। इसके अलावा थाना सेक्टर 63 क्षेत्र में रमेश गौतम, थाना दनकौर क्षेत्र में रवि शंकर (27) और थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में आकाश (22) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी घटनाओं में परिजनों से जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही मोबाइल रिकॉर्ड, घटनास्थल की परिस्थितियों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

गुरुपर्व | गोरखनाथ मंदिर में कल होगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव, योगी आदित्यनाथ करेंगे गुरु पूजन

गुरु पूर्णिमा पर गुरु और शिष्य दोनों भूमिका में नजर आएंगे:योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, गोरखपुर

गुरु-शिष्य परंपरा और आध्यात्मिक संस्कृति के प्रतीक पावन पर्व गुरु पूर्णिमा का गोरक्षपीठ में विशेष महत्व है। इस अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल शिष्य और गुरु दोनों भूमिकाओं में नजर आएंगे। वह जहां अपने गुरुजनों और महायोगी गोरखनाथ की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद ग्रहण करेंगे, वहीं अपने शिष्यों और श्रद्धालुओं को आशीर्वचन प्रदान करेंगे।

गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन हर वर्ष श्रद्धा और भव्यता के साथ किया जाता है। नाथपंथ में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। मान्यता है कि गुरु ही ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग दिखाते हैं। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ भी हर वर्ष गुरु पूर्णिमा पर गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर अपने गुरु के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हैं। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सुबह सबसे पहले योगी आदित्यनाथ महायोगी गुरु गोरखनाथ की विधि-विधान से पूजा करेंगे। इसके बाद नाथपंथ के गुरुजनों की समाधि स्थली और मंदिर परिसर में स्थित देवी-देवताओं के विग्रहों का पूजन किया जाएगा। पूजा के बाद सामूहिक आरती होगी। इसके उपरांत गोरक्षपीठाधीश्वर अपने शिष्यों और अनुयायियों को आशीर्वाद देंगे। मंदिर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में महायोगी गोरखनाथ को रोट अर्पण, विशेष पूजन, सामूहिक आरती, श्रीराम कथा की पूर्णाहुति, भजन और आशीर्वचन शामिल हैं। इसके बाद सहभोज और भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा के दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर गुरु परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करेंगे। नाथपंथ और गुरु पूर्णिमा का संबंध सदियों पुराना है। नाथ परंपरा में गुरु और ईश्वर को अलग नहीं माना जाता। गुरु को ही ईश्वर का स्वरूप माना गया है। यही कारण है कि गोरक्षपीठ में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का विशेष महत्व है। महायोगी गुरु गोरखनाथ से लेकर वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर तक सभी ने गुरु-शिष्य परंपरा को मजबूत करने का कार्य किया है। गोरक्षपीठ ने गुरु परंपरा के माध्यम से समाज सेवा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

शिक्षा, चिकित्सा, योग और लोक कल्याण के कार्यों को पीठ ने लगातार आगे बढ़ाया है। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज ने शिक्षा को समाज सुधार का माध्यम मानते हुए वर्ष 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। इसके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज ने इन सेवाओं को विस्तार दिया। वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने भी गुरु परंपरा से मिले लोक कल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाया है। शिक्षा, स्वास्थ्य और योग के क्षेत्र में गोरक्षपीठ की गतिविधियों का विस्तार हुआ है। गोरक्षपीठ की ओर से संचालित संस्थान समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं।

वाराणसी में 20 मिलीमीटर प्रति घंटे की गति से बढ़ रहा गंगा नदी का जलस्तर, बदला गया स्नान का स्थान

एजेंसी, वाराणसी

हिमालयी क्षेत्रों में लगातार हो रही तेज बारिश का असर अब गंगा नदी के जलस्तर पर दिखाई देने लगा है। वाराणसी में सोमवार को गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे रहने वाले लोगों और श्रद्धालुओं में सतर्कता बढ़ गई है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के बाद प्रशासन ने भी निगरानी बढ़ा दी है।

गंगा जलस्तर वृद्धि से घाटों पर बढ़ी सावधानी, टीमें लगातार निगरानी में

जल पुलिस, एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस की टीमें घाटों पर पहुंचकर लोगों को सावधानी बरतने की अपील कर रही हैं। केंद्रीय जल आयोग के मिडल गंगा डिवीजन की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, सुबह 11 बजे तक वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर 61.28 मीटर दर्ज किया गया। नदी का जलस्तर सामान्य गति से लगभग 20 मिलीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। हालांकि, अभी गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से

नमो घाट समेत कई घाट प्रभावित, सुरक्षा व्यवस्था पर प्रशासन की नजर

काफी नीचे है, लेकिन लगातार बढ़ते पानी को देखते हुए प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

जलस्तर बढ़ने के कारण वाराणसी के कई घाटों पर पानी ऊपर तक पहुंच गया है। घाटों पर बने मंदिरों की चौखट तक गंगा का पानी पहुंचने से श्रद्धालुओं को पूजा-पाठ और दर्शन में परेशानी हो रही है। स्नान करने वाले लोगों ने भी अपने स्थान में बदलाव किया है। भभुआ पाण्डेय घाट निवासी रवि पाण्डेय ने बताया कि बारिश के मौसम में हर साल गंगा का जलस्तर बढ़ता है। इस बार भी पानी बढ़ने के कारण लोग घाट के ऊपरी हिस्से में जाकर स्नान कर रहे हैं। मंदिरों में दर्शन अब बाहर से ही किए जा रहे हैं। वहीं, शिवगंगा दैनिक प्रभात फेरी के संगठन मंत्री नरेंद्र नाथ ने बताया कि गंगा का जलस्तर बढ़ने के बाद अहिल्याबाई घाट पर स्नान करने वाले लोग अब ऊपर चौकी के पास स्नान कर रहे हैं। चौकी का स्थान भी बदला जा रहा है।

पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र नमो घाट भी गंगा के बढ़ते जलस्तर से प्रभावित हो रहा है। प्रशासन आने वाले दिनों में सुरक्षा के मद्देनजर कुछ गतिविधियों और घाटों के बीच आवागमन पर रोक लगाने पर विचार कर सकता है। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

पलवल में पांच करोड़ के विकास कार्यों का मंत्री गौरव गौतम ने किया शिलान्यास

सड़क, नाली, सामुदायिक भवन समेत कई परियोजनाओं से क्षेत्रवासियों को मिलेगी बेहतर सुविधा

भारतेन्दु संवाददाता, पलवल

हरियाणा सरकार में खेल एवं कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम ने सोमवार को नगर परिषद पलवल के वार्ड-10 स्थित कुसलीपुर क्षेत्र में पांच करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नागरिकों ने मंत्री का पगड़ी पहनाकर और फूल-मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने विकास कार्यों को लेकर खुशी जताई।

वार्ड-10 को मिली विकास की सौगात, सुविधाओं का होगा तेजी से विस्तार

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा तेजी से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े अनेक कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक क्षेत्र में विकास पहुंचाना है।

गौरव गौतम ने कहा कि पलवल क्षेत्र में भी जनहित को प्राथमिकता देते हुए विकास परियोजनाओं को लगातार धरातल पर उतारा जा रहा है। वार्ड-10 में शुरू किए गए विकास कार्यों के पूरा होने के बाद लोगों को बेहतर सड़क सुविधा, सुचारु जल निकासी व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र में जलभराव जैसी समस्याओं का समाधान होगा और लोगों का आवागमन भी आसान बनेगा। राज्य मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश के गांवों और शहरों में समान रूप से विकास कार्यों को गति दे रही है। पलवल को आधुनिक और सुविधायुक्त शहर बनाने के लिए लगातार योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी और विकास कार्यों को समय पर पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार विकास योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की प्राथमिकता लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और क्षेत्रीय विकास को मजबूत करना है। इन विकास कार्यों से क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और पलवल का विकास तेज होगा।

चरखी दादरी में पुरानी रंजिश के चलते युवक की सरेआम गोली मारकर हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, चरखी दादरी

हरियाणा के चरखी दादरी में दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस जांच में पुरानी रंजिश का कारण सामने आया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार यह वारदात वर्ष 2022 में हुई एक हत्या का बदला लेने के लिए अंजाम दी गई। पुलिस ने एक नामजद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के लिए चार विशेष टीमें गठित की हैं।

जानकारी के अनुसार, रोहतक के सुनारिया निवासी पंकज की शनिवार दोपहर चरखी दादरी की प्रेमनगर कॉलोनी में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच अधिकारी एसआई भीम सिंह ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया है कि वर्ष 2022 में पंकज पर गोच्छी गांव निवासी रोबिन के भाई की हत्या का आरोप था। इसी रंजिश के चलते रोबिन ने अपने साथियों के साथ मिलकर पंकज की हत्या की साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया। रविवार को नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मृतक की मां बीरमती के बयान के आधार पर पुलिस ने एक नामजद आरोपी सहित अन्य लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जल्द ही सभी संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा सरकार की नई गाइडलाइन, एसीआर में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सरकारी कॉलेजों में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसरों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) समय पर जमा कराने के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। निर्देशों के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 की एसीआर और सेल्फ-अप्रेज़ल 31 अगस्त तक हर हाल में पूरा करना होगा। देरी होने पर संबंधित कॉलेज के प्रिंसिपल जिम्मेदार होंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि समय सीमा के बाद कोई एसीआर स्वीकार नहीं की जाएगी और इससे शिक्षकों के प्रमोशन, सीनियर स्केल, चयन ग्रेड तथा सेवा विस्तार जैसे लाभ प्रभावित हो सकते हैं। साथ ही प्रिंसिपल अपने रिश्तेदार या परिवार के किसी सदस्य की एसीआर में ओवरऑल ग्रेडिंग नहीं दे सकेंगे। सभी प्रिंसिपलों को शिक्षकों की संख्या प्रमाणित करने और लंबित एसीआर नहीं होने की पुष्टि करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

भिवानी में हनुमान चालीसा पाठ के साथ गोहत्या पर रोक की उठी मांग

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी। गोहत्या पर रोक लगाने की मांग को लेकर सोमवार को विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने भिवानी के लघु सचिवालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हनुमान चालीसा का पाठ कर विरोध जताया और प्रशासन को ज्ञापन सौंपने का प्रयास किया। हालांकि काफी देर तक कोई अधिकारी ज्ञापन लेने नहीं पहुंचा, जिससे प्रदर्शनकारी लघु सचिवालय के मुख्य द्वार पर बैठ गए।

संगठनों के प्रतिनिधियों ने गोहत्या पर सख्ती से रोक लगाने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और गोवंश संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि प्रशासन उनकी मांगों को गंभीरता से ले और शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करे। बाद में प्रशासन की ओर से अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन शांतिपूर्वक समाप्त हुआ।

कैथल की नहर में मिला युवक का शव, तीन बेटियों के सिर से उठा पिता का साया

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। कैथल जिले की एक नहर में लापता युवक का शव मिलने से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। सोमवार सुबह खेतों की ओर जा रहे किसानों ने नहर में शव तैरता देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। जांच के दौरान मृतक की पहचान कुछ दिन पहले लापता हुए युवक के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि मृतक तीन बेटियों का पिता था और उसके अचानक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को सूचना दे दी है। अधिकारियों का कहना है कि मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

हरियाणा के राज्यपाल ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को अर्पित की श्रद्धांजलि

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने सोमवार को लोक भवन में भारत के पूर्व राष्ट्रपति और भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए डॉ. कलाम को महान वैज्ञानिक, दूरदर्शी राष्ट्रनायक और सादगी, विनम्रता तथा ज्ञान की प्रतिमूर्ति बताया। राज्यपाल ने कहा कि भारत के रक्षा और अंतरिक्ष कार्यक्रमों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में डॉ. कलाम का योगदान अतुलनीय रहा है। आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसके कारण उन्हें 'मिसाइल मैन ऑफ इंडिया' के नाम से पहचान मिली। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके आदर्श सदैव देशवासियों को राष्ट्र निर्माण, नवाचार तथा कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

गैरेज में बंद कर युवक से मारपीट 50 हजार रुपए छीनने का आरोप

युवक से नकदी छीनकर जान से मारने की धमकी

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा

हरियाणा के सिरसा जिले में एक युवक को गैरेज में बंधक बनाकर मारपीट करने, नकदी छीनने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

प्रीत नगर निवासी 32 वर्षीय राजबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अग्रवाल कॉलोनी में ऑनलाइन कार्य करता है। उसके अनुसार 23 जुलाई को रिसालिया खेड़ा निवासी अंकित अपनी माता रामकला के साथ एक व्यक्ति की जमानत के सिलसिले में उसके पास आया था। बाद में अंकित के पिता इंद्र ने फोन कर जमानत कराने की बात कही और शराब पीने के लिए 800 रुपये की मांग की। राजबीर का आरोप है कि बाद में उसे एक गैरेज में बुलाया गया, जहां

पहले से मौजूद सात लोगों ने उसे बंधक बना लिया।

आरोपियों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की और उससे 50 हजार रुपये की नकदी छीन ली। पीड़ित का यह भी आरोप है कि आरोपियों ने उसकी पत्नी से फिरौती की रकम मंगवाने के लिए दबाव बनाया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलने के बाद राजबीर ने पुलिस से संपर्क कर पूरी घटना की जानकारी दी।

शादी के चार साल बाद विवाहिता ने फंदा लगाकर दी जान

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। हरियाणा के यमुनानगर जिले में शादी के चार वर्ष बाद एक विवाहिता द्वारा फंदा लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना से परिवार में शोक का माहौल है। मृतका के परिजनों का आरोप है कि विवाहिता ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से परेशान थी। बताया गया कि घटना से करीब तीन दिन पहले उसने अपने पिता से फोन पर बातचीत के दौरान अपनी पीड़ा और परेशानी साझा की थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने पति सहित छह लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है।

हरियाणा में जुलाई में मानसून सुस्त सामान्य से 24 प्रतिशत कम हुई बारिश

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा में इस वर्ष जुलाई के अधिकांश दिनों में मानसून की रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी रही है, जिससे प्रदेश में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार एक जून से 25 जुलाई तक हरियाणा में औसतन 132.7 मिलीमीटर वर्षा हुई, जबकि इस अवधि में सामान्य वर्षा 175.4 मिलीमीटर होनी चाहिए थी। इस प्रकार प्रदेश में अब तक सामान्य से लगभग 24 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य के 23 जिलों में से केवल सात जिलों में सामान्य अथवा सामान्य के आसपास वर्षा हुई है, जबकि शेष 16 जिलों में बारिश का स्तर सामान्य से कम रहा। कम वर्षा के कारण खेती किसानी पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

विशेष रूप से धान, मक्का और अन्य खरीफ फसलों की खेती करने वाले किसान बारिश का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि समय पर पर्याप्त वर्षा फसलों की बेहतर बढ़वार के लिए आवश्यक मानी जाती है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि पिछले लगभग एक सप्ताह से मानसून कमजोर बना हुआ है। हालांकि राहत की बात यह है कि 28 जुलाई से मानसून के दोबारा सक्रिय होने की संभावना है।

इसके प्रभाव से प्रदेश के कई हिस्सों में वर्षा की गतिविधियां तेज हो सकती हैं और अच्छी बारिश होने के आसार हैं। यदि अनुमान के अनुसार मानसून सक्रिय होता है तो किसानों के साथ-साथ आम लोगों को भी गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी दिनों में बादल छाने, तेज हवाएं चलने और कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना बनी हुई है।

मक्का किसानों को एचएयू की सलाह फाल आर्मीवर्म और रोगों से बचाएं फसल

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि वैज्ञानिकों ने मक्का उत्पादक किसानों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी करते हुए फसल को फाल आर्मीवर्म और पत्ती अंगमारी रोग से बचाने के लिए वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने की सलाह दी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस समय मक्का की फसल बढ़वार के महत्वपूर्ण चरण में है और थोड़ी-सी लापरवाही भी उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इसलिए 31 जुलाई तक खेतों की नियमित निगरानी करना बेहद जरूरी है।

वैज्ञानिकों ने मक्का किसानों से समय पर उपचार और नियमित निगरानी अपनाने की अपील की।

विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों के अनुसार फाल आर्मीवर्म मक्का की सबसे खतरनाक कीट समस्याओं में से एक है। यह कीट पौधों की पत्तियों और बढ़वार वाले भाग को तेजी से नुकसान पहुंचाता है, जिससे फसल की उपज में भारी कमी आ सकती है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे समय-समय पर खेतों का निरीक्षण करें और शुरुआती अवस्था में ही कीट की पहचान कर उचित नियंत्रण उपाय अपनाएं। संक्रमित पौधों को अलग करने और कृषि विभाग द्वारा अनुशंसित कीटनाशकों का निर्धारित मात्रा में ही प्रयोग करने की भी सलाह दी गई है।

वैज्ञानिकों ने पत्ती अंगमारी रोग के प्रति भी किसानों को सतर्क रहने को कहा है। यह रोग पत्तियों पर धब्बे बनाकर प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया को प्रभावित करता है, जिससे पौधों का विकास रुक सकता है। रोग के लक्षण दिखाई देने पर अनुशंसित फफूंदनाशकों का छिड़काव करने और खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखने की सलाह दी गई है। एचएयू के कृषि विशेषज्ञों ने किसानों से संतुलित उर्वरक प्रबंधन, समय पर सिंचाई और खरपतवार नियंत्रण पर भी विशेष ध्यान देने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि स्वस्थ फसल ही रोगों और कीटों का बेहतर सामना कर सकती है।

साथ ही किसानों को किसी भी समस्या की स्थिति में कृषि वैज्ञानिकों या कृषि विभाग के अधिकारियों से तुरंत संपर्क करने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसान वैज्ञानिक सिफारिशों का पालन करते हुए नियमित निगरानी और समय पर उपचार अपनाते हैं, तो फाल आर्मीवर्म और पत्ती अंगमारी रोग से होने वाले नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है तथा मक्का की बेहतर पैदावार सुनिश्चित की जा सकती है।

आईएएस अधिकारी से ठगी के आरोपी कैदी की रेवाड़ी जेल में मौत

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी

हरियाणा के रेवाड़ी जिले की फिदेड़ी स्थित जिला जेल में बंद एक विचाराधीन कैदी की सोमवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक की पहचान महाराष्ट्र के मुंबई निवासी राहुल के रूप में हुई है। वह एक आईएएस अधिकारी से 10 लाख रुपये की कथित साइबर ठगी के मामले में न्यायिक हिरासत में रेवाड़ी जेल में बंद था। घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह राहुल ने सीने में तेज दर्द की शिकायत की। जेल प्रशासन ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए तत्काल उसे उपचार के लिए रेवाड़ी के ट्रामा सेंटर पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में मौत का संभावित कारण हृदयाघात (हार्ट अटैक) माना जा रहा है, लेकिन वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने शव को कब्जे

में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। जेल प्रशासन का कहना है कि कैदी की तबीयत बिगड़ते ही उसे बिना देरी अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी।

राहुल पर एक आईएएस अधिकारी से 10 लाख रुपये की साइबर ठगी करने का आरोप था और इसी मामले में वह न्यायिक हिरासत में था। फिलहाल पुलिस और जेल प्रशासन पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि होगी तथा आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट होंगे।

मीरी-पीरी संस्थान पर आज कार्यभार संभालेंगे एचएसजीएमसी प्रधान जगदीश सिंह झिंडा

भारतेन्दु संवाददाता, शाहाबाद

मीरी-पीरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर की सेवा-संभाल को लेकर हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी (एचएसजीएमसी) और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के बीच चल रहे विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। एचएसजीएमसी की ओर से एसजीपीसी को दिया गया 72 घंटे का अल्टीमेटम रविवार दोपहर समाप्त हो गया। इसके बाद सोमवार को एचएसजीएमसी ने संस्थान का कार्यभार संभालने की घोषणा की है।

कार्यभार ग्रहण की तैयारी, मीरी पीरी संस्थान में बढ़ी गतिविधियां

एचएसजीएमसी के प्रधान जगदीश सिंह झिंडा अपने कार्यकारी सदस्यों और अधिकारियों के साथ सोमवार सुबह मीरी-पीरी संस्थान पहुंचेंगे और आधिकारिक रूप से सेवा-संभाल की जिम्मेदारी लेने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संस्थान का कार्यभार संभालने के बाद ही आगे की रणनीति और आवश्यक कार्रवाई तय की जाएगी। जगदीश सिंह झिंडा ने कहा कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी की पूरी कार्यकारिणी इस मुद्दे पर एकमत है और संस्थान की सेवा-संभाल को लेकर सभी सदस्य एकजुट हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि कमेटी अपने अधिकारों और कानूनी दायित्वों के अनुसार आगे की प्रक्रिया पूरी करेगी।

गौरतलब है कि मीरी-पीरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर की देखरेख और प्रबंधन को लेकर पिछले कुछ समय से विवाद बना हुआ है। इसी विवाद के समाधान के लिए एचएसजीएमसी ने एसजीपीसी को 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद अब कमेटी ने स्वयं संस्थान का कार्यभार संभालने का निर्णय लिया है।

इस घटनाक्रम पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। संस्थान में सोमवार को होने वाली गतिविधियां और दोनों पक्षों की प्रतिक्रिया आगे की स्थिति स्पष्ट करेगी। प्रशासन भी हालात पर नजर बनाए हुए है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। फिलहाल एचएसजीएमसी का कहना है कि उसका उद्देश्य संस्थान की सेवा-संभाल सुनिश्चित करना है और आगे के सभी कदम परिस्थितियों के अनुसार उठाए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, संस्थान परिसर में सोमवार की गतिविधियों को देखते हुए प्रशासन ने आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की है। दोनों पक्षों के रुख पर सभी की नजर बनी हुई है। यदि कार्यभार ग्रहण के दौरान कोई नया घटनाक्रम सामने आता है, तो उसके अनुसार आगे की प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार रही 'निपुण हरियाणा योजना'

निपुण हरियाणा अभियान से सरकारी स्कूलों में बच्चों की बुनियादी शिक्षा लगातार हुई मजबूत

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

हरियाणा में सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई 'निपुण हरियाणा' पहल का सकारात्मक प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2021 में शुरू किए गए फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) कार्यक्रम के माध्यम से प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों की पढ़ने, लिखने और गणितीय समझ को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य वर्ष 2026-27 तक प्रत्येक बच्चे को कक्षा तीन के अंत तक बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान में दक्ष बनाना है।

शिक्षा विभाग के अनुसार प्रारंभिक कक्षाओं में मजबूत आधार तैयार होने से विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई में आने वाली कठिनाइयों से काफी हद तक राहत मिलेगी। इसी सोच के साथ सरकारी विद्यालयों में गतिविधि आधारित शिक्षण, खेल-खेल में सीखने की पद्धति और बच्चों की क्षमता के अनुसार शिक्षण सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों की सीखने में रुचि बढ़ी है और उनकी समझ में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।

'निपुण हरियाणा' अभियान के अंतर्गत शिक्षकों को भी समय-समय पर विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे आधुनिक शिक्षण तकनीकों का प्रभावी उपयोग कर सकें। बच्चों की नियमित शैक्षणिक प्रगति का मूल्यांकन किया जा रहा है और जिन विद्यार्थियों को अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है, उनके लिए विशेष शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे कमजोर विद्यार्थियों को भी सीखने की प्रक्रिया में बराबरी से आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। शिक्षा विभाग का मानना है कि यदि बच्चों की पढ़ने, लिखने और गणना करने की बुनियादी क्षमता प्रारंभिक स्तर पर ही मजबूत हो जाए तो भविष्य में उनकी शैक्षणिक उपलब्धियां बेहतर होती हैं। इसी कारण विद्यालयों में भाषा, गणित और बुनियादी अवधारणाओं पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने, रचनात्मक सोच विकसित करने और कक्षा में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

सरकारी स्कूलों में स्मार्ट कक्षाओं, डिजिटल शिक्षण सामग्री और नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों का भी उपयोग बढ़ाया गया है। शिक्षकों, अभिभावकों और शिक्षा विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि नियमित

सरकारी विद्यालयों में निपुण हरियाणा पहल से बच्चों की सीखने की क्षमता बढ़ी

निगरानी और मूल्यांकन से इस अभियान को और अधिक सफल बनाया जा रहा है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि 'निपुण हरियाणा' केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्राथमिक शिक्षा को नई दिशा देने वाला व्यापक अभियान है।

इसके माध्यम से बच्चों में सीखने की मजबूत नींव तैयार की जा रही है, जिससे वे आगे की कक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। आने वाले वर्षों में इस पहल से सरकारी विद्यालयों के शिक्षा स्तर में और अधिक सुधार होने की उम्मीद जताई जा रही है। साथ ही यह अभियान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में हरियाणा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विभाग का लक्ष्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान में दक्ष बने, जिससे उनकी शैक्षणिक नींव मजबूत हो। अधिकारियों का कहना है कि नियमित निगरानी, शिक्षकों के प्रशिक्षण और नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाया जाएगा।

फरीदाबाद पुलिस के विशेष वीकेंड अभियान में 185 आरोपी गिरफ्तार, नशा और हथियार भी बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

फरीदाबाद जिले में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से फरीदाबाद पुलिस ने 24 से 26 जुलाई तक विशेष वीकेंड अभियान चलाया। तीन दिनों तक चले इस अभियान में पुलिस ने अपराधियों, नशा तस्करों, अवैध शराब कारोबारियों, जुआ संचालकों तथा उद्घोषित अपराधियों के खिलाफ व्यापक स्तर पर कार्रवाई करते हुए 185 आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि अभियान का उद्देश्य अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ना और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है।

पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान विभिन्न थाना और अपराध शाखा की टीमों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। इस दौरान 139 उद्घोषित अपराधियों और जमानत पर फरार आरोपितों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। वहीं पुलिस ने 37 गुमशुदा व्यक्तियों को तलाश कर सकुशल उनके परिजनों से मिलाया, जिससे कई परिवारों को राहत मिली। अभियान के दौरान पुलिस ने अवैध नशे, हथियार और शराब के खिलाफ भी बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने 23 किलोग्राम से अधिक गांजा, दो देसी कट्टे, 464 बोतल देशी शराब तथा 160 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की। इसके अलावा जुआ अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए तीन लाख 19 हजार 880 रुपये की नकदी भी जब्त की गई। पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तीन

फरीदाबाद पुलिस ने अपराधियों पर कसा शिकंजा

मामलों, अवैध हथियार के दो मामलों, आबकारी अधिनियम के 20 मामलों और जुआ अधिनियम के 17 मामलों में आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार अभियान के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

फरीदाबाद पुलिस इससे पहले भी जुलाई में दो विशेष वीकेंड अभियान चला चुकी है। तीनों अभियानों को मिलाकर अब तक 850 से अधिक आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे ताकि अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपराध संबंधी किसी भी सूचना की तत्काल जानकारी पुलिस को देने की अपील करते हुए सहयोग मांगा।

न्यूज ब्रीफ

टोल जाम समाधान के लिए इंदौर मॉडल अपनाएगी एमसीडी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने टोल गेट पर लगने वाले यातायात जाम की समस्या के समाधान के लिए एमसीडी को इंदौर मॉडल का अध्ययन करने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को एमसीडी की समीक्षा बैठक में नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें ठोस कचरा प्रबंधन, जलभराव रोकने और मानसून में बीमारियों की रोकथाम पर भी विचार किया गया। उपराज्यपाल ने कहा कि इंदौर मॉडल को किसी एक एमसीडी जोन में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू करने की संभावनाएं तलाशें। बैठक में सड़क मरम्मत, पीएम-उदय योजना और सड़क सुरक्षा ऑडिट पर भी चर्चा हुई।

एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स का आईपीओ 30 जुलाई से खुलेगा

एजेंसी, नई दिल्ली। हरियाणा स्थित एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 30 जुलाई 2026 को खुलेगा। निवेशक इसमें 3 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने आईपीओ के लिए 400 से 425 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इसमें न्यूनतम 34 शेयरों के लिए आवेदन किया जा सकेगा। कंपनी इस इश्यू से 2,900 मिलियन रुपये जुटाएगी। प्राप्त राशि का उपयोग कार्यशील पूंजी, नए पावर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अनुसंधान और विकास तथा सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों में किया जाएगा। कंपनी के शेयरों की सूचीबद्धता एनएसई और बीएसई पर 6 अगस्त को होने की उम्मीद है।

गुरु रविदास जयंती पर भाजपा का अभियान शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर देशभर में 'समरसता संकल्प अभियान' चलाने की घोषणा की है। यह अभियान 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक आयोजित होगा। भाजपा महासचिव तरुण चुग ने बताया कि इसका उद्देश्य गुरु रविदास के समता, सामाजिक न्याय और सद्भाव के संदेश को लोगों तक पहुंचाना है। अभियान की शुरुआत 'समरसता दीप महोत्सव' से होगी। इसके तहत कलश वंदन अभियान, समरसता यात्रा, संत सम्मेलन, गोष्ठियां और छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

डीयू एसओएल में चार वर्षीय स्नातकों के लिए नया अवसर

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) ने चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थियों के लिए ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग माध्यम से एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। यह व्यवस्था शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू होगी। शुरुआत में वाणिज्य, राजनीति विज्ञान, इतिहास, हिंदी और संस्कृत विषयों में पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसमें केवल चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम पूरा करने वाले पात्र विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे। एसओएल निदेशक प्रो. पायल मागो ने बताया कि नए एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रमों के साथ पुराने दो वर्षीय कार्यक्रम भी जारी रहेंगे।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से गर्मी और उमस से मिली बड़ी राहत

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में सोमवार को हुई बारिश से लोगों को लंबे समय से जारी उमस और गर्मी से राहत मिली। सुबह से आसमान में बादल छाए रहे और बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। नोएडा के सेक्टर-63 सहित आसपास के क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई। बारिश के कारण कई जगहों पर सड़कों पर पानी जमा हो गया, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ इलाकों में जलभराव के चलते यातायात भी प्रभावित हुआ और हल्की जाम की स्थिति देखने को मिली। मौसम में बदलाव से लोगों ने राहत महसूस की। हालांकि, प्रशासन ने जलभराव वाले क्षेत्रों में सतर्कता बरतने की अपील की है। आने वाले दिनों में भी बारिश की संभावना जताई जा रही है।

दिल्ली में राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ, 25 देशों की होगी भागीदारी

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में सोमवार को 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 27 जुलाई से 2 अगस्त तक किया जा रहा है, जिसमें राष्ट्रमंडल के 25 देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, अधिकारियों और आयोजन से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में इस स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन राजधानी के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार खेल सुविधाओं को मजबूत करने और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य

युवाओं और छात्रों को खेलों के प्रति अधिक आकर्षित करना है, ताकि वे अपनी प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित कर सकें। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रमंडल देशों से आए खिलाड़ियों और प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत करते हुए उनके बेहतर प्रदर्शन की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2 अगस्त तक त्यागराज स्टेडियम रोमांचक मुकाबलों का केंद्र बना रहेगा। उन्होंने दिल्लीवासियों से भी अपील की कि वे इस खेल आयोजन का हिस्सा बनें और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएं।

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि मित्रता और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने का जरिया भी हैं।

एएसआई संभालेगा इंडोनेशिया के ऐतिहासिक प्रम्बानन मंदिर के संरक्षण की जिम्मेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) एक बार फिर विदेश में भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इंडोनेशिया यात्रा के दौरान वहां की सरकार ने जावा द्वीप स्थित विश्व प्रसिद्ध प्रम्बानन हिंदू मंदिर परिसर के संरक्षण और पुनर्स्थापन में भारत से सहयोग का अनुरोध किया था। इसके बाद एएसआई ने इस ऐतिहासिक परियोजना की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

जानकारी के अनुसार, जल्द ही एएसआई की तीन सदस्यीय विशेषज्ञ टीम इंडोनेशिया जाएगी। यह टीम मंदिर परिसर का प्रारंभिक सर्वे करेगी और संरक्षण कार्य की जरूरतों का आकलन कर आगे की योजना तैयार करेगी।

प्रम्बानन मंदिर परिसर इंडोनेशिया ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर परिसर माना जाता है। इसका निर्माण लगभग 850 ईस्वी में संजय यानी मातारम राजवंश के शासनकाल में हुआ था। यह मंदिर भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा को समर्पित है। वर्ष 1991 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर सूची में शामिल किया था।

इतिहास के अनुसार, इस विशाल परिसर में मूल रूप से 240 मंदिर थे, लेकिन भूकंप और प्राकृतिक आपदाओं के कारण इनमें से अधिकांश मंदिर नष्ट हो गए। वर्तमान में मुख्य मंदिरों के अलावा कई मंदिरों के पत्थर और स्थापत्य अवशेष सुरक्षित हैं। इन अवशेषों को वैज्ञानिक तकनीक के माध्यम से दोबारा मूल स्वरूप में स्थापित करना एएसआई विशेषज्ञों के लिए बड़ी चुनौती होगी। मंदिर परिसर की शिल्पकला भारतीय संस्कृति और प्राचीन स्थापत्य कला का अनूठा उदाहरण है। यहां पत्थरों पर रामायण और महाभारत के कई प्रसंगों को बेहद बारीकी से उकेरा गया है। संरक्षण विशेषज्ञों को बिखरे हुए पत्थरों की पहचान कर यह तय करना होगा कि कौन सा पत्थर किस स्थान पर लगाया जाना है। यह कार्य पुरातात्विक दृष्टि से बेहद जटिल माना जा रहा है।

भारत इससे पहले भी कई देशों में ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण में तकनीकी सहयोग दे चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रम्बानन मंदिर संरक्षण परियोजना भारत की पुरातात्विक क्षमता और संरक्षण तकनीकों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाएगी। यह परियोजना केवल एक मंदिर के पुनर्स्थापन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि भारत और इंडोनेशिया के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को भी और मजबूत करेगी।

12 साल बाद रेहड़ी-पटरी वालों की कमेटियों के चुनाव, आरक्षित सीटों पर संकट

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में रेहड़ी-पटरी कारोबारियों को आजीविका का अधिकार देने वाले कानून के 12 साल बाद टाउन वेंडिंग कमेटियों (टीवीसी) के चुनाव होने जा रहे हैं। हालांकि, चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद कई समितियों में आरक्षित पदों पर प्रत्याशी नहीं मिलने के कारण कुछ पद रिक्त रहने की संभावना है।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने चुनाव की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। टाउन वेंडिंग कमेटियों के लिए मतदान दो अगस्त को होगा, जबकि चार अगस्त को परिणाम घोषित किए जाएंगे। एमसीडी के अनुसार, राजधानी की 23 टीवीसी के लिए कुल 545 नामांकन प्राप्त हुए हैं।

प्रत्येक टाउन वेंडिंग कमेटी में कुल 30 सदस्य होते हैं। इनमें से 12 सदस्य चुनाव के माध्यम से चुने जाते हैं, जो रेहड़ी-पटरी वालों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहीं, 18 सदस्यों को मनोनीत किया जाता है।

एमसीडी के आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक नामांकन सेंट्रल जोन में आए हैं। यहां 12 पदों के लिए 62 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इसके अलावा सिटी एसपी जोन की टीवीसी-1 में 53 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है। शाहदरा साउथ जोन में 40 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि अन्य जोन में औसतन 23 प्रत्याशी मैदान में हैं।

हालांकि, कई जोन में आरक्षित श्रेणी के पदों के लिए प्रत्याशी नहीं मिल पाए हैं। कुछ स्थानों पर एक पद के लिए केवल एक ही प्रत्याशी होने से उनका निर्विरोध चुना जाना तय माना जा रहा है। वहीं, सामान्य श्रेणी के तीन पदों के लिए सबसे अधिक प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। अनुसूचित जाति श्रेणी के कई पदों पर प्रत्याशी नहीं हैं।

शाहदरा नार्थ जोन की टीवीसी-1, रोहिणी और सिविल लाइंस की टीवीसी में अनुसूचित जाति सामान्य सीट के लिए कोई उम्मीदवार नहीं मिला। इसी तरह अनुसूचित जाति महिला श्रेणी में शाहदरा साउथ जोन की टीवीसी-2 और टीवीसी-3 सहित कई समितियों में प्रत्याशी नहीं हैं।

दिल्ली चिड़ियाघर में पहली बार ट्री वॉक, लोगों ने जानी पेड़ों की अहमियत

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (दिल्ली चिड़ियाघर) ने जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पहली बार 'ट्री वॉक' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस विशेष कार्यक्रम में प्रकृति प्रेमियों, विद्यार्थियों, ट्रेकर्स और स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दिल्ली चिड़ियाघर में 160 प्रकार के पेड़ों की मौजूदगी, संरक्षण पर जोर

इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को पेड़ों की विभिन्न प्रजातियों, उनके महत्व और पर्यावरण संतुलन में उनकी भूमिका से परिचित कराना था। कार्यक्रम का संचालन प्रकृतिविद् और वन्यजीव फोटोग्राफर संजय तिवारी ने किया।

उन्होंने प्रतिभागियों को चिड़ियाघर परिसर में मौजूद अलग-अलग प्रकार के पेड़ों की पहचान कराई। इस दौरान उन्होंने बताया कि पेड़ केवल हरियाली बढ़ाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि शहरी क्षेत्रों में जैव विविधता को बनाए रखने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने प्रतिभागियों को पेड़ों की संरचना, पत्तियों, फूलों और फलों के आधार पर उनकी पहचान करने के आसान तरीके भी बताए।

ट्री वॉक के दौरान विशेषज्ञों ने जैव विविधता संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। प्रतिभागियों को बताया गया कि तेजी से हो रही वनों की कटाई, बढ़ता वायु प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और मिट्टी का क्षरण पर्यावरण के लिए बड़ी चुनौतियां बन चुके हैं। इन कारणों से पक्षियों, तितलियों और अन्य जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में शहरों में मौजूद हरित क्षेत्रों और पेड़ों का संरक्षण बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित विशेष सत्र में बताया गया कि दिल्ली चिड़ियाघर करीब 44 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है, जहां लगभग 160 प्रकार के पेड़ मौजूद हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि यह विविधता इस बात का उदाहरण है कि सही तरीके से विकसित किए गए हरित क्षेत्र बड़े शहरों में भी समृद्ध जैव विविधता को बढ़ावा दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री के आदेश पर जनता के लिए खुला रोजवुड सिटी कम्युनिटी सेंटर

एजेंसी, नई दिल्ली

नया गुरुग्राम सेक्टर-49 स्थित रोजवुड सिटी का वर्षों से बंद पड़ा कम्युनिटी सेंटर अब आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश के बाद महज दो घंटे के भीतर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए सामुदायिक भवन का ताला खुलवाया और निवासियों को इसका उपयोग करने की अनुमति दी।

जानकारी के अनुसार, रोजवुड सिटी सी-ब्लॉक आरडब्ल्यूए की ओर से कम्युनिटी सेंटर बंद होने को लेकर शिकायत जिला लोक शिकायत एवं कष्ट निवारण समिति में दर्ज कराई गई थी। शनिवार को हुई समिति की बैठक में आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने बताया कि भवन का निर्माण सामुदायिक गतिविधियों के लिए किया गया था, लेकिन लंबे समय से इसका इस्तेमाल आम लोगों के लिए नहीं हो रहा था।

शिकायत पर सुनवाई करते हुए समिति के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस उद्देश्य के लिए कम्युनिटी सेंटर बनाया गया है, उसका लाभ स्थानीय निवासियों को मिलना चाहिए।

आदेश मिलते ही टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के वरिष्ठ नगर योजनाकार संजय कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने कम्युनिटी सेंटर का ताला खुलवाकर भवन को लोगों के लिए खोल दिया। इस दौरान एटीपी एन्फोर्समेंट दिव्या दहिया और एटीपी राहुल डाबरा भी मौजूद रहे।

विभाग के अनुसार, सेक्टर-49 और 50 में करीब 115.109 एकड़ क्षेत्र में विकसित रोजवुड सिटी कॉलोनी के लिए टाउन प्लानिंग विभाग ने 24 जुलाई 1995 को लाइसेंस जारी किया था। स्वीकृत ले-आउट प्लान में करीब दो एकड़ भूमि पर कम्युनिटी सेंटर बनाने का प्रावधान किया गया था, ताकि कॉलोनी के लोग सामाजिक और सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित कर सकें।

दिल्ली की शिक्षिका की अनोखी पहल ने जीता दिल

एजेंसी, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के एक प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका की अनोखी पहल सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। शिक्षिका ने कम लागत वाले एक सरल तरीके से बच्चों में आत्मनिर्भरता, जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना विकसित करने का प्रयास किया है। शिक्षिका सुमी सियाम ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर स्कूल के बच्चों का एक वीडियो साझा किया है, जिसका शीर्षक है 'मेरे नन्हे बच्चे, कमान संभाल रहे हैं'। वीडियो में दिखाई देता है कि सुबह शिक्षिका के कक्षा में पहुंचने के बाद बच्चे अंदर आते हैं और अपनी उपस्थिति खुद दर्ज करते हैं।

कक्षा की दीवार पर एक रंगीन बोर्ड लगाया गया है, जिसमें खाली माचिस की डिब्बियां लगाई गई हैं। खास बात यह है कि हर डिब्बी के ऊपर एक बच्चे की तस्वीर लगी हुई है। प्रत्येक माचिस की डिब्बी के अंदर उपस्थित और अनुपस्थित दर्शाने के लिए अलग-अलग अक्षर रखे गए हैं।

संसद मार्च पैलेट गन मामले में जवान की पहचान सीआरपीएफ जांच रिपोर्ट जल्द होगी सार्वजनिक

एजेंसी, नई दिल्ली

परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के विरोध में संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन के इस्तेमाल के मामले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की आंतरिक जांच में अहम जानकारी सामने आई है। जांच टीम ने उस रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवान की पहचान कर ली है, जिसने प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन से फायरिंग की थी।

सीआरपीएफ सूत्रों के अनुसार, जांच में पता चला है कि संबंधित जवान ने कुल सात राउंड फायर किए थे। इनमें से पांच राउंड प्रदर्शनकारियों को लगे, जबकि दो राउंड जमीन पर जाकर लगे। यह पूरा फायरिंग दिल्ली के कनॉट प्लेस क्षेत्र में हुई थी।

जांच टीम अब इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि किन परिस्थितियों में पैलेट गन के इस्तेमाल का निर्णय लिया गया और फायरिंग किन स्थानों पर की गई।

जवान ने प्रदर्शनकारियों पर सात बार की थी फायरिंग

अधिकारियों का कहना है कि पूरी घटना की विस्तृत जांच की जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बल प्रयोग निर्धारित नियमों के अनुसार किया गया था या नहीं।

सीआरपीएफ की आंतरिक जांच टीम मामले से जुड़े सभी पहलुओं की समीक्षा कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, जांच रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर आने की संभावना है। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित जवानों या अधिकारियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

गौरतलब है कि 20 जुलाई को मानसून सत्र के पहले दिन छात्र संगठनों ने परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के विरोध में संसद मार्च निकाला था। प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस दौरान स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया था। प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने आरोप लगाया था कि सुरक्षा बलों ने उन पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने उस समय पैलेट गन के इस्तेमाल से इनकार किया था। बाद में अस्पताल रिपोर्ट में एक घायल व्यक्ति के शरीर पर पैलेट से हुए घावों की पुष्टि हुई थी।

अंकित शर्मा हत्या मामले में दोषियों की सजा पर 31 जुलाई को होगा फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली

वर्ष 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान खुफिया ब्यूरो (आईबी) कर्मी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए आरोपितों की सजा पर सोमवार को कड़कड़डूमा कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब 31 जुलाई को दोषियों की सजा का एलान किया जाएगा।

सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक ने अदालत के सामने दोषियों के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग रखी। उन्होंने कहा कि मामले में पीड़ित पक्ष की स्थिति को ध्यान में रखा जाना चाहिए। अभियोजन पक्ष ने बताया कि अंकित शर्मा के शरीर पर 51 चोटों के निशान पाए गए थे और उन पर बेहद क्रूर तरीके से हमला किया गया था।

विशेष लोक अभियोजक ने दलील दी कि हत्या की योजना पहले से बनाई गई थी और यह एक सुनियोजित तथा निर्मम अपराध था। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से अंकित शर्मा की हत्या की गई, वह 'रेयरेस्ट ऑफ द रेयर' श्रेणी में आता है और ऐसे मामले में अधिकतम सजा दी जानी चाहिए।

अभियोजन पक्ष की ओर से कहा गया कि दोषियों के खिलाफ उपलब्ध साक्ष्य और घटना की गंभीरता को देखते हुए किसी प्रकार की नरमी बरतने का कोई आधार नहीं बनता है। विशेष लोक अभियोजक मधुकर पांडे ने अदालत को बताया कि दोषियों ने अपनी सामाजिक और आर्थिक स्थिति को लेकर जो हलफनामे दाखिल किए हैं, उनमें भी सजा कम करने का पर्याप्त कारण नहीं है।

गौरतलब है कि अंकित शर्मा की हत्या वर्ष 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान हुई थी। इस मामले में अदालत ने आरोपितों को दोषी ठहराया था। अब अदालत को यह तय करना है कि दोषियों को कितनी सजा दी जाए।

सोमवार को सुनवाई के बाद अदालत ने सभी पक्षों की दलीलों को रिकॉर्ड में लेते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया। अब 31 जुलाई को होने वाली सुनवाई में दोषियों की सजा पर अंतिम निर्णय सुनाया जाएगा। इस फैसले पर पीड़ित परिवार और मामले से जुड़े लोगों की नजरें टिकी हुई हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से सराय काले खां पर बढ़ेगा जाम संकट

सराय काले खां जंक्शन पर बढ़ते यातायात को लेकर प्रशासन सतर्क, पुलिस ने सुझाए जाम नियंत्रण उपाय

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली का सबसे व्यस्त ट्रैफिक जंक्शन सराय काले खां आने वाले समय में और अधिक यातायात दबाव का सामना कर सकता है। अधिकारियों को आशंका है कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद इस क्षेत्र में वाहनों की संख्या बढ़ जाएगी, जिससे जाम और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है।

फिलहाल सराय काले खां पर रिंग रोड, डीएनडी फ्लाईवे और बारापुला एलिवेटेड रोड का ट्रैफिक एक ही स्थान पर आकर जुड़ता है। शाम के समय यह इलाका पहले से ही भारी जाम की समस्या से जूझ रहा है। एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद यहां एक और बड़ा हाई-स्पीड ट्रैफिक कॉरिडोर जुड़ जाएगा, जिससे मौजूदा व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा।

अधिकारियों के अनुसार, शाम करीब छह बजे तक रिंग रोड पर लगभग दो किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है। वहीं, बारापुला पुल पर भी वाहन कई बार आधे

किलोमीटर से अधिक दूरी तक धीमी गति से चलते दिखाई देते हैं। सनडायल पार्क के फुटओवर ब्रिज से देखने पर वाहनों की लंबी कतारें नजर आती हैं।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद इसकी पांच लेन का ट्रैफिक सराय काले खां क्षेत्र में पहुंचेगा। इसके बाद यह यातायात रिंग रोड, आश्रम फ्लाईओवर और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी की ओर विभाजित होगा। ऐसे में पहले से व्यस्त इस जंक्शन पर क्षमता से अधिक वाहनों का दबाव पड़ सकता है।

ट्रैफिक पुलिस ने जाम के कई प्रमुख कारण बताए हैं। इनमें रिंग रोड, डीएनडी और बारापुला का एक स्थान पर मिलना, रिंग रोड का सीमित लेन में होना, अंतरराज्यीय बसों का सड़क पर रुकना, सीएनजी स्टेशन पर लगने वाली लंबी कतारें, हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन और मेट्रो स्टेशन से आने वाले यात्रियों की भीड़ शामिल हैं।

इसके अलावा ई-रिक्शा, ऑटो और टैक्सियों की अव्यवस्थित पार्किंग, सड़क किनारे अतिक्रमण और पैदल यात्रियों के सड़क पार करने से भी यातायात प्रभावित होता है।

ट्रैफिक पुलिस ने समस्या के समाधान के लिए कई सुझाव दिए हैं। इनमें एक्सप्रेसवे जंक्शन का रोड सेफ्टी ऑडिट, रिंग रोड को चौड़ा करने की संभावना, अतिक्रमण हटाना, बसों को मुख्य सड़क के बजाय आईएसबीटी का इस्तेमाल करने के निर्देश देना, पीक ऑवर में सीएनजी स्टेशन संचालन नियंत्रित करना और पैदल यात्रियों के लिए नए फुटओवर ब्रिज बनाना शामिल है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल सड़कें चौड़ी करने या नए फ्लाईओवर बनाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था, बस संचालन, पैदल यात्री सुविधाओं और बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन पर भी ध्यान देना होगा। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद सराय काले खां में जाम की समस्या और गंभीर हो सकती है।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्रों की जीत किसी दल को न मिले श्रेय : उमर अब्दुल्ला

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर बोले उमर अब्दुल्ला, राजनीति नहीं युवाओं का सम्मान जरूरी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह फैसला बहुत पहले लिया जाना चाहिए था। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस इस्तीफे का सबसे बड़ा श्रेय उन लाखों छात्रों को जाता है जिन्होंने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) से जुड़े विवादों के खिलाफ लंबे समय तक शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों ने न्याय, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग को लगातार मजबूती से उठाया और अंतत: उनकी आवाज सुनी गई।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल या नेता को इस घटनाक्रम का श्रेय लेने का प्रयास नहीं करना चाहिए। उनके अनुसार यह पूरी तरह छात्रों के संघर्ष, धैर्य और लोकतांत्रिक आंदोलन की सफलता है। उन्होंने कहा कि यदि युवा वर्ग अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से और तथ्यों के आधार पर उठाता है तो लोकतंत्र में उसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश है।

> **सरकारों** को ऐसे मामलों में समय रहते निर्णय लेने चाहिए ताकि छात्रों का भविष्य अनिश्चितता में न रहे। शिक्षा व्यवस्था से जुड़े किसी भी विवाद का सबसे अधिक प्रभाव विद्यार्थियों पर पड़ता है और इसलिए पारदर्शिता तथा विश्वास बनाए रखना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। -उमर अब्दुल्ला

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारों को ऐसे मामलों में समय रहते निर्णय लेने चाहिए ताकि छात्रों का भविष्य अनिश्चितता में न रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े किसी भी विवाद का सबसे अधिक प्रभाव विद्यार्थियों पर पड़ता है और इसलिए पारदर्शिता तथा विश्वास बनाए रखना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उनका मानना है कि यदि समय पर उचित कदम उठाए जाते तो यह मामला इतना लंबा नहीं खिंचता।

उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर की कानून व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि केवल हिरासत में लेकर या कठोर प्रशासनिक कदम उठाकर आतंकवाद जैसी चुनौती का स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सकता। उनका कहना था कि सुरक्षा उपायों के साथ-साथ जनता का विश्वास जीतना, युवाओं को अवसर उपलब्ध कराना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शांति और स्थिरता तभी संभव है जब विकास, संवाद और न्याय को समान महत्व दिया जाए। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सबसे महत्वपूर्ण होती है और नीट आंदोलन ने यह साबित किया है कि संगठित, शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से उठाई गई मांगें अंतत: परिणाम देती हैं।

सीएम सख्त

मुख्यमंत्री ने दोहराया कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सबसे महत्वपूर्ण होती है और नीट आंदोलन ने यह साबित किया है कि संगठित, शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से उठाई गई मांगें अंततः परिणाम देती हैं। उन्होंने छात्रों से भी अपील की कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और हमेशा लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीकों से अपनी बात रखें। उनके अनुसार यह घटनाक्रम देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने वाला है और इससे भविष्य में जवाबदेही की संस्कृति को भी बल मिलेगा। उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर की कानून व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी राय रखी।

आईबी और एलओसी पर पाकिस्तानी ड्रोन की संदिग्ध गतिविधि के बाद हाई अलर्ट

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सांबा और राजौरी जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के निकट पाकिस्तानी ड्रोन की संदिग्ध गतिविधि देखे जाने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार रविवार देर रात अग्रिम चौकियों पर तैनात जवानों ने आसमान में संदिग्ध ड्रोन की गतिविधि देखी, जिसके बाद सोमवार सुबह से दोनों जिलों के सीमावर्ती इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया। सेना, सीमा सुरक्षा बल और जम्मू-कश्मीर पुलिस संयुक्त रूप से जंगलों, खेतों और संवेदनशील क्षेत्रों की गहन तलाशी ले रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि ड्रोन के माध्यम से हथियार, गोला-बारूद या नशीले पदार्थों की खेप गिराने की कोशिश की गई हो सकती है। फिलहाल किसी संदिग्ध सामग्री की बरामदगी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

लंदन से आए पर्यटकों ने उड़ी को बताया यादगार पर्यटन स्थल

कश्मीर का नया पर्यटन केंद्र बन रहा उड़ी, शांत वादियां जीत रही देश-विदेश के सैलानियों का दिल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर में अब पर्यटन का दायरा गुलमर्ग, पहलगाम और श्रीनगर जैसे लोकप्रिय स्थलों से आगे बढ़ रहा है। उत्तरी कश्मीर का सीमावर्ती क्षेत्र उड़ी अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और ग्रामीण जीवन की झलक के कारण पर्यटकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यहां के अनछुए नजारे और स्थानीय संस्कृति लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं।

पहाड़ों, हरियाली और शांत माहौल से घिरे उड़ी में अब पर्यटक प्रकृति के करीब समय बिताने के लिए पहुंच रहे हैं। यहां ग्रामीण पर्यटन, नेचर वॉक, ट्रेकिंग और स्थानीय जीवन को समझने के अवसर मिल रहे हैं। पर्यटक कश्मीर की पारंपरिक जीवनशैली, गांवों की संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव कर रहे हैं।

बेंगलुरु की निवासी रोहिणी, जो वर्तमान में लंदन में रह रही हैं, ने उड़ी में चार दिन बिताए। उन्होंने अपनी यात्रा के अनुभव को इंटरनेट मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि उड़ी की खूबसूरती, स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी और शांत वातावरण ने उनकी यात्रा को यादगार बना दिया। उन्होंने इसे अपने जीवन के बेहतरीन सफर में से एक बताया।

उड़ी में बढ़ती पर्यटकों की रुचि से स्थानीय लोगों को भी रोजगार के नए अवसर मिलने की उम्मीद है। होमस्टे, स्थानीय हस्तशिल्प, गाइड सेवाओं और ग्रामीण पर्यटन से जुड़े लोगों को इसका लाभ मिल सकता है। प्रशासन भी इस क्षेत्र को पर्यटन मानचित्र पर मजबूत स्थान दिलाने के लिए प्रयास कर रहा है।

गुलमर्ग और पहलगाम जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की भीड़ से अलग उड़ी पर्यटकों को शांत और प्राकृतिक अनुभव प्रदान करता है। यहां आने वाले लोग पहाड़ों की सुंदरता, गांवों की सादगी और स्थानीय संस्कृति से जुड़ने का अवसर पा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि उड़ी जैसे कम प्रसिद्ध क्षेत्रों को बढ़ावा देने से कश्मीर में पर्यटन का विस्तार होगा और दूरदराज के इलाकों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

स्थानीय संस्कृति से सैलानियों को मिल रहा अनोखा अनुभव

बेंगलुरु की निवासी रोहिणी, जो वर्तमान में लंदन में रह रही हैं, ने उड़ी में चार दिन बिताए। उन्होंने अपनी यात्रा के अनुभव को इंटरनेट मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि उड़ी की खूबसूरती, स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी और शांत वातावरण ने उनकी यात्रा को यादगार बना दिया। उन्होंने इसे अपने जीवन के बेहतरीन सफर में से एक बताया। उड़ी में बढ़ती पर्यटकों की रुचि से स्थानीय लोगों को भी रोजगार के नए अवसर मिलने की उम्मीद है। होमस्टे, स्थानीय हस्तशिल्प, गाइड सेवाओं और ग्रामीण पर्यटन से जुड़े लोगों को इसका लाभ मिल सकता है। प्रशासन भी इस क्षेत्र को पर्यटन मानचित्र पर मजबूत स्थान दिलाने के लिए प्रयास कर रहा है।

अमरनाथ यात्रा के बीसवें जत्थे में 3823 श्रद्धालु बालटाल रवाना

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू स्थित भगवती नगर आधार शिविर से सोमवार तड़के अमरनाथ यात्रा के 20वें जत्थे के रूप में 3,823 श्रद्धालु कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बालटाल के लिए रवाना हुए। पवित्र अमरनाथ गुफा की वार्षिक यात्रा लगातार सुचारु रूप से जारी है और देशभर से श्रद्धालुओं का उत्साह बना हुआ है। अधिकारियों के अनुसार यह जत्था सुबह 2:47 बजे 140 वाहनों के काफिले के साथ रवाना हुआ। काफिले में 82 बसें, 20 मध्यम श्रेणी के वाहन तथा 38 हल्के मोटर वाहन शामिल थे। इस जत्थे में 2,882 पुरुष, 838 महिला श्रद्धालु, दो बच्चे, 84 साधु और 17 साध्वियां शामिल हैं। श्रद्धालुओं के काफिले को जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग से सुरक्षित रवाना किया गया। मार्ग के संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए थे, जबकि यातायात अधिकारियों ने काफिले की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रबंध किए।

श्रीनगर पुलिस ने एनडीपीएस के तहत ड्रग तस्करी से जुड़ी 5.60 करोड़ की संपत्ति की ज़ब्त

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। घाटी में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ़ अब तक की सबसे बड़ी वित्तीय कार्रवाई में से एक में श्रीनगर पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट 1985 के प्रावधानों के तहत लगभग 5.60 करोड़ की अचल संपत्ति ज़ब्त की है।

इससे शहर में सक्रिय कथित ड्रग तस्करों के वित्तीय नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ के तहत 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' के हिस्से के रूप में की गई। इस अभियान का मकसद अवैध ड्रग व्यापार से कमाई गई संपत्ति को निशाना बनाकर नशीले पदार्थों के सिंडिकेट की वित्तीय कमर तोड़ना है।

न्यूज ब्रीफ

अखनूर के सादिक शर्मा की संदिग्ध मौत पर परिवार ने निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। अखनूर निवासी सादिक उर्फ शाइन शर्मा की खरड़ में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर परिवार ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। परिजनों का कहना है कि यह केवल सड़क दुर्घटना नहीं बल्कि साजिश भी हो सकती है। न्याय की मांग को लेकर अखनूर में कैंडल मार्च निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। परिवार ने मामले की हर पहलू से उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।

जम्मू के छन्नी में निर्माणाधीन मकान की टंकी में मिला कूड़ा बीनने वाले का शव, 4 दिन से था लापता

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। शहर के छन्नी हिम्मत में रविवार को एक निर्माणाधीन मकान की अधूरी पानी की टंकी से कूड़ा बीनने वाले का शव मिला है। दुर्गंध आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। छन्नी हिम्मत थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

शिवसेना का बढ़ता जनाधार, दर्जनों लोगों ने थामा पार्टी का दामन

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) जम्मू-कश्मीर इकाई द्वारा आज पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के जन्मदिवस के अवसर पर जम्मू स्थित प्रदेश कार्यालय में सदस्यता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी की उपस्थिति में दर्जनों युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने पार्टी की नीतियों, विचारधारा एवं जनहित के संघर्षों से प्रभावित होकर शिवसेना (यूबीटी) की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने नव-शामिल सदस्यों की कलाई पर शिव बंधन' बांधकर तथा पार्टी का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह केवल सदस्यता अभियान नहीं बल्कि जम्मू के अधिकारों, सम्मान और बेहतर भविष्य के लिए चल रहे जनसंघर्ष से जुड़ने का संकल्प है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में कैब पलटी, नौ लोग घायल

भारतेंदु संवाददाता, किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ ज़िले के दचन इलाके में एक कैब के पलटने से कम से कम नौ लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह दचन इलाके में ड्राइवर का गाड़ी पर से नियंत्रण खो जाने के कारण गाड़ी पलट गई। उन्होंने कहा कि नौ यात्री घायल हो गए और उन्हें तुरंत इलाज के लिए ज़िला अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने आगे बताया कि घायलों की हालत स्थिर है और पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है।

जीएमसी कर्मचारियों की हड़ताल, वेतन कटौती का विरोध

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) बक्शी नगर अस्पताल में सोमवार को कर्मचारियों ने ढाई दिन के वेतन की कटौती के विरोध में एक दिवसीय हड़ताल कर प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने वेतन कटौती को पूरी तरह अनुचित और अन्यायपूर्ण बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि कटौती के कारणों को स्पष्ट किया जाए तथा कर्मचारियों का बकाया वेतन शीघ्र जारी किया जाए।

गर्मी की छुट्टियों के बाद जम्मू-कश्मीर में फिर खुले स्कूल, बच्चों के चेहरों पर लौटी रौनक

विद्यार्थियों के स्वागत से फिर गुलजार हुए जम्मू-कश्मीर के विद्यालय

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। गर्मी की लंबी छुट्टियों के बाद सोमवार को जम्मू-कश्मीर के सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में एक बार फिर चहल-पहल लौट आई। कई दिनों से शांत पड़े विद्यालय परिसर विद्यार्थियों की आवाजाही, हंसी-खुशी और उत्साह से गुलजार हो गए। पहले ही दिन बच्चों में अपने दोस्तों और शिक्षकों से मिलने का खास उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने पहुंचे और विद्यालयों के बाहर रौनक दिखाई दी। छोटे बच्चों के चेहरों पर छुट्टियों के बाद स्कूल लौटने की खुशी साफ झलक रही थी, जबकि बड़े विद्यार्थियों ने भी नए सत्र की शुरुआत पूरे उत्साह के साथ की।

स्कूलों ने विद्यार्थियों के स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की थीं। कई विद्यालयों में बच्चों का तिलक लगाकर, पुष्प भेंट कर और स्वागत संदेशों के साथ अभिनंदन किया गया। कुछ स्कूलों में रंग-बिरंगी सजावट की गई, जिससे बच्चों का उत्साह और बढ़ गया। प्रार्थना सभा के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए नियमित अध्ययन, अनुशासन और सुरक्षित वातावरण में शिक्षा ग्रहण करने का संदेश दिया। साथ ही छुट्टियों के दौरान बिताए गए समय के अनुभव साझा करने के लिए भी बच्चों को प्रोत्साहित किया गया।

विद्यालय प्रशासन ने बताया कि पहले दिन अधिकांश स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति संतोषजनक रही। कक्षाओं में पढ़ाई का कार्य भी सामान्य रूप से शुरू कर दिया गया।

जम्मू-कश्मीर : होटल में मृत पाए गए कांग्रेस नेता फारूक खान, पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने आए थे राजौरी

पोस्टमार्टम रिपोर्ट और सीसीटीवी से खुलेगा मौत का राज।

भारतेंदु संवाददाता, राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी शहर में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व सैनिक फारूक खान एक होटल के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। वह पार्टी के एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राजौरी आए थे और बस अड्डे के निकट स्थित एक होटल में ठहरे हुए थे। रविवार सुबह उनकी मौत की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज राजौरी भेज दिया।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए होटल प्रबंधन, कर्मचारियों तथा मृतक के संपर्क में रहे लोगों से पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटना से पहले और बाद में कमरे में कौन आया था और घटनाक्रम कैसे घटित हुआ।

अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है।

पुलिस हर पहलू से कर रही जांच

फारूक खान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते थे और पूर्व सैनिक होने के कारण समाज में उनकी अलग पहचान थी। उनकी अचानक हुई मौत की खबर फैलते ही राजनीतिक और सामाजिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके शुभचिंतकों ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मामले से जुड़े सभी तथ्यों को सार्वजनिक किया जाएगा।

जेएंडके में भारी बारिश से हालात चिंताजनक ऊधमपुर में 10 दिनों में 560 मिमी से अधिक वर्षा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर जिले में पिछले 10 दिनों से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है। जिले में इस अवधि के दौरान 560 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी बारिश जारी रहने की संभावना जताई है, जिससे प्रशासन और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है।

ऊधमपुर में कई मार्ग अब भी बंद

हालांकि शनिवार दोपहर के बाद मौसम साफ हुआ और रविवार को धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिली। इसके बावजूद मौसम विभाग ने 26 से 31 जुलाई तक कई क्षेत्रों में बारिश और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। जम्मू संभाग के कुछ जिलों में कम समय में तेज बारिश होने की आशंका भी जताई गई है।

लगातार बारिश के कारण ऊधमपुर जिले में कई समस्याएं सामने आई हैं। भारी वर्षा के चलते कई जगहों पर भूस्खलन हुआ, जिससे संपर्क मार्ग बंद हो गए। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग भी बारिश और मलबे के कारण प्रभावित रहा। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली और पेयजल आपूर्ति पर भी असर पड़ा है। प्रशासन और संबंधित विभाग अब राहत और बहाली कार्यों में जुटे हुए हैं। सड़कों से मलबा हटाने, यातायात बहाल करने और आवश्यक सेवाओं को सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

'मन की बात' में गूंजी कश्मीर की पारंपरिक वगू चटाई कला

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कश्मीर की सदियों पुरानी पारंपरिक कला वगू चटाई का जिक्र करते हुए इस कला से जुड़े कारीगरों की सराहना की। प्रधानमंत्री के इस उल्लेख से कश्मीर के कारीगरों में उत्साह बढ़ा है और इस पारंपरिक कला को नई पहचान मिलने की उम्मीद जगी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब किसी व्यक्ति के पास हुनर और कुछ नया करने का जज्बा होता है, तो मुश्किल रास्ते भी आसान हो जाते हैं। उन्होंने कश्मीर के उन कारीगरों का उदाहरण दिया, जो अपनी मेहनत और लगन से वगू चटाई जैसी पुरानी कला को फिर से जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं।

◆कश्मीर की वगू चटाई पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया गौरव

वगू चटाई कश्मीर की पारंपरिक हस्तकला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे मुख्य रूप से सरकंडों और धान के पुआल से तैयार किया जाता है। यह चटाई न केवल उपयोगी होती है, बल्कि कश्मीर की सांस्कृतिक विरासत और ग्रामीण जीवन की पहचान भी मानी जाती है। इस कला को बनाने की परंपरा कई वर्षों पुरानी है और पीढ़ी-दर-पीढ़ी कारीगर इसे आगे बढ़ाते आए हैं।

प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से श्रीनगर के कारीगर गुलाम हुसैन और उनकी बेटी तंजीला के प्रयासों की प्रशंसा की, जिन्होंने वगू चटाई की परंपरा को दो दौरान प्रधानमंत्री के संदेश को जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर लोगों ने सुना। भाजपा के विभिन्न कार्यक्रमों में वरिष्ठ नेताओं, सांसदों और विधायकों ने कार्यकर्ताओं और आम लोगों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा स्थानीय कला और कारीगरों को प्रोत्साहन देना आत्मनिर्भर भारत और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्णबारा जीवंत करने का काम किया है।

यशपाल सिंह की संदिग्ध मौत पर बढ़ीं सीबीआई जांच की मांग

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन श्रीनगर डिपो के चीफ मैनेजर यशपाल सिंह की संदिग्ध मौत का मामला लगातार चर्चा में है। परिवार ने उनकी मौत को आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। परिजनों का कहना है कि घटना के पीछे कई सवाल हैं, जिनका जवाब मिलना जरूरी है।

◆परिवार बोला, यशपाल सिंह की मौत की निष्पक्ष जांच हो अब

यशपाल सिंह का शव 18 जुलाई को कंपनी के गेस्ट हाउस में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। परिवार के अनुसार, वह कुछ समय पहले श्रीनगर डिपो में स्थानांतरित होकर गए थे और वहीं कंपनी के गेस्ट हाउस में रह रहे थे। यशपाल की पत्नी प्रेमलता, बेटी शशि, पुत्र आरुष और बड़े भाई सेवानिवृत्त कर्नल कुलदीप सिंह ने आरोप लगाया कि मामले की जांच में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। उन्होंने गेस्ट हाउस के सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं होने पर भी सवाल उठाए हैं। परिवार का कहना है कि यशपाल ने कंपनी की तबादला नीति के तहत कुछ सुरक्षा गार्डों के स्थानांतरण किए थे। इसके बाद उन्होंने पत्नी से बातचीत में अपनी चिंता जाहिर की थी। 17 जुलाई को उन्होंने पत्नी से वीडियो कॉल पर बात की थी और जल्द घर लौटने की इच्छा जताई थी, क्योंकि बेटी के कॉलेज दाखिले से जुड़ा काम पूरा करना था।

बयानबाजी जंतर-मंतर से उठी बयानबाजी की गूंज कश्मीर तक, महबूबा मुफ्ती के बयान पर विपक्ष ने खोला मोर्चा

महबूबा मुफ्ती के बयान के बाद जम्मू-कश्मीर में फिर तेज हुई राजनीतिक बहस

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती एक बार फिर अपने बयान को लेकर राजनीतिक विवादों के केंद्र में आ गई हैं। नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर दिए गए उनके बयान ने जम्मू-कश्मीर की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। उनके बयान के बाद प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी राजनीतिक दलों ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं। विपक्षी दलों ने उनके रुख को विरोधाभासी बताते हुए उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और अपने बयान पर स्पष्टीकरण देने की मांग की है।

महबूबा मुफ्ती।

सुरक्षा अभियानों पर महबूबा मुफ्ती की टिप्पणी से बढ़ा विवाद

महबूबा मुफ्ती ने अपने संबोधन के दौरान कश्मीर में अतीत में सुरक्षा बलों द्वारा किए गए बल प्रयोग का बचाव किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर की परिस्थितियां देश के अन्य हिस्सों से अलग थीं क्योंकि वहां लंबे समय तक आतंकवाद और उग्रवाद की चुनौती का सामना करना पड़ा।

कई आरोप लगे

उनके अनुसार उस समय सुरक्षा एजेंसियों को कठिन हालात में काम करना पड़ा और कई फैसले परिस्थितियों की मजबूरी के तहत लिए गए। उन्होंने हाल के छात्र और युवा आंदोलनों की तुलना कश्मीर में हुए प्रदर्शनों से करते हुए कहा कि दोनों परिस्थितियों को एक नजरिए से नहीं देखा जा सकता। उनके इस बयान के सामने आते ही विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। नेशनल कॉन्फ्रेंस सहित कई राजनीतिक दलों ने आरोप लगाया कि महबूबा मुफ्ती अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग मानदंड अपनाती हैं।

विपक्षी दलों का हमला हुआ तेज

विपक्ष का कहना है कि जब देश के अन्य हिस्सों में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई होती है तो वह उसका विरोध करती हैं, लेकिन कश्मीर में हुई कार्रवाई को उचित ठहराने की कोशिश करती हैं। नेताओं ने इसे राजनीतिक सुविधा के अनुसार बदलता हुआ रुख बताते हुए उनकी आलोचना की। विवाद के बीच महबूबा मुफ्ती के वर्ष 2016 के कुछ पुराने बयानों का भी उल्लेख किया जाने लगा है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि उस समय दिए गए उनके बयान और वर्तमान टिप्पणी के बीच स्पष्ट विरोधाभास दिखाई देता है।

नई राजनीतिक बहस हुई शुरू

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों के अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान हर परिस्थिति में समान रूप से होना चाहिए। उनका कहना है कि किसी भी प्रकार के बल प्रयोग पर टिप्पणी करते समय राजनीतिक दलों को संतुलित और जिम्मेदार भाषा का प्रयोग करना चाहिए। पार्टी नेताओं ने महबूबा मुफ्ती से अपने बयान पर पुनर्विचार करने और जनता के सामने स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। दूसरी ओर पीडीपी के कुछ नेताओं और समर्थकों ने महबूबा मुफ्ती का बचाव किया है। उनका कहना है कि उनके बयान को संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

उपमुख्यमंत्री ने माता ब्रजेश्वरी मंदिर में नवाया शीश

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने अपने कांगड़ा दौरे के दौरान सोमवार को विश्व प्रसिद्ध माता ब्रजेश्वरी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करते हुए राज्य के निरंतर विकास और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की। मंदिर परिसर में पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उप मुख्यमंत्री का स्वागत किया और उन्हें विधि-विधान से पूजा-अर्चना करवाई। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में माथा टेककर प्रदेश में अमन, शांति और समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना के उपरांत उप मुख्यमंत्री मंदिर परिसर स्थित पवन कुमार की चाय की दुकान पर भी रुके। इस दौरान उन्होंने पवन कुमार से मुलाकात की, उनका तथा उनके परिवार का हालचाल जाना और कुछ समय तक उनसे बातचीत की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विनय कुमार, विधायक धर्मपुर चंद्रशेखर, विधायक नालागढ़ हरदीप बाबा, पूर्व मुख्य संसदीय सचिव सुरेंद्र काकू, पूर्व विधायक अजय महाजन, हिमाचल पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष अजय वर्मा, सहित अन्य पार्टी नेता और अधिकारी उपस्थित रहे।

टावर की तार चोरी मामले में दूसरे आरोपी काबू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस ने थाना सदर में दर्ज टावर की तार चोरी मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस जांच के दौरान आरोपी नवनीत कुमार उर्फ पम्मी (27) पुत्र शलोकम चंद, निवासी गांव पराहू, डाकघर बलघाड़, तहसील झंडूता, जिला बिलासपुर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में इससे पहले एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच टीम चोरी की वारदात से जुड़े अन्य तथ्यों और संभावित संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की भी गहन पड़ताल कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे भी आवश्यक कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

'अपना घर' वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को मिल रहा स्नेह

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। देवली-घागस के समीप अधिवक्ता प्रकाश चंद बंसल द्वारा संचालित 'अपना घर' वृद्धाश्रम उपेक्षित व बेसहारा बुजुर्गों के लिए सहारा बनकर उभरा है। यहां परिवारों से उपेक्षा झेल चुके बुजुर्ग सम्मान, स्नेह व अपनत्व के साथ जीवन व्यतीत कर रहे हैं। फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के जिला प्रधान कश्मीर सिंह ठाकुर ने वृद्धाश्रम का दौरा कर वहां रह रहे बुजुर्गों का हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि आश्रम में बुजुर्गों को परिवार जैसा वातावरण मिल रहा है और यहां आकर उन्हें आत्मिक शांति का अनुभव हुआ। आश्रम में वर्तमान में 28 बुजुर्ग रह रहे हैं, जबकि इसकी क्षमता 25 लोगों की है। संचालक पीसी बंसल ने बताया कि बढ़ती जरूरत को देखते हुए अन्य जिलों में भी ऐसे आश्रम खोलने की योजना है। उन्होंने कहा कि सरकारी आर्थिक सहायता नहीं मिलने के बावजूद संस्था समाज के सहयोग से सेवा कार्य निरंतर जारी रखे हुए है। इस अवसर पर कश्मीर सिंह ठाकुर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।

31 ग्राम चिट्टे के साथ दो कथित नशा तस्कर काबू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए डियारा सेक्टर के दो कथित नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। स्पेशल डिटेक्शन टीम (एसडीटी) ने कैचीमोड़ फोरलेन के पास नाकाबंदी के दौरान किरतपुर की ओर से आ रही एचआरटीसी बस की तलाशी ली। जांच के दौरान दो युवकों के कब्जे से 31 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरुण कुमार (32) और अविनाश कुमार उर्फ कन्नू (32), दोनों निवासी वार्ड नंबर-8, डियारा सेक्टर, बिलासपुर के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना स्वारघाट में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी बिलासपुर क्षेत्र में नशीले पदार्थ की सप्लाई करने की फिराक में थे। पुलिस के अनुसार अविनाश कुमार के खिलाफ पहले से तीन मामले दर्ज हैं। पुलिस अब नशे की खेप के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क व अन्य संभावित आरोपियों की पहचान के लिए जांच आगे बढ़ा रही है।

नंधन क्लस्टर में शुरू किया अमरूद का पौधरोपण

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। उद्यान विभाग की महत्वाकांक्षी एचपीशिवा परियोजना के तहत नंधन में विकसित किए जा रहे क्लस्टर में सोमवार से अमरूद का पौधरोपण शुरू किया गया। एसडीएम शशिपाल ने इस पौधरोपण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर क्षेत्र के किसानों और बागवानों को बधाई देते हुए एसडीएम ने कहा कि एचपीशिवा परियोजना प्रदेश सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसका मकसद प्रदेश के कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फल उत्पादन को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत फलों की खेती के लिए जमीन तैयार करने से लेकर सिंचाई सुविधा की व्यवस्था करना, पौधारोपण, बागीचों की बाड़बंदी, फलों के विपणन और प्रसंस्करण तक के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। किसानों और बागवानों को इस परियोजना का लाभ उठाना चाहिए। एसडीएम ने बागवानों से पौधों की नियमित देखभाल करने तथा विभाग की ओर से उपलब्ध कराई जा रही आधुनिक तकनीकों का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उद्यान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नंधन के क्लस्टर में लगभग 5 हेक्टेयर भूमि पर अमरूद की विभिन्न किस्मों के पौधे लगाने के लिए लगभग 5000 गड्ढे बनाए जा रहे हैं। पौधारोपण के शुभारंभ अवसर पर विभाग के एसएमएस डॉ. अमित कुमार, उद्यान विकास अधिकारी, डॉ. ज्योति देवी और डॉ. विपन कुमार, उद्यान प्रसार अधिकारी ज्योति शर्मा, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी तथा नंधन क्लस्टर के बागवान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

औहर ग्राम सभा में विकास कार्यों की जांच को लेकर हंगामा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। ग्राम पंचायत औहर में आयोजित ग्राम सभा के दौरान पूर्व पंचायत कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की जांच के मुद्दे को लेकर विवाद हो गया। चर्चा के दौरान दोनों पक्षों में तीखी बहस हुई, जो बाद में धक्का-मुक्की और हाथापाई में बदल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम सभा में पंचायत प्रधान देशराज शर्मा विकास कार्यों पर चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान पूर्व पंचायत कार्यकाल के कार्यों की जांच का मुद्दा उठा, जिस पर पूर्व प्रधान ने आपत्ति जताई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद बढ़ने पर पूर्व प्रधान ने प्रधान के हाथ से माइक लेने का प्रयास किया। इसके बाद दोनों पक्षों में धक्का-मुक्की हुई। पंचायत प्रधान की पत्नी के साथ भी हाथापाई का आरोप लगाया गया है। पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करवाया।

डॉ. वीरू राम को टिकट देने की उठाई मांग

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में पूर्व विधायक डॉ. वीरू राम किशोर ने गेहड़वीं जोन में जनसभा आयोजित कर अपनी राजनीतिक सक्रियता दिखाई। नरसिंह मंदिर ठाकुरद्वारा में आयोजित जनसभा में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत बडोल की पूर्व प्रधान कैप्टन बलदेव शर्मा और ग्राम पंचायत बैरीमियां की पूर्व प्रधान मधु चंदेल ने की। कार्यकर्ताओं ने डॉ. वीरू राम किशोर का गर्मजोशी से स्वागत किया। जनसभा में महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि झंडूता विधानसभा क्षेत्र में डॉ. वीरू राम किशोर को संगठन के कार्यकर्ताओं का व्यापक समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कांग्रेस हाईकमान से आगामी विधानसभा चुनाव में उन्हें प्रत्याशी बनाए जाने की मांग उठाई। समर्थकों ने कहा कि टिकट मिलने पर वे पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, कुछ कार्यकर्ताओं ने टिकट नहीं मिलने की स्थिति में निर्दलीय चुनाव लड़ाने पर भी विचार करने की बात कही।

हिमाचल में चार दिन बारिश का ऑरेंज अलर्ट

मानसून का कहर जारी, 135 सड़कें बंद; मंडी-कुल्लू सबसे ज्यादा प्रभावित

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून एक बार फिर तांडव मचा सकता है। भारत मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 28 से 31 जुलाई तक प्रदेश के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने चार दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

विभाग ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, नदी-नालों और खड्डों के किनारे नहीं जाने तथा भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। सोमवार को भी प्रदेश के कई इलाकों में बादल छाए रहे और कई स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई। विभाग के अनुसार एक और दो अगस्त को भी अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार 28 जुलाई को मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट रहेगा। 29 जुलाई को ऊना, कांगड़ा और सिरमौर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 30 जुलाई को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा और कांगड़ा जिलों में भी भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। 31 जुलाई तक कई क्षेत्रों में तेज बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना जताई गई है। विभाग ने कहा है कि लगातार बारिश के दौरान भूस्खलन, अचानक बाढ़ और सड़कें बंद होने जैसी स्थितियां बन सकती हैं। लोगों को मौसम और यातायात की जानकारी लेकर ही यात्रा करने की सलाह दी गई है। रविवार शाम से देर रात तक शिमला शहर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक बारिश हुई। कई जगह पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आईं, हालांकि किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। उधर, चंबा जिले में साहू-चंबा सड़क पर रविवार रात एक बाइक अनियंत्रित होकर साल नदी में गिर गई।

हादसे में एक युवक को गंभीर हालत में नदी से बाहर निकाल लिया गया, जबकि दूसरा युवक लापता है। पुलिस और बचाव दल उसकी तलाश में जुटे हैं। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 106.4 मिलीमीटर बारिश सोलन जिले के कंडाघाट में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा बिलासपुर के काहू में 40.2, कुल्लू के कोठी में 39.2, शिमला जिले के सराहन में 34.5, मंडी के जोगिंद्रनगर में 31.0, सिरमौर के जट्टन बैराज में 24.4, शिमला में 16.8 और कुफरी में 15.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। शिमला में इस दौरान गरज के साथ बिजली चमकने की घटना भी दर्ज हुई।

लगातार बारिश का असर जनजीवन पर भी दिखाई दे रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में भूस्खलन और बारिश के कारण 135 सड़कें बंद हैं। इनमें सबसे अधिक 54 सड़कें मंडी जिले में, 43 कुल्लू में और आठ चंबा जिले में बंद हैं। इसके अलावा 44 बिजली ट्रांसफार्मर और 38 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं। इस वर्ष प्रदेश में मानसून ने 30 जून को दस्तक दी थी। तब से अब तक भूस्खलन और फ्लैश फ्लड से 15 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें लाहौल-स्पीति में 13, चंबा में एक और कांगड़ा में एक व्यक्ति की मौत हुई है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों को संवेदनशील मानते हुए लोगों से प्रशासन की ओर से जारी सलाह का पालन करने की अपील की है।

निर्वाचन व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए प्रशिक्षण और मतदाता सूची सुधार पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त अनिल कुमार खाची ने बचत भवन बिलासपुर में जिला प्रशासन के साथ पंचायतीराज संस्थाओं और शहरी निकायों के हाल ही में संपन्न चुनावों को लेकर समीक्षा बैठक की।

बैठक में चुनाव प्रक्रिया के दौरान किए गए कार्यों की समीक्षा की गई और भविष्य में निर्वाचन व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के लिए अधिकारियों से सुझाव लिए गए। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सफल चुनाव संपन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन सहित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव बेहद संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण होते हैं, जहां कई बार हार-जीत का अंतर बहुत कम रहता है। ऐसे में प्रशासन ने बेहतर समन्वय और कुशल कार्यप्रणाली का परिचय देते हुए चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने कहा कि चुनावी तैयारियों को मजबूत बनाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों का नियमित प्रशिक्षण जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिए कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होने से पहले प्रशिक्षण, संसाधनों की उपलब्धता और अन्य आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं।

अनिल ने मतदाता सूचियों के सुदृढ़ीकरण और शुद्धिकरण को निर्वाचन प्रक्रिया की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता सूची के अद्यतन, त्रुटि सुधार और नए पात्र मतदाताओं के पंजीकरण के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएं। डीसी ने राज्य निर्वाचन आयुक्त का स्वागत करते हुए हाल में संपन्न चुनावों की जानकारी दी। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त रूपिंदर कौर, एसडीएम, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, नगर निकायों के अधिकारी और ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

नशा तस्करी से खरीदी गई 17 लाख की संपत्ति जब्त

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशा तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 17 लाख रुपए मूल्य की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई पुलिस थाना रोहड़ू में दर्ज एक मामले की वित्तीय जांच के आधार पर की गई।

पुलिस के अनुसार जांच में सामने आया कि मामले के एक आरोपी ने नशा तस्करी से कमाई गई अवैध रकम से एक लग्जरी वाहन खरीदा था। मामले में बरामद नकदी भी नशा तस्करी से अर्जित आय पाई गई। इसके बाद एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ के तहत लग्जरी वाहन और नकद राशि को फ्रीज कर जब्त करने के आदेश जारी किए गए हैं। पुलिस के अनुसार 2 फरवरी 2026 को रोहड़ू थाना क्षेत्र में महेंदली पुल के पास पंजाब निवासी जशनदीप सिंह और धर्मप्रीत सिंह के कब्जे से उनकी टैक्सी में 83 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। इस दौरान पुलिस ने टैक्सी को भी जब्त कर लिया था। मामले में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 21, 25, 29, 27ए और भारतीय न्याय संहिता की धारा 238 के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने मामले के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की पड़ताल की और अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ चालान संबंधित अदालत में पेश किया जा चुका है। आगे की वित्तीय जांच में यह स्थापित हुआ कि पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी शुभम दरकाल निवासी चिड़गांव ने नशा तस्करी से अर्जित अवैध आय से एक लग्जरी वाहन खरीदा था। साथ ही मामले में बरामद नकदी भी अवैध कमाई का हिस्सा पाई गई। पुलिस के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक वित्तीय जांच के आधार पर जिला शिमला में सात मामलों में 25 आरोपियों की कुल 4.29 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं। पुलिस का दावा है कि इस वर्ष हिमाचल प्रदेश में किसी भी जिला पुलिस द्वारा की गई यह सबसे बड़ी संपत्ति जब्ती की कार्रवाई है।

पुलिस ने यह भी बताया कि वर्ष 2024 और 2025 में जिला शिमला में वित्तीय जांच के आधार पर अवैध संपत्तियों की कोई जब्ती नहीं हुई थी। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ केवल गिरफ्तारी ही नहीं की जाएगी, बल्कि अपराध से अर्जित अवैध संपत्तियों की पहचान कर उन्हें भी कानून के अनुसार जब्त किया जाएगा, जिससे नशा तस्करी के आर्थिक नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

चलती ट्रेन में मासूम बच्चे को छोड़कर महिला फरार, जीआरपी ने सुरक्षित आश्रय गृह पहुंचाया

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट रेलवे स्टेशन व भरोली रेलवे स्टेशन के बीच मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है।

एक अज्ञात महिला कथित रूप से अपने करीब डेढ़ से दो वर्ष के मासूम बच्चे को चलती ट्रेन में लावारिस छोड़कर फरार हो गई। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर ट्रेन में सफर कर रही एक महिला यात्री ने उसे संभाला और जीआरपी को सूचना दी। जानकारी के अनुसार, वेरका से पठानकोट आ रही पैसेंजर ट्रेन में एक महिला अपने बच्चे के साथ सफर कर रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, भरोली रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन रुकने के दौरान महिला बच्चे को सीट पर छोड़कर उतर गई और सामने से आ रही दूसरी ट्रेन में सवार होकर फरार हो गई। ट्रेन के आगे बढ़ने के बाद बच्चे के लगातार रोने पर सहयात्री चंपा देवी निवासी सुंदर चक्क, मैरा कॉलोनी, थाना सुजानपुर ने उसे संभाला और पठानकोट पहुंचकर जीआरपी के सुपुर्द कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी ने तुरंत जिला बाल संरक्षण इकाई को सूचित किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बच्चे को 'मेरा परिवार अनाथ आश्रम', सीताराम मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी, पठानकोट के सुपुर्द कर दिया गया है, जहां उसकी देखभाल की जा रही है।

जीआरपी थाना पठानकोट में डीडीआर नंबर 34 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अशोक कुमार ने बताया कि बच्चे की पहचान और उसके परिजनों का पता लगाने के लिए भरोली रेलवे स्टेशन, पठानकोट जंक्शन और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस रेलवे नेटवर्क और अन्य एजेंसियों की मदद से महिला की तलाश में जुटी है।

श्रद्धालुओं से भरी बस शाहतलाई में दुर्घटनाग्रस्त दो की मौत, सात घायल

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। अमृतसर से बाबा बालकनाथ मंदिर दियोटसिद्ध व शाहतलाई दर्शन के लिए आई श्रद्धालुओं से भरी एक निजी बस रविवार को बिलासपुर जिले के शतलाई क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में 35 यात्री सवार थे। हादसे में दो श्रद्धालुओं की उपचार के दौरान बरसर अस्पताल में मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हुए हैं। डीसी राहुल कुमार ने बताया कि तीन घायलों की हालत गंभीर है। इनमें एक को पीजीआई चंडीगढ़ तथा दो को मेडिकल कॉलेज हमीरपुर रेफर किया गया है। चार अन्य घायलों का उपचार बरसर अस्पताल में चल रहा है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। उपायुक्त ने बताया कि सभी घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है तथा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

स्वस्थ कर्मचारी ही बेहतर कार्य संस्कृति की पहचान : डॉ . शिखा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। आयकर दिवस के अवसर पर मुख्य आयकर आयुक्त, शिमला कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 'स्वस्थ जीवनशैली एवं कार्य-जीवन संतुलन' विषय पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करना था। संगोष्ठी में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. शिखा शर्मा (एम.डी.) ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल तथा व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक दक्षता, सकारात्मक सोच और ऊर्जा के साथ कर सकते हैं, जिससे संस्थान की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और दैनिक जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे। डॉ. शर्मा ने सभी प्रश्नों के व्यावहारिक और उपयोगी सुझावों के साथ उत्तर दिए तथा दैनिक दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव अपनाकर बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने के उपाय बताए। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को आयकर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र निर्माण में आयकर विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने जनसेवा में उत्कृष्टता, पारदर्शिता और जनहित के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता दोहराई।

सावन के दूसरे सोमवार पर प्रेस क्लब मंडी ने लगाया खीर भंडारा

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सावन माह के दूसरे सोमवार के अवसर पर प्रेस क्लब मंडी द्वारा जिला लोक संपर्क अधिकारी कार्यालय परिसर के समीप खीर भंडारे का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया गया। भंडारे में उपायुक्त अपूर्व देवगन ने विशेष रूप से सहभागिता निभाई और श्रद्धालुओं को अपने हाथों से प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर डीसी ने भगवान शिव से प्रदेश और जिला मंडी में सुख-शांति तथा वर्षा ऋतु के दौरान किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा से सुरक्षा की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं। उन्होंने प्रेस क्लब मंडी के सदस्यों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रेस क्लब मंडी के प्रधान सुभाष ठाकुर सहित कई पत्रकार और सदस्य मौजूद रहे।

स्कूटर वाला भ्रष्टाचार अब सूटकेस में समा गया हिमाचल में भ्रष्टाचार का नया मॉडल : हर्ष महाजन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा के राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन ने संसद भवन स्थित केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय में उनसे शिष्टाचार भेंट की।

इस दौरान हिमाचल प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा हुई। हर्ष महाजन ने प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान उत्पन्न हालात, वित्तीय कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार, विकास कार्यों में आई रुकावट तथा आपदा प्रबंधन की स्थिति से केंद्रीय गृह मंत्री को विस्तार से अवगत कराया। हर्ष महाजन ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने के बाद से वित्तीय अनुशासन पूरी तरह समाप्त हो गया है। सरकार ने बिना किसी दूरदृष्टि के प्रदेश को भारी कर्ज के बोझ तले धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अब तक 1.10 लाख करोड़ से अधिक का ऋण ले चुकी है, लेकिन इसके बावजूद प्रदेश में विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं। सड़कों, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य आधारभूत ढांचों से जुड़े कार्यों की गति रुक गई है, जबकि जनता को किसी नई विकास योजना का लाभ नहीं मिल रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री कार्यालय भ्रष्टाचार का केंद्र बन चुका है। प्रदेश में सामने आने वाले अधिकांश भ्रष्टाचार के मामलों के तार सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़ते दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के अपने ही नेता वर्तमान सरकार को 'सूटकेस वाली सरकार' कहकर संबोधित कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार केवल विपक्ष का आरोप नहीं, बल्कि कांग्रेस के भीतर भी सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर असंतोष व्याप्त है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि 'एक समय था जब कांग्रेस राज में भ्रष्टाचार स्कूटर पर चलता था, लेकिन अब वही भ्रष्टाचार सूटकेस में चलता है।' हर्ष महाजन ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में आपदा प्रबंधन के मामले में भी कांग्रेस सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। सरकार के पास न कोई पूर्व तैयारी है और न ही कोई ठोस कार्ययोजना। हर आपदा के बाद कांग्रेस सरकार केवल केंद्र सरकार पर दोषारोपण कर अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने समय-समय पर हिमाचल प्रदेश को उदारतापूर्वक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई, लेकिन प्रदेश सरकार उस राशि का भी प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग करने में असफल रही।

सहायता कामगार कल्याण बोर्ड की योजनाएं बदल रहीं श्रमिक परिवारों की तस्वीर

शिक्षा, विवाह व चिकित्सा सहायता से बदल रही श्रमिकों की जिंदगी

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश भवन व अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं श्रमिकों और उनके परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। शिक्षा, विवाह और चिकित्सा सहायता जैसी योजनाओं के माध्यम से हजारों निर्माण श्रमिक परिवारों को आर्थिक संबल मिलने के साथ उनके बच्चों के बेहतर भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त हो रहा है।

जिला बिलासपुर में इन योजनाओं का लाभ उठाने वाले अनेक परिवार आज आर्थिक रूप से सशक्त बन रहे हैं। घुमारवीं तहसील की ग्राम पंचायत फटोह के गांव रोपा निवासी 56 वर्षीय रवि दत्त, जो पिछले 25 वर्षों से पेंटर एवं मजदूरी का कार्य कर रहे हैं, बताते हैं कि करीब 10-12 वर्ष पहले उन्होंने कामगार कल्याण बोर्ड में पंजीकरण कराया। इसके बाद उन्हें समय-समय पर विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला। उनके बच्चों को स्कूली शिक्षा के दौरान छात्रवृत्ति मिली। उनकी एक बेटी ने एमएससी पूरी की, जिसके विवाह के लिए बोर्ड से 60 हजार रुपए की सहायता मिली। दूसरी बेटी वर्तमान में डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कॉलेज, हमीरपुर में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है, जिसके लिए इस वर्ष 1.20 लाख रुपए की शिक्षा सहायता प्रदान की गई। वहीं उनका बेटा बीएससी पूरी कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी प्रकार घुमारवीं के वार्ड नंबर-3 निवासी 56 वर्षीय कृष्ण चंद, जो पिछले 35 से 40 वर्षों से पेंट का कार्य कर रहे हैं, वह भी बोर्ड की योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने वर्ष 2013 में बोर्ड में पंजीकरण कराया। उनके बच्चों को स्कूली शिक्षा के दौरान छात्रवृत्ति मिलती रही व उन्होंने बीकॉम, पॉलिटेक्निक तथा बीबीए जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त की। कृष्ण चंद को बेटी के विवाह के लिए 51 हजार रुपए तथा बेटे की छात्रवृत्ति के रूप में 11 हजार रुपए की सहायता मिली। इसके अलावा चिकित्सा सहायता योजना से भी उन्हें उपचार संबंधी खर्च में राहत मिली है। डीसी बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि जिले में कामगार कल्याण बोर्ड की विवाह सहायता योजना के तहत 968 लाभार्थियों को लगभग पांच करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं। वहीं शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 503 लाभार्थियों को करीब 1.48 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से श्रमिक परिवारों के बच्चों की पढ़ाई आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित नहीं हो रही और उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि प्रदेश सरकार निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि जिला बिलासपुर में कामगार कल्याण बोर्ड के तहत लगभग 50 हजार निर्माण श्रमिक पंजीकृत हैं, जो सरकार की कल्याणकारी नीतियों पर बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी श्रमिकों और उनके परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए ऐसी योजनाएं प्रभावी ढंग से संचालित की जाती रहेंगी।

बिलासपुर कॉलेज में एनसीसी नेवी विंग चयन प्रक्रिया, प्रथम वर्ष के छात्रों ने दिखाया जोश

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर में 1 एचपी नेवी यूनिट एनसीसी के तत्वावधान में नए कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भर्ती में केवल प्रथम वर्ष के स्टूडेंट्स को भाग लेने का अवसर मिला। लगभग 200 विद्यार्थियों और 45 एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे इस वर्ष चयन प्रक्रिया बेहद प्रतिस्पर्धी रही। कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित जागरूकता सत्र में 1 एचपी नेवी यूनिट के कमान अधिकारी कमांडर सज्जन कुमार ने एनसीसी के महत्व, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन व देश सेवा के अवसरों पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने भारतीय सेना के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विचार व्यक्त किए। वहीं, एनसीसी अधिकारी प्रोफेसर श्रवण कुमार ने वर्षभर आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण शिविरों और कैडेट्स की उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान भारतीय नौसेना के इतिहास, कार्यप्रणाली व साहसिक अभियानों पर आधारित विशेष वीडियो प्रदर्शित की गई। साथ ही, पिछले वर्ष आयोजित सेलिंग अभियान की झलकियां भी दिखाई गईं, जिनमें बोट पुलिंग, समुद्री प्रशिक्षण व कठिन अभ्यासों ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। जागरूकता सत्र के बाद कॉलेज के खेल मैदान में भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई। नेवी यूनिट के पीआई स्टाफ व महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारियों की निगरानी में चयन पूरी पारदर्शिता व अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। अभ्यर्थियों की पहले दौड़ करवाई गई, इसके बाद पुश-अप्स सहित अन्य शारीरिक दक्षता परीक्षण लिए गए। शारीरिक परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा आयोजित की गई तथा अंत में व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से अंतिम चयन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी प्रोफेसर सुरेश जम्वाल सहित नेवी यूनिट का पीआई स्टाफ भी उपस्थित रहा।

हेडडी क्लम का खूबसूरत अंदाज

जर्मन। हेइडी क्लम जर्मन-अमेरिकी एथलीट, अभिनेत्री हैं। उन्होंने खेल की दुनिया में बड़ी पहचान बनाई और कई अंतरराष्ट्रीय फैशन अभियानों का हिस्सा रहीं। वह टीवी शो, अभिनय और अपनी रचनात्मक परियोजनाओं के लिए भी प्रसिद्ध हैं।

हांगझोउ विश्व कप में ईशा सिंह ने जीता स्वर्ण, मनु का कांस्य कमाल

महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भारत ने हासिल किए दो पदक

एजेंसी, हांगझोउ (चीन)

भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह और मनु भाकर ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भारत को डबल पोडियम दिलाया। ईशा ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने कांस्य पदक जीतकर भारत की सफलता में चार चांद लगा दिए।

फाइनल में ईशा सिंह ने बेहतरीन निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 40 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं, मनु भाकर ने बेहद कड़े मुकाबले में शूट-ऑफ जीतकर अंतिम चरण में जगह बनाई और 28 हिट्स के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। मनु भाकर ने 586-20× के शानदार स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि ईशा सिंह 585-18× के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। दोनों खिलाड़ियों ने आसानी से आठ निशानेबाजों के फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। पूर्व एशियाई खेल स्वर्ण पदक विजेता राही सरनोबत ने 582-16× का स्कोर बनाया।

वहीं, रैंकिंग प्वाइंट्स ओनली (आरपीओ) श्रेणी में खेल रहीं सिमरनप्रीत कौर बराड़ ने 576-20× और अभिद्न्या अशोक पाटिल ने 573-16× का स्कोर किया। स्वर्ण पदक जीतने के बाद ईशा सिंह ने कहा कि म्यूनिख विश्व कप में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीतने के बाद इस प्रतियोगिता में मानसिक दबाव काफी अधिक था, लेकिन वह उस चुनौती से पार पाने में सफल रहीं। उन्होंने कहा कि हांगझोउ उनके लिए हमेशा खास रहा है, क्योंकि एशियाई खेलों में उन्होंने यहां चार पदक जीते थे और इस रेंज से परिचित होने का उन्हें फायदा मिला। मनु भाकर ने कहा कि यह कांस्य पदक उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि उनकी तैयारी सही दिशा में आगे बढ़ रही है। इस प्रतियोगिता का अनुभव आगामी विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में उनके लिए काफी उपयोगी साबित होगा।

गौरतलब है कि 21 वर्षीय ईशा सिंह ने इसी वर्ष म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप में फाइनल में 43 हिट्स के साथ सीनियर व जूनियर दोनों वर्गों का विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता था। वहीं, मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक 2024 में दो पदक जीतकर इतिहास रचा था और वह स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी थीं, जिन्होंने एक ही ओलंपिक में दो पदक अपने नाम किए। अब हांगझोउ विश्व कप में भी दोनों भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन कर भारत के पदक अभियान को और मजबूती प्रदान की।

राष्ट्रमंडल खेल: पाक के मुक्केबाज को हराकर जदुमणि सिंह क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी, ग्लासगो

भारत के मुक्केबाज मंडेंगबाम जदुमणि सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पुरुषों के 55 किलोग्राम भार वर्ग के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है। रविवार को खेले गए प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने पाकिस्तान के रहमान सुमामा को एकतरफा अंदाज में 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया।

जदुमणि ने मुकाबले के तीनों राउंड में आक्रामक और संतुलित खेल का प्रदर्शन किया। उनकी सटीक पंचिंग, बेहतरीन फुटवर्क और मजबूत रक्षात्मक रणनीति के सामने पाकिस्तानी मुक्केबाज प्रभाव नहीं छोड़ सके। पांचों निर्णायकों ने भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें विजेता घोषित किया। आधिकारिक स्कोरकार्ड के अनुसार, तीन निर्णायकों ने मुकाबला 30-27, जबकि दो अन्य निर्णायकों ने 29-28 के अंतर से जदुमणि सिंह के पक्ष में अंकित किया। इससे पूरे मुकाबले में भारतीय मुक्केबाज की स्पष्ट बढ़त और नियंत्रण का पता चलता है।

इससे पहले, प्रथम दौर (राउंड ऑफ-32) में भी जदुमणि ने स्कॉटलैंड के कुलन को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। ग्लासगो में यह उनकी लगातार दूसरी एकतरफा जीत है। अब जदुमणि सिंह 28 जुलाई को होने वाले क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जाम्बिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले प्री-क्वार्टरफाइनल विजेता से भिड़ेंगे। इस मुकाबले में जीत उन्हें सेमीफाइनल और कम से कम एक पदक की दहलीज तक पहुंचा सकती है।

स्पोर्ट्स विंडो

अय्यर ने लक्ष्मण को दिया जीत का श्रेय, बोले- आपने हमें किया प्रेरित

एजेंसी, हरारे। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप कर शानदार प्रदर्शन किया। तीसरे और अंतिम मुकाबले में 35 रन की जीत के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर और अंतरिम मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने टीम की सफलता का श्रेय एक-दूसरे के नेतृत्व और खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास को दिया। बीसीसीआई द्वारा जारी ड्रेसिंग रूम वीडियो में वीवीएस लक्ष्मण ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड दौरे की निराशा के बाद भी अय्यर पूरे आत्मविश्वास के साथ टीम से जुड़े और पहले मैच से ही जीत को लेकर आश्वस्त थे। लक्ष्मण ने कहा कि युवा खिलाड़ियों से सजी टीम को प्रेरित करने और सकारात्मक माहौल बनाने में कप्तान की अहम भूमिका रही। वहीं, श्रेयस अय्यर ने अंतरिम मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण का आभार जताते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन ने टीम का मनोबल लगातार ऊंचा रखा। अय्यर ने कहा कि कुछ कैच छूटने को छोड़ दें तो पूरी श्रृंखला में टीम का प्रदर्शन लगभग बेदाग रहा। उन्होंने सहयोगी स्टाफ और सभी खिलाड़ियों के योगदान की भी सराहना की। भारतीय टीम की इस दमदार जीत ने युवा खिलाड़ियों के आत्मविश्वास और टीम के मजबूत सामूहिक प्रदर्शन को भी उजागर किया।

राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो का पहला स्वर्ण जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे टोकस

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय जूडो खिलाड़ी हर्ष टोकस आगामी ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के लिए जूडो का पहला स्वर्ण पदक जीतने के इरादे से उतरेंगे। 23 वर्षीय टोकस पुरुषों के 81 किलोग्राम वर्ग में चुनौती पेश करेंगे। बचपन से ही लड़ाकू खेलों के प्रति आकर्षित रहे टोकस ने महज 10 वर्ष की उम्र में दिल्ली के मुनीरका स्थित एक जूडो अकादमी से प्रशिक्षण शुरू किया था। उनका कहना है कि प्रतिस्पर्धा और खुद को लगातार चुनौती देने की भावना ने उन्हें इस खेल में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार हिस्सा ले रहे टोकस ने कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करना है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन-चार महीनों में उन्होंने कड़ी मेहनत और बेहतर तैयारी की है, इसलिए उन्हें किसी तरह का दबाव महसूस नहीं हो रहा। टोकस का मानना है कि अच्छी तैयारी आत्मविश्वास बढ़ाती है और यही सफलता की कुंजी है। टोकस ने यह भी बताया कि वह जॉर्जिया के दो बार के ओलंपिक चैंपियन लाशा बेकौरी से बेहद प्रेरित हैं। जॉर्जिया में अभ्यास के दौरान उनसे मुलाकात उनके करियर का यादगार अनुभव रही। उन्होंने बेकौरी से अपनी तकनीक सुधारने के लिए सुझाव भी लिए। अब टोकस का पूरा ध्यान राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन कर भारत को ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाने पर है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज: चयन से पहले फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार

एजेंसी, मुंबई। श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज़ के लिए भारतीय टीम के चयन से पहले राष्ट्रीय चयन समिति बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। चयन समिति की बैठक अगले 10 से 36 घंटों के भीतर होने की संभावना है, जिसमें कई प्रमुख खिलाड़ियों की फिटनेस और उपलब्धता पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, वॉशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी, आकाश दीप और अंशुल कंबोज की फिटनेस रिपोर्ट चयन प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाएगी। इनमें सुंदर और आकाश दीप के चयन की संभावनाओं पर विशेष नजर रहेगी, जबकि हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी का टीम में शामिल होना फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है। दूसरी ओर, हार्दिक पांड्या और वरुण चक्रवर्ती भी सीओई में मौजूद हैं, लेकिन वे केवल सीमित ओवरों के क्रिकेट का हिस्सा होने के कारण श्रीलंका टेस्ट दौरे की चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं हैं। चयनकर्ता फिटनेस रिपोर्ट मिलने के बाद टीम संयोजन को अंतिम रूप देंगे। उम्मीद है कि संतुलित और पूरी तरह फिट टीम के साथ भारत श्रीलंका दौरे पर मजबूत प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगा। चयन समिति का अंतिम फैसला खिलाड़ियों की मेडिकल और फिटनेस स्थिति पर निर्भर करेगा।

कोयंबटूर में आज होगा जूनियर पुरुष हॉकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आगाज

एजेंसी, नई दिल्ली। तमिलनाडु के कोयंबटूर में 28 जुलाई से 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 का शुभारंभ होगा। 12 दिनों तक चलने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में देशभर की 30 जूनियर पुरुष टीमें राष्ट्रीय खिताब जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रतियोगिता का समापन 8 अगस्त को होगा, जब डिवीजन 'ए' का फाइनल खेला जाएगा और नए राष्ट्रीय चैंपियन का फैसला होगा। इस वर्ष प्रतियोगिता को डिवीजन 'ए', 'बी' और 'सी' में विभाजित किया गया है। डिवीजन 'ए' में 12 टीमों को चार पूलों में रखा गया है, जहां प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। क्वार्टर फाइनल 5 अगस्त, सेमीफाइनल 6 अगस्त और फाइनल 8 अगस्त को आयोजित होगा। वहीं, अंतिम दो टीमें अगले सत्र के लिए डिवीजन 'बी' में रेलीगेट होंगी। डिवीजन 'बी' की शीर्ष दो टीमों को डिवीजन 'ए' में पदोन्नति मिलेगी, जबकि अंतिम दो टीमें डिवीजन 'सी' में चली जाएंगी। डिवीजन 'सी' की टीमें भी अगले स्तर पर पहुंचने के लिए संघर्ष करेंगी।

पाक ने वेस्टइंडीज को 311 पर रोकने के बाद 3 विकेट पर बनाए 199 रन

पहले टेस्ट में पाकिस्तान की मजबूत वापसी

एजेंसी, तारौबा

पाकिस्तान ने पहले टेस्ट के दूसरे दिन शानदार वापसी करते हुए वेस्टइंडीज को पहली पारी में 311 रन पर समेट दिया। इसके जवाब में दिन का खेल समाप्त होने तक पाकिस्तान ने तीन विकेट पर 199 रन बना लिए। इमाम-उल-हक और कप्तान शान मसूद के अर्धशतकों की बदौलत मेहमान टीम अब भी पहली पारी के आधार पर 112 रन पीछे है, लेकिन उसने मुकाबले में मजबूत स्थिति बना ली है।

दूसरे दिन वेस्टइंडीज ने तीन विकेट पर 194 रन से आगे खेलना शुरू किया। कावेम हॉज 84 रन बनाकर खुर्रम शहजाद का शिकार बने, जबकि शाई होप ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक पूरा किया। हालांकि उन्हें जीवनदान भी मिला, लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके और 92 रन पर मोहम्मद अली की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेज भी ज्यादा देर नहीं टिक सके। निचले क्रम में शमर जोसेफ ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए एक छक्का और चार चौके लगाए, लेकिन लंच के बाद मोहम्मद अली ने उन्हें भी पवेलियन भेज दिया। अली ने जेडन सील्स को बोल्ड कर वेस्टइंडीज की पारी 311 रन पर समेट दी। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद अली ने चार, जबकि खुर्रम शहजाद ने अहम विकेट हासिल किए।

जवाब में पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और ओपनर अजान ओवैस बिना खाता खोले केमार रोच का शिकार बने। इसके बाद इमाम-उल-हक व शान मसूद ने जिम्मेदारी संभालते हुए दूसरे विकेट के लिए अहम साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने सकारात्मक अंदाज में रन बनाए व टीम को संभाला। मसूद ने सिर्फ 46 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जबकि इमाम ने भी संयमित बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक जमाया। दिन का खेल समाप्त होने तक पाकिस्तान 199/3 के स्कोर पर पहुंच चुका था व अब वह पहली पारी की बढ़त हासिल करने के करीब है।

दिल्ली में राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप शुरू

25 देशों के खिलाड़ी ले रहे हिस्सा, 2 अगस्त तक रोमांचक मुकाबलों की साक्षी बनेगी दिल्ली

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में सोमवार को 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद शामिल हुए। 27 जुलाई से दो अगस्त तक चलने वाली इस चैंपियनशिप में राष्ट्रमंडल के 25 देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि देश की राजधानी में आयोजित यह चैंपियनशिप दिल्ली के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक है और इसकी मेजबानी करना दिल्ली सरकार के लिए गर्व की बात है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों, कोचों, अधिकारियों और आयोजन से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता की सफलता की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार खेल अवसंरचना को लगातार मजबूत कर रही है और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही ऐसा वातावरण तैयार किया जा रहा है, जिससे युवा और छात्र खेल गतिविधियों में अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित हों। उन्होंने राष्ट्रमंडल के 25 देशों से आए खिलाड़ियों, कोचों और प्रतिनिधिमंडलों का दिल्ली में हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें, यादगार पल रचें और दिल्ली की आत्मीयता की सुखद यादें अपने साथ लेकर जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो अगस्त तक त्यागराज स्टेडियम रोमांचक मुकाबलों का गवाह बनेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली वैश्विक खेल केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से भी इस खेल महोत्सव का हिस्सा बनने और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि खेल, मित्रता और उत्कृष्ट प्रदर्शन की भावना से जुड़े राष्ट्रमंडल के 25 देशों के खिलाड़ियों की मेजबानी करना दिल्ली के लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि हजारों किलोमीटर की यात्रा कर भारत पहुंचे सभी खिलाड़ियों का दिल से स्वागत है।

देवसंस्कृति विवि में भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा का अद्भुत समन्वय: गडकरी

एजेंसी, हरिद्वार

देवसंस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज में सोमवार को 46वां ज्ञान दीक्षा संस्कार समारोह उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। समारोह में बिहार, गुजरात, उत्तराखंड, उप्र, मप्र, छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों व देशों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि भारतीय ऋषि परंपरा में शिक्षा को श्रेष्ठता के जागरण का मार्ग माना गया है। आत्म उन्नति, चरित्र निर्माण और लोकमंगल की भावना का विकास ही शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि देवसंस्कृति विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा का अद्भुत समन्वय है। यहां योग, यज्ञ, साधना, भारतीय जीवन शैली, पर्यावरण संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को जागृत करने का सतत प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ज्ञानार्जन के साथ उच्च जीवन-दृष्टि अपनाकर हम स्वयं के साथ देश को भी प्रगति के पथ पर ले जा सकते हैं। देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि ज्ञान दीक्षा हमें स्मरण कराती है कि जीवन में कुछ अच्छा,बड़ा और सार्थक करने के लिए दृढ़ संकल्प ही पर्याप्त है। ऐसे में युवाओं को अपनी आंतरिक शक्तियों को पहचानकर उनका सकारात्मक विकास करना चाहिए। यह समय ज्योति से ज्वाला बनकर राष्ट्र और समाज के नव निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का है।

शांतिकुंज प्रमुख व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.प्रणव पण्ड्या ने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ ज्ञान दीक्षा प्रदान की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों,सेवा-भावना एवं भारतीय संस्कृति के आदर्शों का बोध कराया गया। कार्यक्रम के दौरान शांतिकुंज उप डाकघर की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय डाक विभाग ने विशेष पिक्टोरियल स्टैम्प जारी किया। स्टैम्प में शांतिकुंज संस्थापक पं.श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा की पावन समाधि स्थल का चित्र अंकित है।

संगरूर भाजपा कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमला, जांच के लिए एसआईटी गठित

एजेंसी, चंडीगढ़। पंजाब के संगरूर स्थित भाजपा कार्यालय पर देर रात पेट्रोल बम से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में कार्यालय की दीवार का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद पुलिस ने जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है और भाजपा कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

◆ सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस, कार्यालय की बढ़ाई सुरक्षा

पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार और सोमवार की दरमियानी रात करीब ढाई से तीन बजे के बीच हुई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अज्ञात हमलावरों ने कांच की बोतल में पेट्रोल भरकर उसे कार्यालय परिसर की ओर फेंका। बोतल इमारत के दो हिस्सों के बीच जाकर गिरी, जहां आग लगने के निशान भी मिले हैं। संगरूर के एसपी देवेंद्र अत्री ने बताया कि सूचना मिलने के बाद डीएसपी दलबीर सिंह और थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने कहा कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। सीसीटीवी फुटेज की जांच कर हमलावरों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा नेता रणदीप देओल ने बताया कि कार्यालय के केयरटेकर ने सुबह आग लगने की सूचना दी थी, जिसके बाद प्रदेश नेतृत्व और पुलिस को जानकारी दी गई।

यूपीटी20 ने उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए खोले बड़े अवसर: राजीव शुक्ला

एजेंसी, लखनऊ

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने यूपीटी20 लीग और यूपीसीए स्पीड हंट पहल की जमकर सराहना करते हुए कहा कि इस टूर्नामेंट ने उत्तर प्रदेश के युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का बड़ा मंच दिया है। उन्होंने कहा कि स्पीड हंट के जरिए राज्यभर से तेज गेंदबाजों की पहचान की गई है, जिनमें इस बार 134 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करने वाले 38 तेज गेंदबाज यूपीटी20 लीग की नीलामी तक पहुंचे।

यूपीटी20 लीग का चौथा सत्र 14 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें उद्घाटन मुकाबला काशी रुद्रास और मेरठ मावेरिक्स के बीच खेला जाएगा। राजीव शुक्ला ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की ओर से सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि यूपीटी20 लीग के पिछले तीन सत्रों का प्रभाव अब साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश के 18 खिलाड़ियों ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हिस्सा लिया और इनमें से कई खिलाड़ियों को यूपीटी20 लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद पहचान मिली। उन्होंने कहा कि आईपीएल फ्रेंचाइजी के स्काउट्स इस लीग पर लगातार नजर रखते हैं, जिससे यह युवा खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का महत्वपूर्ण मंच बन गया है।

उन्होंने यूपीसीए स्पीड हंट की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पहल ने प्रदेश के कोने-कोने से प्रतिभाशाली तेज गेंदबाजों को सामने लाने का काम किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अपने अनकैप्ड खिलाड़ियों में कम से कम एक खिलाड़ी स्पीड हंट से शामिल करना चाहिए। भविष्य में लीग के विस्तार पर राजीव शुक्ला ने कहा कि फिलहाल छह टीमों वाली लीग सफलतापूर्वक स्थिर हो चुकी है। यदि भविष्य में संचालन परिषद (गवर्निंग काउंसिल) टीमों की संख्या बढ़ाने की सिफारिश करती है, तो एपेक्स काउंसिल इस पर गंभीरता से विचार करेगी। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता पहले एक मजबूत और टिकाऊ लीग तैयार करने की रही है।

अमेरिका-ईरान जंग में ठहराव से तेल सस्ता 5 प्रतिशत तक गिरी क्रूड ऑयल की कीमत

एजेंसी, तेहरान

सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखी गई। इसकी वजह अमेरिका और ईरान के बीच सप्ताहांत में कोई नया हमला न होना है। इससे उम्मीद बनी है कि कूटनीति से मिडिल ईस्ट में तनाव कम हो सकता है और होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की शिपिंग फिर से शुरू हो सकती है।

शुरुआत में तेल लगभग 5 फीसदी तक गिरा। ब्रेंट क्रूड 4.37 डॉलर यानी 4.52 फीसदी गिरकर 92.41 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 4.30 डॉलर यानी 4.81 फीसदी गिरकर 85.01 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। लगातार तीन हफ्ते बढ़ने के बाद अब दोनों तेल एक हफ्ते के सबसे निचले स्तर पर हैं। सितंबर वाले ब्रेंट कॉन्ट्रैक्ट में 4.9 फीसदी की गिरावट आई और वो 92.02 डॉलर पर पहुंच गया। वहीं सितंबर वाला अमेरिकी क्रूड 5.6 फीसदी गिरकर 84.34 डॉलर पर आ गया। हाल ही में मिडिल ईस्ट में बढ़ते टकराव की वजह से ब्रेंट तेल 102 डॉलर तक पहुंच गया था। ये मई के बाद का सबसे ऊंचा स्तर था।

हमले कम होने के बावजूद शिपिंग पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। Kpler के डेटा के मुताबिक वीकेंड में हर दिन 10 से भी कम तेल के जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरे। लाल सागर में यमन के हूथी विद्रोहियों के हमलों की वजह से बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से भी जहाज कम निकले। दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल होर्मुज जलडमरूमध्य से ही गुजरता है। फरवरी में अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद से ये रास्ता तेल बाजार के लिए सबसे अहम मुद्दा बना हुआ है। हालांकि कीमतें पिछले हफ्ते के ऊंचे स्तर से नीचे आ गई हैं, लेकिन टकराव खत्म न होने की वजह से बाजार में अनिश्चितता अब भी बनी हुई है।

अमेरिका-ईरान तनाव में ठहराव, कीमतों पर असर

पिछले दो दिनों से अमेरिका और ईरान ने फारस की खाड़ी में कोई सैन्य हमला नहीं किया है। दो हफ्ते तक हमलों के बाद अब थोड़ा ठहराव आया है। अमेरिका के राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कूटनीति के लिए समय देने के लिए हमले रोक दिए हैं।

चांदी 2,050 बढ़कर 2.25 लाख और सोना 751 रुपए महंगा होकर पहुंचा 1.45 लाख

एजेंसी, नई दिल्ली

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 27 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 2,050 रुपए बढ़कर 2.25 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 751 रुपए चढ़कर 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 12 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 5 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.25 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सेंसेक्स 776 अंक चढ़कर 76,836 पर बंद और निफ्टी 23,996 पर पहुंचा

एजेंसी, मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 27 जुलाई को बढ़त रही। सेंसेक्स 776 अंक की बढ़त के साथ 76,836 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 229 अंक की बढ़त रही, ये 23,996 पर बंद हुआ। ऑटो, रियल्टी, आईटी और मीडिया शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। ब्रेंट क्रूड के दाम में आज करीब 4% की गिरावट है। ये आज 93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव में कमी आने में दामों में गिरावट है। हालांकि जानकारों का मानना है कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच अगर आगे तनाव फिर बढ़ता है, तो तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है। इससे पहले 24 जुलाई को शेयर बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 331 अंक की गिरावट के साथ 76,059 पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 102 अंक की गिरावट रही, ये 23,767 के स्तर पर बंद हुआ था।

प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई को लेकर सीजेपी ने जताई चिंता

एजेंसी, नई दिल्ली। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने छात्र आंदोलन में शामिल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित कार्रवाई को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने सोमवार को कहा कि असम, पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों में छात्रों और अन्य प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने और गिरफ्तार किए जाने की खबरें मिल रही हैं। सौरव दास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि सीजेपी ने अपना देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन सरकार के आश्वासन के बाद ही रोका था कि किसी भी प्रदर्शनकारी के खिलाफ वर्तमान या भविष्य में दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन की कानूनी टीम संबंधित राज्यों के वकीलों के साथ मिलकर हिरासत में लिए गए लोगों को कानूनी सहायता उपलब्ध करा रही है और उनकी रिहाई के प्रयास कर रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह अपने आश्वासन का सम्मान करें। उन्होंने मांग की कि हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा किया जाए व किसी भी व्यक्ति के खिलाफ बदले की कार्रवाई न की जाए।